हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

25 मार्च, 1985

खण्ड 1, अंक 12

अधिकृत विवरण

विशय सूची

सोमवार, 25 मार्च, 1985

पृश्ठ संख्या

स्थगित तारांकित प्र न संख्या 817 पर अनुपूरक प्र न (पुनरारम्भ)	(12)1
तारांकित प्र न एवं उत्तर	(12)4
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए	(12)40

तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	
24–3–1985 को चण्डीगढ़ में हत्या किए गए व्यक्तियों के परिवारों को संवेदना संदे ा	(12)52
अध्यक्ष द्वारा घोशणा– स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी के भाोक प्रस्ताव के बारे में प्रधान मंत्री के उत्तर संबंधी	(12)53
ध्यानाकर्शण प्रस्ताव– रोहतक में पेय जल के संकट संबंधी	(12)52
वक्तव्य– लौक स्वास्थ्य मंत्री द्वारा उपर्युक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव संबंधी	(12)54
विभिन्न विशयों का उठाया जाना	(12)59
वर्श 1985–86 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(12)61

हरियाणा विधान सभा

भुक्रवार, 22 मार्च, 1985

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर 1 चण्डीगढ मे 9.30 बजे हुई । अध्यक्ष (सरदार तारा सिंह) ने अध्यक्षता की ।

स्थगित तारांकित प्र न संख्या 817 पर अनुपूरक प्र न (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker: Hon'ble Members, before the questions listed for today are asked, the supplementaries on Starred Question @No. 817 listed in the name of Prof. Sampat Singh for 22-3-1985 will be asked first.

श्री वीरेन्द्र सिंहः क्या मुख्यमंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि कपडे के लिए जो टैंडर्ज मांगे गए, वे किस किस से मांगे और कपडे का क्या रेट था ?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, 1982 में पुलिस के लिए जो कपडा खरीदा गया उसके लिये पहले तीन कोटे ान आयेा और उन फर्मों के नाम हैं, मैसर्ज ने ानल वूलन मिल्ज, चण्डीगढ, मैसर्ज कानुपर वुलन मिल्ज, कानपुर और मैसर्ज न्यू एगरटन वूलन मिल्ज, धारीवाल। स्पीकर साहब, मै0 नै ानल वूलन मिल्ज, चण्डीगढ का दर 79.00 रूपए प्रति मीटर था, मै0 कानपुर वूलन मिल्ज, कानपुर का रेट 64.44 रूपए प्रति मीटर था लेकिन इनका टैंडर टैस्ट रिपोर्ट व सैम्पल न होने के कारण

अस्वीकृत कर दिया गया। मै0 न्यू एगरटन, वूलन मिल्ज, धारीवाल का रेट 84.40 रूपए प्रति मीटर था। मै0 नै ान वूलन मिल्ज, चण्डीगढ से 79.00 रूपए के भाव से 2818 मीटर कपडा 222622 रूपये का खरीदा गया। स्पीकर साहब, इसके बाद पांच कोटे ान आए। पहला मै0 नै ानल वूलन मिल, चण्डीगढ का दूसरा मै0 पानीपत वलून मिल, खडा का, तीसरा मै0 केपकोन, नई दिल्ली का, चौथा मै0 न्यू एगरटन वूलन मिल, धारीवाल का और पांचवा मै0 कानपुर वूलन मिल्ज, कानपुर का। इनके रेट क्रम ाः इस प्रकार से हैः 79.00 रूपए, 72.90 रूपए, 84.00 रूपए, 92.25 रूपए और 96.00 रूपए प्रति मीटर। मै0 नै ानपल वूलन मिल, चण्डीगढ का कोटे ान स्वीकृत किया गया और 11050 मीटर कपडा 872950.00 रूपये का खरीदा गया। मै0 नै ानल वूलन मिल, चण्डीगढ का ही 72.00 रूपए वाला ए सैम्पल मस्टर पैटर्न के अनुरूप नहीं था। फिर तीन टैंडर आए। इनमें से एक मै0 नै ानल वूलन मिल्ज, चण्डीगढ का था और दूसरा मै0 स्वास्तिक वूलन मिल्ज, पानीपत का था और तीसरा न्यू एगरटन वूलन मिल्ज, धारीवाल का था। इनहोंने 80 रूपए प्रति मीटर कीमत कोट की थी। मै0 स्वास्तिक वूलन मिलज ने 58.44 रूपये प्रति मीटर रेट कोट किया था लेकिन सैम्पल मस्टर पैटर्न के अनुरूप नहीं था। अतः अस्वीकृत किया गया। इनमें से मै0 नै ानल वूलन मिल्ज, चण्डीगढ को आर्डर प्लेस किया गया और 3839 मीटर कपडा खरीदा गया। इसके बाद ग्रेट कोट क्लोथ खाकी तीन हजार मीटर लिया गया। इसमें तीन टैंडर आए। एक मै0 नै ानल वूलन मिल्ज,

चण्डीगढ का, दूसरा मै0 पानीपत वूलन मिल्ज, खरड का और तीसरा मै0 न्यू एगरटन वूलन मिल्ज धारीवाल का। इनके रेट क्रम ाः 64.00 रूपए, 71.67 रूपए और 77.50 रूपए प्रति मीटर थे। मै0 नै ानल वूलन मिल्ज चण्डीगढ को 192000.00 रूपए का आर्डर प्लेस किया गया। इसके बाद 3500 मीटर कपडा खरीदा गया। इसके लिए चार टैंडर आए। एक मै0 नै ानल वूलन मिल्ज, चण्डीगढ का दूसरा मै0 स्वास्तिक वूलन मिल्ज, पानीपत का तीसर मै0 कानपुर वूलन मिल, कानपुर का और चौथा मै0 न्यू एगरटन वूलन मिल्ज, धारीवाल का। इन्होंने क्रम ाः रेट कोट किएः 66.00 रूपए और 56.00 रूपये प्रति मीटर। 5660 वाला सैम्पल मस्टर पैटर्न के अनुसार नहीं था। दूसरा रेट 58.44 रूपए, तीसरा 83.00 रूपये और चौथा 92.00 रूपये प्रति मीटर था। मैं0 नै ानल वूलन मिल्ज, चण्डीगढ को 231000.00 रूपए का आर्डर प्लेस किया गया। स्पीकर साहब, इसके बाद अंगोला चार हजार मीटर खरीदा गया। इसमें चार टैंडर आए। मैं0 नै ानल वूलन मिल्ज, चण्डीगढ ने 55. 00 रूपए प्रति मीटर रेट कोट किया। मै0 पानीपत वूलन मिल्ज खरड ने 55.90 रूपए प्रति मीटर रेट कोट किया, मै0 न्यू एगरटन वूलन मिल्ज धारीवाल ने 59.80 रूपए प्रति मीटर रेट कोट किए और मै0 कानपुर वूलन मिल्ज ने 60.00 रूपए प्रति मीटर रेट कोट किया गया। इसके बाद कोटन ड्रिल खाकी 25000 मीटर खरीदा गया। इसके लिये तीन टै।डर आए। पहला मै0 गोयल कारपोरे ान चण्डीगढ (एलगन मिल) दूसरा मै0 एलगन मिल, कानपुर और तीसरा मै0 जे0के0 मार्किटिंग कलकत्ता का थरा।

पहले वाले ने 8.68 रूपए प्रति मीटर रेट कोट किया। दूसरे ने 8. 03 रूपए रेट कोट किया लेकिन इसके साथ टैस्ट रिपोर्ट और सैम्पल नहीं भेजा। तीसरे ने 8.45 रूपए प्रति मीटर रेट कोट किया लेकिन इसने भी टैस्ट रिपोर्ट और सैम्पल नहीं भेजा। इसमें मै0 गोयल कार्पोरे ान चण्डीगढ को 217000.00 रूपए का आर्डर प्लेस किया गया।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी ने जितना पढा है उतना काफी है। स्पीकर साहब, जवाब में बताया गया है कि कुछ के कोटे ान लोयर भी थे और एक दो के रिजैक्ट भी किए गए क्योंकि उन्होंने सैंपल नहीं भेजे थे और एक दो फर्म्ज के सैम्पल अप टू दी स्टैंडर्ड नहीं थे। मतलब यह है कि वह कपडा अप टू दी मार्क नहीं था। क्या मुख्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि उस कमेटी में कोई टैक्नीकल आदमी टैक्सटाइल का ऐक्सपर्ट भी बैठाया गया था या नहीं ?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, 1982 में कोई हाई पावर्ड कमेटी नहीं थी। मई, 1983 में कमेटी बनाई गई थी। उससे पहले पांच आदमी कमेटी में बैठते थे। इन पांच आदमियों में एक सप्लाईज एण्ड डिस्पोजल विभाग का आदमी होता था, एक टैक्सटाइल ऐक्सपर्ट बैठता था, एक हमकमे का सीनियर अधिकारी बैठता था और दो डिपार्टमैंट के आदमी बैठ कर फैसला करते थे।

श्री वीरेन्द्र सिंहः जो टैक्सटाइल का ऐक्सपर्ट होता था उसका नाम क्या है ?

चौधरी भजन लालः उसका नाम इस वक्त मेरे पास नहीं है। स्पीकर साहब, पांच आदमियों की कमेटी बनी हुई है। जो चीज परचेज की जाती है उसमें उस चीज की जिस आदमी को जानकारी होती है, उसको भाामिल किया जाता है।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, जो सूचना सदन को दी गई है। उसमें बताया गया है कि कुछ फर्म्ज के रेट ऊंचे थे और कूछ के नीचे भी थे। मेरी सप्लीमैंटरी श्री वीरेन्द्र सिंह के सवाल से मिलती जुलती है। मुख्य मंत्री जी सैंपल की बात कर रहे थे, टैंडर जिसका नीचा हो उसकी भी बात कर रहे थे, कपडे के स्टैंडर्ड की बात कर रहे थे। स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री के जवाब से पता लगता है कि जो सब से ज्यादा रेट थे उसको भी इन्होंने छोड दिया और जो सब से नीचे वाला रेट था उसको भी छोड दिया और नीचे से ऊपर वाला जो रेट था वह कपडा लिया गया। इसका मतलब यह है कि कपडा खरीदने में डिस्क्री ान की बात हुई। जिस मिल का कपडा लेना चाहें वह लिया जा सकता है। रेट ऊंचा और नीचा होने का कोई फर्क नहीं है। क्या मुख्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगें कि जिस मिल का सबसे लोएस्ट टैंडर था उसका कपडा क्यों नहीं लिया गया उससे ऊंचे रेट का कपडा क्यों खरीदा गया ?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, बाकयदा औडिट होता है और इसमें किसी अधिकारी के गलती करने का सवाल ही पैदा नहीं होता। स्पीकर साहब, टैंडर इंवाइट किए जाते हैं। सारी चीजें देखी जाती हैं। जब इ तहार निकालते हैं तो उसमें दिया जाता है कि सैम्पल साथ लगा होना चाहिए और दूसरी कंडी ांज पूरी करनी चाहिए। जो सैंपल होता है उसका टैस्ट होता है। कुछ लोग सम्पल नहीं भेजते और कुछ के सैम्पल जो चीज मांग रखी है उसके मुताबिक नहीं होते तो ऐसी हाल में वह चीज लेने का सवाल ही पैदा नहीं होता। स्पीकर साहब, बाकायदा औडिट होता है अगर किसी को इग्नोर किया जाए तो उसके बारे में जवाब देना पडता हैं

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, प्रो0 सम्पत सिंह ने जो सवाल पूछा है उसका जवाब नहीं आया है। ये टाल मटोल कर रहे हैं।

श्री अध्यक्षः इसमें टाल मटोल की क्या बात है ? टैंडर के साथ सैम्पल मांगे जाते हैं और अगर कोई टैंडर की कंडी ान्ज को पूरी नहीं करता तो आप क्या करेंगे ?

चौधरी ओम प्रका ाः मुख्य मंत्री महोदय ने अलग अलग फर्म्ज के नाम लिए हैं जिनसे कि कपडा खरीदा गया है। स्पीकर साहब, ने ानल लैवल पर एक टैक्सटाइल कार्पोरे ान है। क्या सरकार द्वारा इस बात पर विचार किया जाएगा कि जितना भी

कपडा खरीदना हो वह ने ानल टैक्सटाईल कार्पोरे ान से ही खरीदा जाए ?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, 57 लाख का कपडा जो भारत सरकार का बना हुआ है वह भी लिया गया है।

श्री फतेह चन्द विजः क्या मुख्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि कपडा खरीदने का कमेटी ने जो फैसला किया वह फैसला मुतफिका था या किसी मैम्बर का डाइसैन्टिंग नोट भी था ?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, कमेटी का यूनानिमस फैसला था और कोई डाइसैंटिंग नोट नहीं था। स्पीकर साहब, जो सरकारी अदायरे हैं उनको पहल दी जाती है।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री महोदय ने अभी अपना जवाब देते हुए यह बताया कि जब हम टैंडर काल करते हैं तो उस के लिये कुछ कंडी ान्ज होती हैं जिनको फुलफिल करना पडता है। मैं आपके द्वारा उनसे यह जानना चाहता हूं कि वे कौन सी ऐसी कंडी ान्ज होती हैं ? हाउस के मैम्बर्ज को भी उन कंडी ान्ज की जानकारी तो होनी चाहिये।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, कई तरह की कंडी ान्ज होती हैं, जैसे पहली क्वालिटी का भी ध्यान रखा जाता है, कपडे का तना कितना होना चाहिये, उसकी डयूरे ान कितनी

होगी, कितना खिचाव वह कपडा बर्दा त कर सकता है आदि आदि। इन सभी बातों को सामने रखकर कपडा खरीदा जाता है।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष: आनरेबल मैम्बर्ज, अब आज की क्वै चन लिस्ट को टेक अप किया जाएगा।

Disturbances upon the assassination of Mrs. Indira Gandhi

***818. Smt. Chandravati, Prof. Sampat Singh, Sh. Hira Nand Arya:** Will the Minister of State for Revenue and Home be pleased to state-

(a) whether any disturbances took place in the State after the assassination of Mrs. Indira Gandhi during the period from 31st October 1984 to 10th November 1984; if so, the number of persons, if any, murdered in the State in the said disturbances together with the names of the places where such murders were committed;

(b the amount of property, if any, lost due to arson/looting during the said disturbances and the amount of looted property, if any, recovered so far;

(c) the names and addresses of the persons against whom cases of murder/attempt to murders, looting and arson have been registered together with the details of offences in each case;

(d) the amount of compensation, if any, paid to the persons who sufferred losses due to arson/looting, as referred to above; and

(e) whether any cases, out of those referred to in part (a) and (c) above are still untraced; if so, the number thereof ?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): पूछी गई सूचना देना जनहित में नहीं होगा।

श्री अध्यक्षः मैम्बार साहेबान, जैसा इस क्वै चन के जवाब में बताया गया है, मुझे सैपरेट लैटर भी आया है। It think we all agree that. इससे कम्युनल भावना और बढेंगी। कई ऐसी बातें हैं जो सरकार कहना नहीं चाहती। इससे मैं भी सहमत हूं और मेरा ख्याल है कि सारा हाउस भी इससे सहमत होगा। इसलिये मेरी रिकवैस्ट है कि इस मसले पर हम ज्यादा हिसक ान न करें तो अच्छा होगा।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, जुडि ायल इंक्वायरी तो ये करवा सकते हैं।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह हरियाणा सरकार का काम नहीं है। यह तो भारत सरकार का मसला है।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, यह ठीक है कि ये उन लोगों के नाम और पते न बताएं लेकिन जो इतनी ज्यादा ट्रेजडीज हुई है उनके बारे में तो बताएं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप सरकार के साथ एग्री न करें लेकिन मेरे साथ तो ऐग्री करेंगे।

प्रो0 सम्पत सिंहः आप मेरी सबमि ान सुन लें अगर आपको जंच जाए तो ठीक है। इन रायटस के लिए जो कम्पनसे ान रखी है वह है कि जिसका मकान बरबाद हो गया या जो मर गया है उसकी फैमिली को 10 हजार रूपये सरकार की तरफ से दिए जाएंगे। मैं आपको बताना चाहता हूं कि सिवाय एक दो केसिज को छोड कर किसी को भी कम्पनसे ान नहीं मिलता है। एक फैमिली जो 17 मैम्बर्ज की थी उसके 16 आदमियों को मिसिंग दिखा दिया गया (विघ्न) इस तरह से 10 हजार रूपए एक फैमिली को देना, यूं ही आंसू पोंछने वाली बात है। (ाोर)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, अगर माननीय सदस्य जरा ज्ञान से या सोच समझ कर देखते तो इनको यह सवाल पूछना ही नहीं चाहिये था। इन्होंने यह कह दिया कि किसी को भी कोई मुआवजा नहीं दिया गया है। यह गलत है। सरकार ने 10 हजार रूपया फी फैमिली के हिसाब से मरने वाले की फैमिली को और 10 हजार रूपया मकान वगैरह जिनके जल गये हैं, बरबाल हो गये हैं, उनको दिये हैं। इस तरह से 55 लाख रूपये की सहायता सरकार ने इसके लिये दी है और ये कह रहे हैं कि सरकार ने कुछ नहीं दिया है।

चौधरी धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, यह बिल्कुल गलत है। श्री मांगे राम विधायक का बहादुरगढ में मकान था जो कि लगभग एक लाख का होगा वह पूरी तरह से बरबाद हो गया था लेकिन उनको केवल 1600 रूपये मुआवजे के तौर पर दिये गये हैं।

श्री लछमन सिंहः स्पीकर सर, अभी मुख्य मंत्री महोदय ने यह बताया कि लोगों को राहत के तौर पर सरकार ने 55 लाख रूपये की सहायता दी है। मैं इनसे यह जानना चाहता हूं कि जो 43 लाख रूपये की लूटिंड प्रौपटी की रिकवरी हुई है, क्या वह पैसा भी इस पैसे में भाामिल तो नहीं है ?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, इन्होंने तो सप्लीमैंटरीज पूछनी भाुरू कर दीं यह बात ठीक नहीं है लेकिन फिर भी मैं बता देता हूं। मैं पहले भी बता चुका हूं कि सरकार ने 10 हजार रूपये फी फैमिली के हिसाब से मरने वाले की फैमिली को और 10 हजार रूपया जिनका मकान नश्ट हो गया है उनको सहायता के तौर पर दिया है। इस तरह से टोटल रा ि ा 55 लाख रूपया बनती है जो कि सरकार की ओर से सहायता के तौर पर दी गयी है।

श्री अध्यक्षः साहेबान आपने सवाल के आगे लिखा जवाब पढ लिया है। मैंने भी रिक्वैसटिंग मूड में यह कहा कि आप सब मेरे से सहमत होंगे लेकिन लीगल पोजी ान यह है कि अगर

सरकार किसी सवाल का जवाब नहीं देना चाहती तो मैं उसके लिये सरकार को फोर्स नहीं कर सकता। इसलिये मैंने वे लफज पहले इस्तेमाल नहीं किये मैंने कहा कि अगर मैम्बर्ज सहमति प्रगट करें सप्लीमैंटरी न पूछं तो ठीक होगा। (ाोर एवं व्यवधान)

डा0 भीम सिंह दहियाः स्पीकर साहब, मेरी एक सबमि ान थी। इम आपके साथ बिलकुल सहमत हैं कि भाायद इन्फर्मै ान पब्लिक इंट्रैस्ट में नही है लेकिन रूलज आफ प्रोसीजन के अनु सार जब आप किसी क्वै चन को ऐडमिट कर लेते हैं तो क्या कोई मंत्री या मुख्य मंत्री महोदय यह कह सकते हैं कि हम इसी इन्फर्मे ान नहीं देंगे या यह सूचना देना पब्लिक इंट्रैस्ट में नहीं है ? क्या यह बात कहना चेयर पर ऐसप ार्न नहीं है ?

श्री लछमन सिंहः स्पीकर साहब, मेरी भी एक सबमि ान है कि चीफमिनिस्टर साहब डैथ्स के बारे में भले न बताएं लेकिन दूसरी बातें तो बता दें। उन्होंने यह कहा है कि इन सब बातों को बताना पब्लिक इंट्रैस्ट में नहीं होगा। मैं तो आपके द्वारा उनसे केवल यह जानना चाहता हूं कि इन्होंने जो 55 लाख रूपये की रा ि ा लोगों को राहत के तौर पद दी है उसमें 43 लाख रूपया जो लूटिड प्रोपर्टी का इकट्ठा हुआ है, वह भी भाामिल है या नहीं ? क्या क्लेम की गयी प्रौपर्टी वारिसों को चली गयी है कि नहीं ? (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, जो प्रोपर्टी रिकवर हुई है, वह उनके मालिकों को अव य मिलेगी यदि वह उनकी होगी उन्हें यह साबित करना होगा।

श्री अध्यक्ष: दहिया साहब, आपने अपनी बात कही और मेरी रूलिंग चाही। मैं आपको बताना चाहता हूं कि कई दफा क्वै चन ऐडमिट होने के बाद सरकार रिप्रेजैंट करे या सरकार हाउस में यह कहती है कि इन्फर्मे ान देने से हालात बिगडेंगे और स्पीकर खुद इस बात को महसूस करे कि यह क्वै चन एडमिट नहीं होना चाहिए था तो उन हालात में स्पीकर यह नहीं समझता कि उसको डिसओबे किया गया है। मैं चूंकि इस बात से सहमत हूं इसलिये मैंने यह बात कही है।

Construction of Water Tanks

***860 Ch. Balvir Singh Grewal:** Will the Minister of State for Public Health be pleased to state-

(a) whether any life span is fixed for the water supply tanks constructed by Public Health Department; if so, the details thereof;

(b) districtwise number of water tanks existing at present in the rural areas together with the year of construction of each one of them and the amount of expenditure incurrred on the construction thereof in the State:

(c) whether any of the water supply tanks, out of those referred to in part (b) above, got damaged before they

completed their life span, if any fixed; if so, details thereof togetherwith the action, if any, taken against the officer/official/constractor, if any, held responsible therefor; and

(c) the per capita litres of water being suppled at present in the rural and urban areas separately togetherwith the criteria fixed thereof ?

लोक स्वास्थ्य मंत्री मंत्री (श्रीमती प्रसन्नी देवी):

(क) जी हां, 50 वर्श।

(ख), (ग) तथा (घ) सूचना अनुबन्ध 1, 2 तथा 3 के रूप में पटल पर प्रस्तुत है।

अनुबन्ध 1

जिलावार जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा ग्रामीण जल वितरण योजनाओं के लिये बनाये गये टैंक–

क्र0 सं0	निर्माण वर्श	एस0 और एस0 टैंक	संख्या		
			क्लीयर वाटर टैंक	हाई लेवल टैंक	ओवर हैड सर्विस रैजरवायर
जिला अम्बाला					
1	1–11–66 से पहले वर्तमान टैंकों की संख्या				
2	1966–67				
3	1967–68				
4	1968–69				
5	1969–70				
6	1970–71				2

7	1971–72				
8	1972–73				1
9	1973–74				2
10	1974–75				1
11	1975–76				2
12	1976–77				3
13	1977–78				1
14	1978–79				
15	1979–80		1		
16	1980–81				5
17	1981–82				3
18	1982–83				8
19	1983–84				2
20	1984–85 (अपटू 12–84)				3
	कुल		1		33

	1–11–66 तक अनुमानित रा ि ा				
	1–11–66 से 12/84 के अन्तर्गत अनुमानित रा ि ा (लाखों में)		0.06		24.61
जिला भिवानी					
1	1–11–66 से पहले वर्तमान टैंकों की संख्या	4	1	1	1
2	1966–67				
3	1967–68	1	2	1	
4	1968–69				
5	1969–70				

6	1970—71	7	6	6	6
7	1971—72	6	3	3	3
8	1972—73	2	2	1	
9	1973—74	2	2	2	
10	1974—75	2	2	1	1
11	1975—76	10	10	7	7
12	1976—77	5	6	43	
13	1977—78	3	2	2	2
14	1978—79	5	6	4	3
15	1979—80	5	4	4	4
16	1980—81	6	4	2	4
17	1981—82	1	1	1	3
18	1982—83	9	5	3	5
19	1983—84	4	2	2	
20	1984—85 (12／84)	2	7	7	

	कुल	74	65	51	42
	1–11–66 तक अनुमानित रा ि ा	2.58	0.03	0.02	0.06
	1–11–66 से 12/84 के अन्तर्गत अनुमानित रा ि ा (लाखों में)	129.46	23.29	10.25	34.88
जिला फरीदाबाद					
1	1–11–66 से पहले वर्तमान टैंकों की संख्या				
2	1966–67				
3	1967–68				
4	1968–69				

5	1969—70				
6	1970—71				
7	1971—72				
8	1972—73				
9	1973—74				
10	1974—75				
11	1975—76				
12	1976—77				
13	1977—78				
14	1978—79				2
15	1979—80				
16	1980—81				
17	1981—82				2
18	1982—83				6
19	1983—84				

20	1984–85 (12/84)				
	कुल				10
	1–11–66 तक अनुमानित रा ि ा				
	1–11–66 से 12/84 के अन्तर्गत अनुमानित रा ि ा (लाखों में)				19.26
जिला गुड़गांव					
1	1–11–66 से पहले वर्तमान टैंकों की संख्या				1
2	1966–67				
3	1967–68				

4	1968—69				
5	1969—70				
6	1970—71				
7	1971—72				1
8	1972—73				1
9	1973—74				
10	1974—75				2
11	1975—76				
12	1976—77				
13	1977—78				
14	1978—79				
15	1979—80				
16	1980—81				1
17	1981—82				4
18	1982—83				2

19	1983–84				5
20	1984–85 (12/84)				4
	कुल				21
	1–11–66 तक अनुमानित रा ि ा				0.20
	1–11–66 से 12/84 के अन्तर्गत अनुमानित रा ि ा (लाखों में)				31.39
जिला हिसार					
1	1–11–66 से पहले वर्तमान टैंकों की संख्या	22	21	19	8
2	1966–67				

3	1967—68	4	2	2	
4	1968—69	1	1	1	
5	1969—70	1	2	1	1
6	1970—71	9	8	5	2
7	1971—72	4	4	2	
8	1972—73	8	6	4	3
9	1973—74	2	4	4	1
10	1974—75	7	2	3	4
11	1975—76	2	2	2	1
12	1976—77	7	7	7	
13	1977—78	7	7	5	
14	1978—79	10	9	7	2
15	1979—80	19	10	13	4
16	1980—81	14	21	17	7
17	1981—82	28	28	18	10

18	1982–83	37	59	40	14
19	1983–84	10	4	2	4
20	1984–85 (12/84)	7	2	5	6
	कुल	199	207	157	67
	1–11–66 तक अनुमानित राि ा	6.82	2.10	0.84	1.12
	1–11–66 से 12/84 के अन्तर्गत अनुमानित राि ा (लाखों में)	201.44	72.81	30.34	90.39
जिला जीन्द					
1	1–11–66 से पहले वर्तमान टैंकों की संख्या	3	3	1	

2	1966—67	1	1		
3	1967—68				
4	1968—69	2	1	1	2
5	1969—70	2	2	1	
6	1970—71	8	4	3	
7	1971—72	7	6	5	2
8	1972—73	10	10	9	1
9	1973—74				1
10	1974—75	2	2	1	3
11	1975—76	4	4	3	1
12	1976—77				1
13	1977—78	1	1	1	
14	1978—79	3	3	2	
15	1979—80				2
16	1980—81	3	3	3	3

17	1981–82	10	12	7	3
18	1982–83	13	17	12	4
19	1983–84	8	8	7	3
20	1984–85 (12/84)	12	13	10	1
	कुल	89	90	66	27
	1–11–66 तक अनुमानित रा ि ा	1.85	1.31	0.04	
	1–11–66 से 12/84 के अन्तर्गत अनुमानित रा ि ा (लाखों में)	109.91	21.46	10.60	45.20
जिला करनाल					
1	1–11–66 से पहले वर्तमान टैंकों की				

	संख्या				
2	1966–67				
3	1967–68				
4	1968–69				
5	1969–70				
6	1970–71				1
7	1971–72				
8	1972–73				
9	1973–74				
10	1974–75				2
11	1975–76				
12	1976–77				
13	1977–78				
14	1978–79				
15	1979–80				

16	1980–81	2	1		3
17	1981–82				
18	1982–83	2	2	2	
19	1983–84	3	4	4	
20	1984–85 (12/84)	1	2	2	
	कुल	8	9	8	6
	1–11–66 तक अनुमानित राि ा				
	1–11–66 से 12/84 के अन्तर्गत अनुमानित राि ा (लाखों में)	21.69	4.03	2.56	4.76
जिला कुरूक्षेत्र					
1	1–11–66 से				

	पहले वर्तमान टैंकों की संख्या				
2	1966–67				
3	1967–68				
4	1968–69				
5	1969–70				
6	1970–71				
7	1971–72				
8	1972–73				1
9	1973–74				
10	1974–75				3
11	1975–76				3
12	1976–77				
13	1977–78				
14	1978–79				

15	1979–80				1
16	1980–81				
17	1981–82				
18	1982–83				1
19	1983–84				
20	1984–85 (12/84)				
	कुल				9
	1–11–66 तक अनुमानित रा ि ा				
	1–11–66 से 12/84 के अन्तर्गत अनुमानित रा ि ा (लाखों में)				6.52
जिला महेन्द्रगढ़					

1	1–11–66 से पहले वर्तमान टैंकों की संख्या				3
2	1966–67				
3	1967–68				2
4	1968–69				1
5	1969–70				1
6	1970–71				3
7	1971–72				1
8	1972–73				
9	1973–74				2
10	1974–75				1
11	1975–76				
12	1976–77				
13	1977–78				1

14	1978–79				1
15	1979–80		2		2
16	1980–81		1		6
17	1981–82		11		3
18	1982–83		5		
19	1983–84				
20	1984–85 (12/84)				4
	कुल		21		31
	1–11–66 तक अनुमानित रा ि ा				0.42
	1–11–66 से 12/84 के अन्तर्गत अनुमानित रा ि ा (लाखों में)		12.80		40.18

जिला रोहतक					
1	1–11–66 से पहले वर्तमान टैंकों की संख्या	1	1	1	1
2	1966–67				
3	1967–68	1	1	1	
4	1968–69		1	1	1
5	1969–70	1	2	2	2
6	1970–71				
7	1971–72	4	5	2	2
8	1972–73	9	11	7	3
9	1973–74	1	1	1	
10	1974–75	4	4	4	3
11	1975–76				1
12	1976–77				

13	1977–78	3	3	3	
14	1978–79	3	4	2	
15	1979–80	5	3	4	2
16	1980–81	6	5	5	1
17	1981–82	15	14	4	
18	1982–83	19	19	7	2
19	1983–84	13	14	4	
20	1984–85 (12/84)	8	14	14	2
	कुल	73	102	63	20
	1–11–66 तक अनुमानित रा ि	0.70	0.08	0.03	0.20
	1–11–66 से 12/84 के अन्तर्गत अनुमानित रा ि (लाखों	202.12	28.35	10.45	19.88

	में)				
जिला सिरसा					
1	1–11–66 से पहले वर्तमान टैंकों की संख्या	10	10	9	6
2	1966–67				
3	1967–68				
4	1968–69				
5	1969–70				
6	1970–71				
7	1971–72				
8	1972–73				
9	1973–74				
10	1974–75				
11	1975–76	3	2	1	1

12	1976–77	2	3	2	1
13	1977–78	10	8	7	1
14	1978–79	21	13	10	5
15	1979–80	5	3	3	2
16	1980–81	11	17	9	7
17	1981–82	10	14	9	1
18	1982–83	14	20	14	6
19	1983–84	5	6	3	2
20	1984–85 (12/84)	7	12	9	1
	कुल	98	108	76	33
	1–11–66 तक अनुमानित रा ि ा	2.41	1.36	0.44	2.17
	1–11–66 से 12/84 के अन्तर्गत	132.07	35.68	14.07	40.07

	अनुमानित राि ा (लाखों में)				
जिला सोनीपत					
1	1–11–66 से पहले वर्तमान टैंकों की संख्या	1	1	1	1
2	1966–67	1	1	1	1
3	1967–68				
4	1968–69				
5	1969–70				
6	1970–71				
7	1971–72				
8	1972–73				
9	1973–74				
10	1974–75				

11	1975–76				
12	1976–77				
13	1977–78	2	4	4	1
14	1978–79				
15	1979–80	6	10	6	
16	1980–81	8	12	8	
17	1981–82	1	2	1	
18	1982–83	2	3	2	
19	1983–84				
20	1984–85 (12/84)				
	कुल	21	33	23	3
	1–11–66 तक अनुमानित रा ि ।	1.35	0.38	0.19	0.70
	1–11–66 से 12/84 के	59.60	13.11	5.27	6.10

	अन्तर्गत अनुमानित रा ि ा (लाखों में)				

अनुबन्ध 2

जिले का नाम	ग्रामीण पेयजल वितरण योजना का नाम	क्षतिग्रस्त टैंकों की संख्या	क्षतिग्रस्त टैंक की किस्म	जिस वर्श में टैंक का निम्रण हुआ	जिस वर्श में टैंक क्षतिग्रस्त हुआ	अधिकारी/कर्मचारी/ठेकेदार के विरूद्ध की गई कार्यवाही
हिसार	1. बानमधारी	1	स्टोरेज तथ सैडिमैंटे ान टैंक	1970	1978	किसी भी अधिकारी/कर्मचारी/ठेकेदार के विरूद्ध कोई कार्यवाी नहीं की गई क्योंकि टैंक को क्षति बिना किसी अनुमान के स्टोरेज तथा सैडिमैंटे ान टैंक के तल के ऊपर अधिक
	2. भटटू	1	″	1970	1978	
	3. बडोपल	1	″	1977	1978	
	4. पेटवार	2	″	1970	1978	

	5. थुराना	2	″	1971	1978	जलस्तर बढने के कारण हुई है।
	6. भाटोल	1	″	1964	1978	
रोहतक	1. भलोत	1	″	1962	1982	यथोपरि
जींद	1. बेलेरखा	2	″	1970	1982	यथोपरि
	2 सिमला	1		1973	1982	
	3. बालु	1		1970	1982	
भिवानी	1. तिगड़ाना	1	″	1975	1984	स्टोरेज तथा सैडिमैंटे ान टेंक की एक तरफ की ईंटों की लाईनिग का कुछ भाग नीचे की लाईनिंग की अनि चत स्थिरता के

						कारण क्षतिग्रस्त हो गया था। इस टैंक की मुरम्मत कर दी गई है और कोई अधिकारी/ कर्मचारी/ठेकेदार जिम्मेवार नहीं है।
	2. बरवा	1	"	1974	1984	जैसा कि ऊपर वर्णित किया गया है, परन्तु टैंक की अभी मुरम्मत हो रही है।
सिरसा	1 अलिका	1	ओवरहैड सर्विस रिजर्वायर	1980	1980	पानी की ऊंची टैंकी टैस्ट करते समय गिर गई और ठेकेदार द्वारा अपने खर्चे पर पुनः बनाई गई। इससे सरकार को कोई हानि नहीं

						हुई है।
अम्बाला	1 मढोवाला	1	″	1982	1982	

अनुबन्ध 3

जल वितरण की निम्नलिखित प्रति दर मात्रा निर्धारित की गई है :–

1	न्यूनतम आव यकता कार्यक्रम के अन्तर्गत राज्य के बजट से चलाई जाने वाली ग्रामीण जल वितरण योजनाएं	45 लिटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन
2	भारत सरकार के त्वरित ग्रामीण जल वितरण कार्यक्रम के अर्न्तगत चलाए जाने वाली ग्रामीण जल वितरण योजनाएं	40 लिटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन
3	10,000 तक की जनसंख्या वाले भाहर	70–90 लिटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन
4	10,000 से 50,000 तक की जनसंख्या वाले भार	90–100 लिटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन

5	50,000 से अधिक जनसंख्या वाले भार	100–190 लिटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन

ग्रामीण क्षेत्रों में भिन्न भिन्न योजनाओं में वर्तमान प्रति दर मात्रा 10 लिटर से 40 लिटर के बीच में है। यह बिजली की उपलब्धि, नहरों पर आधारित योजनओं के लिए नहरी पानी की उपलब्धि जलघर के निम्रण के प चात जनसंख्या में वृद्धि, स्टैंडबाई उपकरणों की प्राप्ति, एवं नलकूपों के मिलने वाले पानी की कमी हो जाने पर निर्भर करता है। भाहरी तथा वितरण योजनाओं में उपरोक्त कारणों के कारण एवं बढौतरी की योजनाओं के लिए भूतकाल में उपलब्ध कराई धनरा ि ा के कारण वर्तमान प्रति व्यक्ति मात्रा 40 से 150 लिटर के बीच में है।

चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवालः स्पीकर साहब, अभी माननीय मंत्री मोदया ने बताया कि जो टैंक बनते हैं, उनकी लाईफ 50 वर्श की होती है लेकिन कई टैंक ऐसे भी हैं जो जिस साल में बने, उसी साल में टूट गये, इसके क्या कारण हैं ?

श्रीमती प्रसन्नी देवीः स्पीकर साहब, वैसे तो मैंने प्रार्थना की थी कि 50 साल का टंकी का समय अनुमानित होता है लेकिन कुछ केसिज में ये पहले गिर गये। जैसे हिसार में वानमधोरी, भटटू, बडोपल, पेटवार, थुराना और भटोल हैं। इनके पानी का स्तर काफी ऊपर आ गया और इनमें नीचे का पानी भाामिल होने से इनको दोबारा ठीक करना पडा। अब इनका काम रूका नहीं

हुआ है। इसी तरह से रोहतक में एक भालोट गांव है। वहां भी नीचे का वाटर लैवल ऊपर आने से खराबी आई थी। उसमें किसी अधिकारी, कर्मचारी या ठेकेदार का कसूर नहीं था और उसे ठीक कर दिया है। इसी तरह से जीन्द में बेलरखा, सिमला और बालू गांव हैं। इनकी भी यही स्थिति थी। इसी तरह से भिवानी में तिगडाना और बरवा हैं। इनमें एक साइड से थोडी दीवार नीचे चली गई थी। उसको थोडे से खर्च से डिपार्टमैंट ने रिपेयर कर दिया था। इसी तरह से सिरसा में अलीका गांव है। यह टैंक टैस्ट करते वक्त गिर गया था। इसका सरकार के ऊपर कोई बोझ नहीं पडा, ठेकेदार ने इसको दोबारा बना दिया है।

चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवालः स्पीकर साहब, एक तो इन टैंकों की कंस्ट्रक ान में सारे का सारा सब स्टैंडर्ड मैटिरीयल लगाया जाता है दूसरे मैं गांवों और भाहरों में पानी की डिस्पैरिटी के बारे में जानना चाहता हूं कि वहां एक और दस की डिस्पैरिटी क्यों है ? गांवों में प ाुओं के पीने का पानी भी नहीं मिल रहा है और प ाुओं में बीमारी फैल रही है। मैं अपने जिले भिवानी की बात बता रहा हूं कि वहां पर जोहडों में पानी बिल्कुल नहीं है। पहले पब्लिक हैल्थि का पानी आता था अब वह भी नहीं आता। इसलिये गांवों और कस्बों में यह डिस्पैरिटी क्यों है ?

श्रीमती प्रसन्नी देवीः स्पीकर साहब, इन्सान के भारीर के लिए पानी सब से जरूरी चीज है लेकिन हमारे कुछ जिलों में हालात ऐसे हैं जहां पीने का पानी अवेलेबल नहीं है। वहा ंपर या

तो नहर का पानी लिया जाता है या कुंओं का पानी लिया जाता है। इसका कारण कुछ तो बिजली की दिक्कत की वजह से है और कुछ नहरों में कम पानी की वजह से है। जैसे आजकल भाखडा में पानी कम है इस वजह से नहरों में पानी टाइम पर नहीं आता। लेकिर सरकार इस मसले पर पूरी गम्भीरता से विचार कर रही है। पानी थोडा है तो थोडी भाक्ल में सब जगह दे रहे हैं।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, अभी मंत्री महोदया ने कुछ गांवों के नाम बताए जाहं कि टैंक खराब हो गए। इन्होंने पेटवार और थुराना गांवों का भी नाम लिया जो कि मेरे हल्के में हैं। मैं इनसे यह जानना चाहता हूं कि ये दोनों टैक कब से खराब हैं, क्या इनको यह भी इलम है कि इन गांवों में वाटर सप्लाई अभी भी नहीं हो रही है ? टैंक फटने की वजह से वहां पर जहरीला पानी हो गया है। मैं जानना चाहता हूं कि इन टैंकों के लिए कितना पैसा मंजूरव किया गया है और ये कब तक तैयार हो जाएंगे ?

श्रीमती प्रसन्नी देवीः स्पीकर साहब, वहां पर वाटर सप्लाई तो नहीं रूकी है लेकिन पानी की खराबी की वजह से दिक्कत जरूर है। पेटवार के लिए 3 लाख 60 हजार रूपए का एस्टीमैट बनाया हुआ था और थुराना के लिए 2 लाख 30 हजार रूपए का। दोनों की मुरम्मत करवा दी है और पानी चालू है।

श्री फतेह चन्द विजः अभी मंत्री जी ने बताया कि भाहरों में 100–190 लिटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन पानी की सप्लाई दे रहे हैं। यह एवरेज इन्होंने किस आधार पर निकाली है और दूसरे पानीपत में कितने लीटर पानी दिया जा रहा है ?

श्रीमती प्रसन्नी देवीः स्पीकर साहब, पानीपत में तो मैं भी काफी जाती रहती हूं। वहां तो पानी को कोई दिक्कत नहीं है क्योंकि वहां पर टयूबवैल्ज कामयाब हैं। मेरे नोटिस में तो वहां पर कोई दिक्कत नहीं है। अगर मैम्बर साहब चाहते हैं तो हम इन्क्वारी करवा लेंगे और कोई दिक्कत होगी तो देख लेंगे।

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, जैसे कि अभी मंत्री महोदया ने बताया कि एक वाटर वर्कस की कंस्ट्रक ान के वक्त दीवार पड गई और उसमें सरकार का कोई नुकसान नहीं हुआ क्योंकि इन्होंने वह ठेकेदार से दोबारा बनवा ली। स्पीकर साहब, जब कंस्ट्रक ान का कोई भी काम चलात है तो वहां पर ओवरसीयर, एस0डी0ओ0, एक्सीयन यानी इनका एक जिम्मेदवार आदमी मौके पर रहता है और देखता है कि कोई सब स्टैंडर्ड मैटिरीयल तो नहीं लग रहा है। अब यह तो एक दीवार गिरी है और वक्त आएगा तो बाकी और दीवारें भी गिरेंगी। अगर कोई दीवार में घटिया सीमैंट लगा या किसी दूसरे काम में घटिया या कम सीमेंट लगा तो क्या सरकार ने उस अफसर की तहकीकात की कि उसकी सुपरवीजन ठीक न होने की वजह से ऐसा हुआ है ?

श्रीमती प्रसन्नी देवीः स्पीकर साहब, सारी स्टेट में कोई पौने दो हजार के करीब टैंक बने हुए हैं। उनमें से सिर्फ दो टैंको के बारे में ि ाकायत आई है। वैसे भी हम जितनी देर टैस्ट नहीं होता उतनी देर ठेकेदार को पेमैंट नहीं करते। इसीलिये ये दोनों टैंक ठेकेदार को दोबारा बनाने पडे। बाकी सुपरवीजन के लिए पूरी हिदायतें हैं कि अच्छी तरह से की जाए और अच्छा माल लगाया जाए। इसी से यह जाहिर होता है कि पौने दो हजार टैंकों में से सिर्फ दो की ि ाकायत आई है।

चौधरी फूल चन्दः स्पीकर साहब, क्या मंत्री जी के ज्ञान में यह बात है कि अम्बाला जिला में बहुत सारे ऐसे गांव हैं जिनमें पीने के पानी की दिक्कत है। वे असल में प्रोब्लम विलेज हैं लेकिन किसी एक अधिकारी की गलती की वजह से उनको प्रोबलम विलेज नहीं लिखा गया। वहां पर पानी नहीं है। क्या मंत्री महोदया इन गांवों का दोबारा सर्वे करवा कर वहां पर वाटर सप्लाई चालू करवाने की कृपा करेंगी ?

श्रीमती प्रसन्नी देवीः स्पीकर साहब, जहां जहां भी ऐसी बात नोटिस में आई है वहां हमने दोबारा सर्वे कराया है। माननीय सदस्य मेरे को लिखकर दे दें। वैसे हम अपने तौर पर भी सर्वे करवाते रहते हैं, लेकिन मैम्बर साहब अगर कोई स्पै ाल गांव बताएंगे तो उनका भी सर्वे जरूर करवाया जाएगा। अगले दो सालों में हम सभी प्रोब्लम विलेजिज में पानी दे देंगे और इस योजना के अन्त तक भोश सभी जगह पानी दे देंगे।

श्री ए0सी0 चोधरीः स्पीकर साहब, फरीदाबाद में डीग वाटर सप्लाई स्कीम मौजूद है और वह तकरीबन 60 किलोमीटर लम्बी लाइन फीड करती है। उसमें से आधे से ज्यादा टयूबवैल का पानी पीने के काबिल नहीं है। दूसरे सीकरी में तीन साल पहले गवर्नमैंट ने एक रैजरवायर मंजूर किया था लेकिन वह अब तक नहीं बन पाया है। मैं जानना चाहता हूं कि उस स्कीम को कब तक कार्यान्वित कर सकेंगे ?

श्रीमती प्रसन्नी देवीः स्पीकर साहब, एक एक गांव की तो मेरे पास डिटेल नहीं है लेकिन हमारी अपनी तरफ से कोि ा ा होती है कि कहीं पर पानी खराब न दिया जाए। हमारी कोि ा ा यह होती है कि पानी को अच्छी तरह से साफ करके और टैस्ट करके दिया जाए लेकिन माननीय सदस्य अगर कोई प्रोब्लम अलग से लिख कर बताएंगे तो उसका भी इन्तजाम करैंगे।

श्रीमती चन्द्रावतीः जनाब स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा मंत्री महोदया से जानना चाहती हूं कि वाटर कैरियर के लिए जो पाइपें बिछाई जाती हैं, क्या उनको टैस्ट करके बिछाया जाता है ? मुझे दादरी में लोगों ने एक दो जगह पर यह बताया है कि उनको बनाने में जो सीमैंट इस्तेमाल किया जाता है वह ठीक नहीं होता और उनके अंदर होकर जो पानी जाता है, वह सेहत के लिए बिल्कुल भी ठीक नहीं है।

श्रीमती प्रसन्नी देवीः स्पीकर साहब, वाटर कैरियर पाइपों को टैस्ट करके ही लगाया जाता है।

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, अभी मंत्री महोदया ने बताया था कि जो प्रोब्लम विलेजिज हैं उनको पीने का पानी दिया जाएगा। मैं आपके द्वारा मंत्री महोदया से यह जानना चाहता हूं कि जिन गांवों में आज से 20–25 साल पहले पांच गेलन पानी देने की स्कीम थी और आज भी वहां पर केवल पांच गेलन पानी ही दिया जा रहा है जबकि उनकी आबादी बढ चुकी है ऐसे गांवों को प्रोब्लम विलेजिज मान करके ज्यादा पानी दिया जाएगा ?

श्रीमती प्रसन्नी देवीः स्पीकर साहब, जिस वक्त उन गांवों में वाटर सप्लाई स्कीम बनी थी उस समय वह उस वक्त की आबादी के हिसाब से बनी थी इसलिए वहां पर पानी की कुछ कमी है और उन गांवों के लोगों के हिस्से में पानी कुछ कम आता है। हम यह कोि ा ा कर रहे हैं कि कोई और ऐसी स्कीम बने जिससे उन गांवों में लोगों को पानी कुछ ज्यादा मात्रा में मिल सके।

मास्टर ि ाव प्रसादः मंत्री महोदया ने सवाल के जवाब में बताया है कि भाहरी जल वितरण योजनाओं में उपरोक्त कारणों एवं बढौत्तरी की योजनाओं के लिए भूतकाल में उपलब्ध कराई धन रा ि ा के कारण वर्तमान प्रति व्यक्ति मात्रा 40 से 150 लीटर के बीच में है। स्पीकर साहब, भाहरों में कुछ इलाके ऐसे हैं जहां

पर बिजली नहीं जाती है और पीने का पानी भी पूरी मात्रा में नहीं पहुंचता है। भाहरों में जहां पर आफिसर्ज कालोनी हैं उनमें 24 घंटे पानी और बिजली रहती है और पीने के अलावा पानी उनकी खेतीबाडी के काम में भी आता है। मैं आपके द्वारा मंत्री महोदया से यह जानना चाहता हूं कि इन्होंने जो एवरेज निकाली है यह आफिसर्ज कालोनी के पानी की सप्लाई के हिसाब से निकाली है या जिन इलाकों में पीने के लिए पानी नहीं मिल पाता उसके हिसाब से निकाली है ?

श्रीमती प्रसन्नी देवीः स्पीकर साहब, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगी कि किसी भी भाहर में किसी आफिसर्ज के लिए अलग से वाटर सप्लाई की स्कीम नहीं है और न ही डिपार्टमैंट की ओर से आफिसर्ज कालोनीज को वाटर सप्लाई की स्कीम दी हुई है। जिस समय सारे भाहर को पानी देने का टाईम होता है उस समय सबको बराबर पानी मिलता है। हमारी यह भी कोि ा ा होती है कि जिन जगहों पर पीने का पानी किन्हीं कारणों से नहीं पहुंच पाता है वहां चाहे डिपार्टमैंट को अपने टैंकों से पहुंचाना पडे, पीने के लिए पानी पहुंचाया जाता है। डिपार्टमैंट की यह कोि ा ा होती है कि पीने का पानी सब को मिले।

श्री मंगल सेनः स्पीकर साहब, मंत्री महोदया ने मेन सवाल के जवाब में एक जगह पर लिखा है '' ार जल वितरण योजनाओं में उपरोक्त कारणों एवं बढौत्तरी की योजनाओं के लिए भूतकाल में उपलब्ध कराई धनराि ा के कारण वर्तमान प्रति व्यक्ति

मात्रा 40 से 150 लीटर के बीच में है''। स्पीकर साहब, पिछले एक सप्ताह से रोहतक भाहर में लोगों को पीने का पानी नहीं मिल रहा है। मैं आपके द्वारा मंत्री महोदया से यह जानना चाहता हूं कि क्या रोहतक भाहर के लोगों को इस मात्रा में पीने का पानी मिल रहा है, अगर कम मात्रा में मिल रहा है तो उसके क्या कारण हैं ?

श्रीमती प्रसन्नी देवीः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने इस बारे में एक काल अटैं ान मो ान का नोटिस भी दिया हुआ है, उसके द्वारा मैं इनको सारी स्थिति के बारे में बता दूंगी। स्पीकर साहब, भालोट डिस्ट्रब्यूटरी में पानी कम आता है और देर में आता है। रोहतक भाहरमें वाटर सप्लाई के दो टैंक हैं। एक टैंक में 21 दिन की सप्लाई से ज्यादा पानी नहीं रख सकते क्योंकि वह इतनी ही कैपेसिटी का टैंक है और दूसरे टैंक की कैपेसिटी 10 दिन तक का पानी रखने की है उस नहर में पानी देर में आने से रोहतक भाहर में पीने के पानी की थोडी दिक्कत आई थी इसलिए एक हफ्ता हम लोगों को 10 गेलन प्रति व्यक्ति प्रति दिन के हिसाब से ज्यादा पानी नहीं दे सके। इसके अलावा 23 तारीख को साढे बारह गेलन के हिसाब से और 24 तारीख को 14 गेलन प्रति व्यक्ति के हिसाब से पानी दिया है और यह उम्मीद है कि इतना पानी तो हम देते रहेंगे। लेकिन जब तक पानी रखने की कैपेसिटी नहीं बढेगी तब तक हम पानी ज्यादा नहीं दे सकेंगे।

Repairs/overhauling of vehicles in the Irrigation (Drainage) Departement

***855 Sh. Kitab Singh:** Will the Minister of State for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) the number of trucks, cars and jeeps existing at present in the Irrigation Deaprtment (Drainage Circles) in Haryana togetherwith total amount of expenditure incurred on their repairs to date;

(b) whether any of the vehicles, as referred to in part (a) above, have been overhauled; if so, the number thereof toghtherwith the number of kilometres covered by each such vehicle at the time of overhauling and the amount of expenditure incurred for the said purpose separately; and

(c) the quantity of oil and mobil oil consumed by each one of the vehicles, as referred to in part (a) above, separately, during the period from 1-8-82 to 1-185 ?

श्री अध्यक्षः इस प्र ान के लिए गवर्नमैंट ने ऐक्सटैं ान मांगी है जो कि ग्रान्ट कर दी गई है। इस बारे में सम्बंधित मंत्री से आया पत्र इस प्रकार है :–

Interim reply

D.O. No. 33/3/85/IW-5

"S.S. Surjewala Irrigation & Power Minister,

Govt. of Haryana,

Chandigarh.

March 22, 1985

Dear Sh. Tara Singh Jil,

Kindly refer to Starred Assembly Question No. 855 regarding repairs/overhauling of vehicles in the Irrigation (Drainage) Department asked by Sh. Kitab Singh, M.L.A. which is due for answer on 25-3-1985.

2. In order to suply correct/complete information we require to collect the same from the field officers as also from other concerned Departments. It will take some time. I shall, therefore, be grateful if you kindly allow us 15 days' extension for replying this question.

With regards,

Yours sincerely,

Sd/-

(S.S. Surjewala)

Shri Tara Singh,

Speaker,

Haryana Vidhan Sabha,

Chandigarh."

Shortae of electricicy in the State

***839 Sh. Hari Chand Hooda, Sh. Mahendra Partap Singh:** Will the Minister of State for Irrigation and Power be pleased to state-the steps, if any, taken or proposed to be taken to remove the prevailin critical shortae of electricity in the State ?

Irrigation and Power Minister (Ch. Shamsher Singh Surjewala): The following steps have been taken to meet with the shortae of electricity-

(i) Improvement in generation of Thermal Power Stations at Panipat and Faridabad.

(ii) Securing maximum power from Central/common pool projects against our own share.

(iii) Meticulous implementation of new regulatory measures to ensure equitable and just distribution of available power to all consumers.

(iv) Allocation of funds for the early completion of the on going projects.

(v) Completion of State-II of Panipat and Yamuna Nagar Hydro electrict Project.

श्री हरि चन्द हुडडा: स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि इन सारे प्रिका ांज के बावजूद भी बिजली की इतनी कमी क्यों है ?

चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला: स्पीकर साहब, बिजली की जो कमी है वह तीन चार कारणों से है। पहला कारण तो यह है कि इस वर्श बारि ा न होने की वजह से ऐग्रीकल्चर सैक्टर को मैक्सीमम बिजली की सप्लाई रही है। पिछले साल भी बारि ा नहीं हुई और इस साल भी नहीं हुई जिसके कारण ऐग्रीकल्चर सैक्टर को बिजली की अधिक सप्लाई देनी पडी। दूसरा कारण यह है कि

भाखडा रिजरवायर में पानी का लैवल बहुत कम था जिसके कारण बिजली की जनरे ान कम हुई। इसलिए हाइड्रो प्रोजैक्ट से हमें 30 लाख यूनिटस बिजली हर रोज कम मिली। तीसरा कारण यह था कि सैंट्रल प्रोजैक्टस से भी हमें बिजली का पूरा हिस्सा नहीं मिला।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः स्पीकर साहब, वैसे तो बिजली के मुतल्लिक बहुत से सवाल पूछे जा चुके हैं और मंत्री जी ने उनका जवाब दिया है। मैं आपके द्वारा मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि मेन सवाल के जवाब में इन्होंने बिजली की कमी को दूर करने के लिए जो कदम उठाए गए बताए हैं, क्या उनसे बिजली की जनरे ान में सुधार हुआ है और उन स्टैप्स को बिजली बोर्ड ने इम्पलीमैंट किया है ? हमारे जो पावर हाउसिज हैं उनमें कैपेसिटी के मुताबिक बिजली की जनरे ान नहीं हो रही है। हमारी स्टेट के मुकाबले में दूसरी स्टेटस में बिजली की जनरे ान की क्षमता ज्यादा रही है। स्पीकर साहब, बम्बई में प्राइवेट सैक्टर में जो बिजली दी हुई है उसमें कमी की कोई दिक्कत पैदा नहीं होती। क्या हमारी सरकार ने प्राइवेट सैक्टर के पावर हाउस में जो पूरी बिजली पैदा नहीं होती। क्या हमारी सरकार ने प्राइवेट सैक्टर के पावर हाउस में जो पूरी बिजली पैदा हो रही है, का अध्ययन कराया है या करवाने का विचार है जिससे हम अपनी क्षमता को बढा सकें, और बिजली की कमी न रहे ?

चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवालाः सर, हमारे थर्मल प्लांटों की जनरे ान पिछले अक्तूबर से अब तक सबसे ज्यादा रही है। पानीपत के दोनों यूनिट 60 प्रति ात प्लांट लोड पर काम कर रहे हैं। पानीपत और फरीदाबाद के थर्मल प्लांटों को मिला कर हमारी बिजली रोजाना 54–55 प्रति ात पैदा हो रही है जबकि आल इण्डिया लैवल पर 50 प्रति ात प्लांट लोड बहुत बढिया माना जाता है। मैं हाउस को बताना चाहूंगा कि हमारे इन दोनों प्लांटों ने कुल 64 लाख यूनिट बिजली पैदा की है। जब से ये प्लांट लगे हैं तब से लेकर आज तक इतनी बिजली पहले कभी पैदा नहीं हुई थी। कल जो बिजली तैयार हुई थी, वह एक रिकार्ड था। इस वक्त हमारे सारे यूनिट काम कर रहे हैं और टोटल बिजली जो अवेलेबल है उसका 60 प्रति ात भाग आज के दिन हरियाणा में पैदा हो रहा है। हमें हाइड्रो या दूसरी जगहों से कम बिजली मिल रही है।

श्री मंगल सैनः इनकी टोटल इंस्टाल्ड कैपेसिटी क्या थी ?

चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवालाः सर, इसका जवाब तो मैं पहले भी डिटेल दे चुका हूं लेकिन फिर भी बता देता हूं कि टोटल इंस्टाल्ड कैपिसिटी पर कोई म ीन कभी काम नहीं करती। (विघ्न) मैंने पहले बताया है कि आल इण्डिया लैवल पर 50.55 प्रति ात प्लांट लोड फैक्टर बहुत बढिया माना जाता है जबकि

हमारे यहां पर 60 प्रति ात के आसपास बिजली पैदा हो रही है। आज के दिन हमारे सारे प्लांट काम कर रहे हैं।

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, अभी मंत्री जी ने बताया है कि हमारी बिजली की उत्पादन में इम्प्रूवमैंट हुई है। मैं जानना चाहता हूं कि पिछले तीन महीनों में इन थर्मल प्लांटस में कितनी इम्प्रूवमैंट रिकार्ड की गई है ?

चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाल: स्पीकर साहब, पिछले तीन महीनों की रिकार्ड इम्प्रूवमैंट इस प्रकार है– दिसम्बर 1983 में 760 लाख यूनिट बिजली पैदा हुई थी जबकि दिसम्बर 1984 में 1220 लाख यूनिट पैदा हुई। जनवरी 1983 में 910 लाख यूनिट बिजली पैदा हुई जबकि दिसम्बर 1984 में 1290 लाख यूनिट बिजली पैदा हुई। फरवरी 1983 में 1300 लाख यूनिट बिजली पैदा हुई थी जबकि इस साल फरवारी में 1360 लाख यूनिट बिजली पैदा हुई है।

श्री किताब सिंह: अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने अपने जवाब में बताया है कि उपभोक्ताओं को न्याय संगत बिजली दी जा रही है। मैं जानना चाहता हूं कि क्या कुछ ऐसे उपभोक्ता या आव यक सेवाएं हैं जिनको 16–16 घंटे लगातार बिजली दी जाती रही है ?

चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला: स्पीकर साहब, ऐसा कोई उपभोक्त नहीं है जिसको 16 घंटे या 16 घण्टे से ज्यादा

बिजली मिलती हो। हां, जो रैगुलेटरी मैयर सिस्टम है, उसके मुताबिक जो एसैं ि ायल सर्विसिज जैसे होस्पिटल, टैलीफोन ऐक्सचेंज, रेलवे आदि उनको जरूर लगातार बिजली देने की कोि ा ा करते हैं। बाकी जो कंटिनुअस प्रोसैस में इन्डस्ट्रीज आदि हैं उनको 60 प्रति ात कट लगा कर बिजली देते हैं। इसके अलावा इंडस्ट्रीज को सप्ताह में तीन दिन बिजली देते हैं यानि ये इण्डस्ट्रीज सप्ताह में तीन दिन बंद रहती हैं। स्पीकर साहब, इसके अलावा मैं इनकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि पूरे प्रान्त में जो डिफरैंट कन्ज्यूमर्ज हैं जैसे लाईटिंग के लिए, ड्रिंकिंग वाटर के लिए और ऐग्रीकल्चर सैक्टर आदि के लिए बिजली की मिनिमम सप्लाई नए टाइम टेबल के मुताबिक कर रहे हैं। हमने नया टाइम टेबल बनाया है जिससे यह फायदा हुआ कि पहली बार किसानों को दिन के समय बिजली मिलती भाुरू हुई जिसकी वजह से वाटर मैनेजमैंट काफी अच्छा हो सका है और किसानों को ज्यादा से ज्यादा फायदा हुआ है। नए टाइम टेबल के हिसाब से ट्रीपिंग और फ्लकचुए ान भी काफी हद तक एलीमिनेट हुई है। स्पीकर साहब, इसके अलावा हम तीन सैक्टरों के जरिये बिजली सप्लाई करते हैं। दो सैक्टरों को हम दिन में बिजली देते हैं और एक सैक्टर को रात के समय बिजली देते हैं। इनको भी हम वीकली रौटेट करते रहते हैं जिससे रात वालों को भी दिन के समय बिजली मिल सके।

चौधरी हुकम सिंह फोगटः स्पीकर साहब, मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि सैंट्रल पूल से हमें अपने हिस्से की बिजली की मात्रा पूरी क्यों नहीं मिल रही ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, सैंटर के प्रोजैक्ट संगरौली, बदरपुर और बैरासूल आदि हैं जो फिजिकली आउट साइड दी स्टेट है। जहां पर ये प्रोजैक्टस स्टेट में ही हैं, वहां भी बिजली की दिक्कत है। इनसे हमें अपना पूरा हिस्सा नहीं मिल पाता। ऐसी जगह पर जो बिजली पैदा होती है, वह कोमन ग्रिड होती हैं आप दिल्ली को ही ले लें। वह रास्ते में पडती है। वहां पर उनको बिजली की ज्यादा जरूरत होती है जिस कारण हमें बिजली कम मिलती है। साथ ही साथ मैं यह भी बताना चाहूंगा कि पिछले कुछ दिनों से दो तीन सप्ताह के बीच में थोडे से समय को छोड कर हमें सैंट्रज प ज से काफी बिजली मिलती रही है। इसके लिए मुख्य मंत्री जी ने यूनियन ऐनर्जी मिनिस्टर से बात की और मैंने और सी0एम0 साहब ने यूनियन स्टेट मिनिस्टर आफ एनर्जी से भी बात की जिसकी वजह से हमें बिजली अपने भोयर की मिल पाई है।

मास्टर राम सिंहः स्पीकर साहब, पैडी के सीजन के अंदर रादौर हल्के में बिजली कम मिलती है जबकि साथ लगते हल्के इन्द्री में 24 घंटे बिजली मिलती है। इन्द्री हल्के मे भाायद थर्मल प्लांट से बिजली आती है और हमारे हल्के में बी0बी0एम0बी0 से बिजली आती है। मैं मंत्री जी से जानना चाहता

हूं कि क्या इन्द्री हल्के की सरप्लस, बिजली को रादौर हल्के में सप्लाई करने का प्रबंध करेंगे ताकि वहां के किसानों की भी बिजली की दिक्कत दूर हो सके ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, ये बहुत पुरानी बात कर रहे हैं। अब इनको अबदुलापुर ग्रिड लाईन से बिजली मिलने लगी है। हमने दोनों इलाकों को जोडने की बात कही थी लेकिन अब इस इलाके के लोग इन्द्री के इलाके के साथ जाने को तैयार नहीं हैं क्योंकि वे मौजूदा परिस्थितियों से संतुश्ट हैं।

Wages to Social Forestry Labourers

***891 Smt. Basanti Devi:** Will the Minister of State for Forest and Jails be pleased to state-

(a) whether it is a fact that social forestry labourers in the State are not being paid their wages regularly; and

(b) if so, the details of such labourers as were not paid their wages on the due dates during the year 1984-85 (to-date) ?

Forests and Jails Minister (Sh. Goverdhan Dass Chauhan):

(a) No, Sir.

(b) Question does not arise.

श्रीमती बसन्ती देवीः स्पीकर साहब, क्या इनके नोटिस में है कि फौरैस्ट डिवैल्पमैंट बोर्ड के लेबर को अगस्त 1984 से तनख्वाह नहीं मिली ? स्पीकर साहब, फौरैस्ट बोर्ड सडकों पर पेड लगवाता है। मैंने यह काम करने के लिए 4–5 आदमी लगवाये थे। इन आदमियों ने 4–5 महीने काम किया और फिर वापिस आकर मुझे कहने लगे कि हमें चूंकि तनख्वाह नहीं मिलती इसलिए हम वहां पर काम पर जाना नहीं चाहते। मैं मंत्री जी से जानना चाहती हूं कि यदि इनके नोटिस में ऐसी कोई बात है तो उसको ये क्या इन्तजाम करने जा रहे हैं ?

श्री गोवर्धन दास चौहानः स्पीकर साहब, यदि बहन जी यह बताएंगी कि ये आदमी कहां कहां लगवाये थे और किस किस को तनख्वाह नहीं मिली तो मैं इसकी जरूर इन्कवायरी करवाऊंगा और उनको उनके पैसे दिलवाऊंगा।

चौधरी धीर पाल सिंहः क्या मंत्री महोदय की नालेज में है कि फौरैस्ट विभाग मैं जिला भिवानी, रोहतक या किसी दूसरे डिस्ट्रिक्ट में जो एम्पलाईज काम पर लगाये जाते हैं, वे किसी कानून के तहत लगाये जाते हैं या ऐसै ही लगा लेते हैं ? सन 1983 में कई कर्मचारियों को मजदूरी एक साल की इकट्ठी मिली है और 1984 की मजदूरी बकाया रहती है। क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि इन मजदूरों को इनका वेतन कब मिलेगा ?

श्री गोवर्धन दास चौहानः स्पीकर साहब, यह सो ाल फौरैस्टरी का क्वै चन है जिसका मैंने अभी जवाब दिया है। जो क्वै चन इन्होंने अब पूछा है, इसके लिए ये सैपरेट नोटिस दें, जवाब दे दिया जाएगा। अगर इनकी नौलेज में कोई ऐसी बात है तो बता दें मैं इसको डिपार्टमैंट से ऐग्जामिन करवा लूंगा और अगर किसी मजदूर के साथ कोई ज्यादती है तो दूर कर दी जाएगी, किसी के साथ कोई ज्यादती नहीं होगी।

श्री अध्यक्षः इस सवाल का मेन क्वै चन के साथ कोई ताल्लुक नहीं है। आप किस महकमे की बात कर रहे हैं ?

चौधरी धीर पाल सिंहः फौरैस्ट डिपार्टमैंट है। इस डिपार्टमैंट के कुछ कर्मचारियों को वेतन नहीं मिला है। जो लोग डेली वेजिस पर काम करते हैं उनको वेतन नहीं मिला।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, चौधरी धीर पाल सिंह जी ने कहा कि जो लोग डेली वेजिज पर लगे हुए हैं, उनको तन्खाह नहीं मिली है। मैं आज इस बात का पता लगवाऊंगा कि जिन लोगों को तन्खाह नहीं मिली है, इसकी वजह क्या है ? आखिर मामला क्या है ? मैं इन्हें वि वास दिलाता हूं कि उनको तन्खाह 15 दिन के अंदर अंदर मिल जाएगी यदि उन्होंने काम किया होगा।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, डैली वेजिज पर जो मजदूर लगे हुए होते हैं, उनको पेमैंट करते समय कुछ मजदूरों के

अंगूठे ज्यादा अमाउंट पर लगवा लेते हैं लेकिन असल में तनखाह कम देते हैं। क्या मुख्य मंत्री महोदय इस बात की इन्क्वायरी करवायेंगे कि कितने लोगों के झूठे अंगूठे लगवाये हैं ?

चौधरी भजन लालः बहन जी, आपको कितने लोगों ने लिख कर दिया है ? जिन लोगों ने आपको ि ाकायत लिख कर दी है, आप मेहरबानी करके उनकी दरख्वास्तें हमारे पास भिजवा दें। (व्यवधान) वेग और बेमायनी बात कहने के कोई मायने नहीं हैं। वे दरख्वास्तें हमें भिजवा दें, हम इन्क्वायरी करवा कर देख लेंगे।

श्रीमती चन्द्रावतीः मैंने मानकवास गांव की बात आपको बताई थी और इसके साथ ही और भी उदाहरण दिये थे। मानकवास गांव में 4 लाख का अमाउंट इन्वौल्वड है, आप इसकी इन्क्वायरी करवायें।

सेठ राम दास धमीजाः स्पीकर साहब, सड़कों के किनारे कीकर के पेड लगे हुए हैं जो फसल को बहुत नुकसान पहुंचाते हैं। क्या सरकार कीकर के दरख्तों की जगह सफेदा वगैरा के अच्छे दरख्त लगायेी ताकि फसल खराब न हो ?

श्री अध्यक्षः यह कोई सवाल नहीं बनता।

चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवालः क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि 1984–85 में जिन लोगों ने मैनुअल लेबर के रूप में काम किया है, उनको टोटल कितना पैसा लेबर का दिया गया है ?

श्री गोवर्धन दास चौहानः 1984–85 में 258.20 लाख रूपया दिया है, कोई केस पैंडिंग नहीं है।

Defective lining of Kahanaur Branch of the Canal

***925 Ch. Om Parkash:** Will the Minister of State for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) whether it is in the notice of the Government that due to defective lining of the Kahanaur branch of the canal, the farmeers of villages Chimani, Dubaldhjan, Kahanaur and Siwani are not getting their full share of irrigation water;

(b) if so, the steps, if any, taken or proposed to be taken to enable the said farmers to get their full share of water togetherwith the time by which they are likely to get the same; and

(c) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to hold an enquiry into the wrong/defective lining of the branch of canal, as referred to in part (a) above; if so, the time by which it is likely to be held ?

Irrigation and Power Minister (Ch. Shamsher Singh Surjewala):

(a), (b) & (c) A statement containing the requisite information is laid on the Table of the House.

STATEMENT

(A) The lining of Kahanaur Disty. is not defective. There is no shortage of irrigation water to the farmers of

villages Chimni, Dubaldhan, Kahanaur and Siwani, located below RD 154, when Kahanaur Disty. runs with full supply. But, there is some shortage when the Disty. runs partially.

(B) To improve supply during the partial running of the Channel, the Head Regulators of Dhaurana and Pilana Minors which off take at RD 154 Kahanaur Disty. have been remodelled. It is expected that the farmers of villages Chimani, Dubaldhan, Kahanaur and Siwani will hence forth get their due share during partial supply also.

(c) Does not arise in view of (a) above.

चौधरी ओम प्रका ः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने अपने जवाब में बताया है कि काहनौर डिस्ट्रिब्यूटरी की लाईनिंग डिफैक्टिव नहीं है। यह सही नहीं है। पिछले 3 सालों से चिमनी गांव के लोगों को नहर का पानी आबपा ी करने के लिए नहीं मिल रहा। इस डिस्ट्रिब्यूटरी पर 5 आउटलैट ग्राम चिमनी के लिए लगे हुए हैं। 3 आउटलैटस में 1 परसैंट भी पानी नहीं आता है और 2 आउटलैटस में मु कल से 20–30 परसैंट तक पानी आता है। जितना पानी चाहिए उतना कभी नहीं आया जिसकी वजह से घुराना और पिलाना माइनर्ज में पानी बहुत कम आता है। अगर आप नेकड आई से देखेंगे तो जज कर सकते हैं कि जब हम चिमनी गांव की तरफ जाते हैं तो लाइनिंग ऊंची दिखाई देती और जब काहनौर गांव की तरफ जाते हैं तो लाइनिंग नीची नजर आयेगी जिसकी वजह से चिमनी गांव की तरफ पानी नहीं जाता।

क्या मंत्री महोदय इसकी इन्क्वायरी करवायेंगे कि यह लाइनिंग डिफैक्टिव क्यों है ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, घुराना पिलाना माईनर आर0डी0 154 डिस्ट्रिब्यूटरी से निकलती है। इन दोनों माइनर्ज के जो हैड हैं, इनके लैवल डिस्ट्रिब्यूटरी के लैवल से थोडा नीचे हैं, क्योंकि दोनों माइनर्ज कच्चे हैं और काहनौर डिस्ट्रिब्यूटरी अब पक्की हो चुकी है तथा दोनों हैड री मौडल कर दिए गए हैं। हैड री मौडल करने से पहले जब इनमें पूरा पानी होता था तो दोनों माइनर्ज की टेल पर बराबर पानी होता था। जब आधा पानी रह जाता था, या पानी कम होता था तो माइनर्ज पानी फालतू लेती थीं और टेल पर पानी कम जाता था। अब री मोडल करने के बाद ये ईक्वल लैवल पर कर दी हैं। जब पूरा पानी चलता है तो ये प्रोपो र्निटली पानी लेती है, पानी कम होगा तो कम लेंगी और ज्यादा होगा तो ज्यादा लैंगी। जहां तक इस बात का ताल्लुक है कि पिछले तीन साल से चिमनी गांव को पानी नहीं मिला, मैं आपके सामने इरीगे ान की फिगर्ज रखना चाहता हूं। 1982–83 में आर0डी0 154, डाउन स्ट्रीम से जिसके बारे में इनका सवाल है, खरीफ में 1204 एकड में आबपा ी हुई है और रबी में 1404 एकड में आबपा ी हुई है। टोटल 2608 एकड बनता है। इसी तरह से 1983–84 में खरीफ की आबपा ी 1136 एकड, रबी में 1331 एकड और टोटल 2467 एकड बनती है। इस साल पहले से कम आबपा ी हुई है और इसका कारण यह

था कि पिछले दिनों पानी की बहुत कमी रही क्योंकि यमुना नदी में बहुत कम पानी आया, इसी वजह से पूरा पानी नहीं गया जिसकी वजह से आबपा ाी में थोडा सैट बैक रहा। कम डिस्चार्ज के वक्त हो सकता है टेल पर पानी कम गया हो, लेकिन अब री माडलिंग कर दी गई है। अब पानी कम जाने का सवाल नहीं है।

चौधरी हुकम सिंह फोगटः क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि पिछले साल पिलाना माईनर से कितनी आबपा ाी हुई है और कितने एरिया में हुई है ? इसी तरह दुबलधन माईनर से कितनी आबपा ाी हुई और कितने एरिया में हुई है ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालः स्पीकर साहब, मेरे पास सारे माइनर्ज की आबपा ाी की फिगर्ज नहीं हैं। जो सवाल पूछा था मैंने खास तौर पर उसी की फिगर्ज मंगवाई थी।

चौधरी ओम प्रका ाः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने जो फिगर्ज दी हैं, मैं उन से डिफर करता हूं। क्योंकि स्पौट पर पोजी ान बिल्कुल डिफरैंट है, इसलिए मैं बार बार इसका जिक्र करता हूं।

श्री अध्यक्षः उनके पास रिकार्ड है और ये रिकार्ड के बेस पर आपको बता रहे हैं।

चौधरी ओम प्रका ाः मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि इस डिस्ट्रिब्यूटरी की लाइनिंग से पहले पानी की सप्लाई की क्या पोजि ान थी ? क्या पानी टेल तक पहुंचता था या नहीं

पहुंचता था ? इसकी री माडलिंग की बी और री माडलिंग करने के बाद अब पोजी ान में सुधार हुआ है या नहीं ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालः अध्यक्ष महोदय, इसकी रि माडलिंग 1985 में की है। पूरी डिस्ट्रिब्यूटरी की परसैंटे आफ इरीगे ान की पोजी ान मैं बता देता हूं। पूरी काहनौर डिस्ट्रिब्यूटरी से 95 परसैंट, आर0डी0 जीरो से 154 तक 96 परसैंट और आर0डी0 156 से टेल तक 91 परसैंट है। री माडलिंग 1985 में की गई है, इसके बाद सिचुए ान ठीक है।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, सारी री माडलिंग डिफैक्टिव है क्योंकि स्टेट के हर जिले से इस बात की ि ाकायत है कि सारी की सारी री माडलिंग डिफैक्टिव है।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः बहन जी, री माडलिंग हैड को दोबारा बनाने को कहते हैं। भाायद आपका मतलब लाइनिंग से है। मैं आपको बता देता हूं कि दो साल पहले लाइनिंग की थी, इसके बारे में सरकार को ि ाकायतें मिली थीं, ि ाकायतें वेरियस लैवल से मिली थीं और हमने लाइनिंग को दोबारा डिजाइन करके, लैवलिंग करके बनाया। माईनर और कैनाल की कंस्ट्रक ान का डिजाईन दोबारा ऐग्जामिन करवाया और वाईड स्केल पर हर डिस्ट्रबयूटरी और माइनर की रिपोर्ट मंगवाई। कई आफिसर जिन में एस0ई0 लैवल के आदमी थे, उनके खिलाफ कार्यवाही की और जहां डिफैक्टिव लाईनिंग थी, उसको

रैक्टीफाई करवाया। जहां गलती थी उसकी री लाईनिंग करने के उपाय किये गये। कुछ केसिज बाकी रहते थे, वे भी क्लीयर हो गये होंगे आगे के लिये स्ट्रिक्ट क्वालिटी कंट्रोल एन् ायोर किया जा रहा है और यह आफिसर्ज की जिम्मेदारी है। अगर क्वालिटी और लैवल में कोई गलती हुई तो उनके खिलाफ हम कार्यवाही करेंगे और इस वक्त ऐसे ही सरकार कर रही है।

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने बताया कि इनके पास गिरदावरी की जो फिगर्ज हैं, उससे यह जाहिर होता है कि इस चैनल में पानी कम नहीं चला। अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से एक बात जानना चाहता हूं। लिफ्ट इरीगे ान के ट्रांसफार्मर्ज के कंडक्टर्ज इस किस्म के हैं जो पम्प हाउस को पूरा नहीं चला पाते और और परिणामस्वरूप पम्प हाउस बन्द हो जाता है। जुई, निगाना और सिवानी में ऐसी ही स्थिति है। क्या मंत्री महोदय, उन कंडक्टर्ज को और उस सिस्टम को ठीक करवाने की कोि ा ा करेंगे और यदि कोि ा ा करेंगे तो कब तक करेंगे ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, लिफ्ट इरीगे ान में बहुत से ऐसे पावर हाउस हैं जहां जो बिजली घर बिजली सप्लाई करते हैं उनके ट्रांसफार्मर्ज की क्षमता कम है। इस बारे में मैंने मीटिंग की है और जिले के एम0एल0एज0 से भी बात हुई है। हम नारनौल में 220 के0वी0 बिजली घर की कंस्ट्रक ान कर रहे हैं। मई जून तक वह तैयार हो जाएगा। उसके बाद दादरी

और भिवानी के जितने भी बिजली घर हैं जो लिफ्ट इरीगे ान के लिए बिजली सप्लाई करते हैं उनकी पोजी ान पहले से बेहतर होगी। उम्मीद है कि उसके बाद वे पूरी बिजली सप्लाई कर पाएंगे।

Mr. Speaker: Question Hour is over.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के

लिखित उत्तर

Non Payment of Wages to factory labourers

***961 Sh. Devi Dass:** Will the Minister of State for Labour and Employment be pleased to state-the names of such factories, in district Sonepat, where the labourers have not been paid their wages or are on strike or on lay off for the last tow months together with the reasons therefor and the number of labourers involved ?

श्रम तथा रोजगार राज्य मंत्री (श्री राजे ा कुमार): (1) निम्नलिखित 6 कारखानों के श्रमिकों को अभी तक वित्तीय कठिनाईयों के कारण वेतन नहीं दिया गया है :–

क्र0 सं0	संस्था का नाम	प्रभावित श्रमिकों की संख्या

1	मै0 कपूर रबड़ प्रा0 लि0, सोनीपत	65
2	औरगेनो रबड़ प्रा0 लि0, सोनीपत	59
3	औरगेनो केमिकल प्रा0 लि0, सोनीपत	23
4	मै0 इलैस्टो केम प्रा0 लि0, सोनीपत	36
5	मै0 एबन स्केल कं0, सोनीपत	67
6	मै0 ओम विविंग फैक्ट्री, सोनीपत	106

(2) दिनांक 16–3–85 तक कोई हड़ताल या ले आफ नहीं थी।

Waterlogged and saline Land in the State

***967 Ch. Kundan Lal:** Will the Minister of State for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) the area of waterlogged and saline land in the State separately;

(b) the area of the canal irrigated land, out of the land, as referred to in part (a) above, as has become water logged; and

(c) the steps, if any, taken or proposed to be taken to reclaim the said lands ?

Interim reply

D.O. No. 7/14/85-IW(1)

"S.S. Surjewala Irrigation & Power Minister,

Govt. of Haryana,

Chandigarh.

March 22, 1985

Dear Sh. Tara Singh Jil,

Kindly refer to Starred Assembly Question No. 967 regarding repairs/overhauling of vehicles in the Irrigation (Drainage) Department asked by Sh. Kundan Lal, M.L.A. which is due for answer on 25-3-1985.

2. In order to suply correct/complete information we require to collect the same from the field officers as also from other concerned Departments. It will take some time. I shall, therefore, be grateful if you kindly allow us 15 days' extension for replying this question.

With regards,

Yours sincerely,

Sd/-

(S.S. Surjewala)

Shri Tara Singh,

Speaker,

Haryana Vidhan Sabha,

Chandigarh."

Upgradation of Primary School of Mithi Surera of District Sirsa

***980 Sh. Bhagi Ram:** Will the Minister of State for Education be pleased to state-whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade the primary school Mithi Surera in district Sirsa, to Middle School during 1985-86 ?

ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री जगदी ा नेहरा): वर्श 1985–86 के दौरान प्राथमिक विद्यालयों का स्तर बढाने का मामला अभी तक विचारा नहीं गया है। इसलिये प्राथमिक विद्यालय मिठठी सुरेरा जिला सिरसा का स्तर बढाने का प्र न ही नहीं उठा है।

Advertisement to newspapers etc.

***938 Sh. Mangal Sein:** Will the Chief Minister be pleased to state- the criteria, if any, laid for sending Government advertisements for publication in various newspapers/magazines ?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): विभिन्न समाचार पत्रों तथा पत्रिकाओं को सरकार विज्ञापन देते समय, विभागों तथा सरकारी संस्थाओं की जरूरतों तथा व्यापारिक हितों को ध्यान में रखा जाता है। साथ ही पत्र एवं पत्रिकाओं की सरकुले ान उनके पाठक, विज्ञापन दर तथा अन्य वाजिब तर्कों को भी ध्यान में रखा जाता है ताकि विज्ञापन देने वाले विभागों और संस्थाओं को उचित एवं प्रतियोगी लागत पर व्यापक प्रचार दिलवाने का मकसद हल हो सके।

Construction of 'Thokars' on Western Bank of Yamuna

***977 Master Ram Singh:** Will the Minister of State for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to construct 'thokars' on the Western bank of river Yamuna before coming rainy season; and

(b) if so, the time by which the siad 'thokars' are likely to be constructed ?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला):

(क) नहीं।

(ख) प्र न ही नहीं उठता।

Supply of Floor mats and furniture to the schools in district Bhiwani

***861 Ch.Balvir Singh Grewal:** Will the Minister of State for Education be pleased to state-

(a) whether there are any schools in district Bhiwani which have not been provided floor mats and furniture as per their requirments; and

(b) if so, the names of such schools togetherwith the time by which the said material is likely to be made available to all such schools ?

ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री जगदी ा नेहरा):

(क) हां।

(ख) स्कूलों के नामों की सूची अनुबन्ध ''ए'' के रूप में सदन के पटल पर प्रस्तुत की जाती है। फर्नीचर की कमी निकट भविश्य में दूर करने के प्रयत्न किये जाएंगे।

अनुबन्ध ''ए''

जिला भिवानी के उच्चतर माध्यमिक/उच्च तथा माध्यमिक विद्यालयों जिनमें फर्नीचर/टाट पट्टी की कमी है, की सूची।

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय	
1	भिवानी (लड़के)
2	भिवानी (क)
3	चरखी दादरी (ल)
4	चरखी दादरी (क)
5	रानीला
राजकीय उच्च विद्यालय	
1	बड़ेसरा
2	बलयाली
3	बामला
4	बामला (क)

5	बापोडा
6	बड़सी
7	बवानी खेड़ा (क)
8	बीरन
9	चांग
10	चांग (क)
11	देवसर
12	धनाना
13	धनाना (क)
14	धनी माहू
15	धारेडू
16	दिनौद
17	गारनपुरा
18	हालूवास
19	ई वरवाल

20	जमालपुर
21	झांवरी–खरखडी
22	कौंट
23	थिलौड
24	तिगड़ाना
25	तो ाम
26	तो ाम (क)
27	किरावड़
28	कितलाना
29	कुंगड़
30	कैला
31	लोहारी जाटू
32	मढाना
33	मानहेरू
34	मिलकपुर नं0 2

35	मिरान
36	मिथातल
37	मुंढाल खुर्द
38	नन्द गांव
39	निमड़ी वाली
40	पालूवास
41	पपोसा
42	पुर
43	रतेरा
44	सरल
45	सुई
46	सै
47	तालू
48	नवा राजगढ़
49	निमली

50	अचीना
51	आदमपुर ढांढी
52	अटैला
53	बिरही कलां
54	चांदवास
55	चंदेनी
56	चांगरोड
57	चरखी
58	चीपर
59	चिडिया
60	चिडिया (क)
61	ढानी फोगाट
62	झोझू कलां (क)
63	झोझू कलां
64	कदमा

65	कल्याण
66	लोहावाडा
67	मिसरी
68	मोडी
69	नन्धा
70	पिचोपा कलां
71	पैटावास कलां
72	रानीला (क)
73	साजरवास
74	सांवड
75	सरपगढ़
76	बड़वा
77	बडालू
78	बडवास
79	भेरा

80	भजल
81	विधवान
82	बहल
83	बुढेरा
84	चहड कलां
85	दाब ढानी
86	देवराला
87	ढिगवा जाटान
88	दावरका
89	गोलपुरा
90	गिगनऊ
91	गुरेरा
92	झुंपा खुर्द
93	काकरौली सुनारा
94	केरू

95	कैऊई
96	खरखरी
97	लैधा
98	लीलस
99	लोहारू
100	लोहारू (क)
101	मढौली कलां
102	पाडी
103	रोढान
104	मिथि
105	सिवानी मंडी
106	सिवानी मंडी (क)
107	संदवास
108	सोहन सरा
109	गोपालवास

माध्यमिक विद्यालय	
1	अलखपुरा
2	आलमपुर
3	बजीना
4	भुरटाना
5	बापोड़ा (क)
6	दरयापुर
7	ढांग कलां
8	ढांग खुर्द
9	दुर्जनपुर
10	ढानी मिरान
11	ढुलहैडी
12	घुसकनी
13	गोला गढ़
14	हेतमपुरा

15	ईसरवाल (क)
16	जमालपुर (क)
17	केहरपुरा
18	कालूवास
19	खानक
20	कितलाना (क)
21	कोहाड
22	लोहाणो
23	लोहारी जाटू (क)
24	मालहेरू (क)
25	मिताथल (क)
26	मढान
27	प्रेम नगर
28	बड़सी (क)
29	सांगरवास (क)

30	राजगढ़
31	रेवाड़ी खेड़ा
32	रिवास
33	रूपगढ़
34	सांगा
35	सांगवान
36	सिवाडा
37	सुंगरपुर
38	तालू (क)
39	तिगड़ाना (क)
40	तिगड़ी
41	आर्यनगर
42	ऊण
43	अचीना (क)
44	बधवाना

45	बलकरा
46	कलरोढ
47	बिगोवां
48	डोहकी हरिया
49	डोहकी
50	गुड़ाना
51	हड़ौदी
52	झिझर
53	कालूवाला
54	खेड़ीबुरा
55	मकडाना
56	मानकवास
57	मोरवाला
58	मालकोस
59	पालड़ी

60	रासीवास
61	रावलधी
62	सांवर (क)
63	भाामकलां
64	सिसवाला
65	तिवाला
66	भारीवास
67	बिधनोई
68	भानगढ़
69	चन्दावास
70	छपरा रांगड़ान
71	देवराला (क)
72	ढानी ाामा
73	ईन्दीवाली
74	जुई खुर्द (क)

75	कैरू (क)
76	कदमा (क)
77	कलोड़ बुढ़ा
78	लाड़
79	माई खुर्द
80	नकी पुर
81	नौरंगाबाद जाटान
82	नालोई
83	ओबरा
84	पातवान
85	सैहर
86	सिधवना
87	सिधानी
88	धरनवास
89	पैहलादगढ़

90	रोहनात
91	बैहणी खुर्द
92	सौपकासनी
राजकीय प्राथमिक विद्यालय	
1	अलखपुरा
2	विदोला
3	बदलवाला
4	भूशाण
5	बासछपरा
6	बरवा
7	बखातावरपुर
8	चंगाणा
9	खापर जोगिया
10	बागांवाला
11	दमदम

12	ढाणी कटवार
13	ढाणी बलारा
14	ढाणी रिवास
15	ढाणी दरियापुर
16	धारण
17	ढाणी माहू
18	धूलकोट
19	ढाणी रामजस
20	देवसरिया
21	गैन्डावास
22	गारनपुरा
23	हसीन
24	झांवरी खरखड़ी
25	झूली
26	खरखड़ी सोहन

27	कतवार
28	खडियावास
29	खोवा
30	जैनावास
31	कितराला
32	मीरान
33	मनसरवास
34	मोहिला
35	निगाणमलां
36	पटौदी
37	पिन्जोखेड़ा
38	रूपाणा
39	सिवाणी खेड़ा
40	सिम्बली
41	सिधाण

42	सलीमपुर
43	साहलेवाला
44	तो ाम
45	ओरंगनगर
46	बवानी खेड़ा
47	बलयाली
48	बढैसरा (क)
49	बोहल
50	चोरटापुर
51	ढाणी खु ाल
52	ढाणी कै ाला
53	दुजैनपुर
54	जताई
55	खेड़ी दौलतपुर
56	कुंगड़ खेड़ी

57	कुंगड़ (क)
58	जिता खेड़ी
59	मुंढाल कलां
60	मुंढाल (क)
61	पुर (क)
62	रतेरा (क)
63	सुखपुरा
64	सुपाड़
65	सिकन्दरपुर
66	सोमरा खेड़ा
67	भिवानी–1
68	भिवानी–2
69	भिवानी–3
70	वी0टी0एम0 भिवानी
71	बंसी भिवानी

72	बिरवान भिवानी
73	ढाणी मौलियाण
74	ढाणी हनुमान भिवानी
75	गंगा राम जैन भिवानी
76	जौनपाल भिवानी
77	कृश्णा नगर भिवानी
78	लाहड़ भिवानी
79	मांगन भिवानी
80	माडल भिवानी
81	नरसान भिवानी
82	राम नगर भिवानी
83	सरधानन्द भिवानी
84	तैयब भिवानी

85	धिराणा
86	देवसर (क)
87	मालवास देवसर
88	कोहड
89	कुसम्भी
90	दिनोद (क)
91	ढाणी मिरान
92	टिटवाण
93	गोबिन्दपुरा
94	हलुवास
95	ढाणा नरसाण
96	अजीतपुरा
97	नंगल
98	गौरीपुर
99	माधवीर

100	राजपुरा खरखड़ी
101	जितवाणवास
102	उमरावत
103	ढाण लाढनपुर
104	बढ़ाला
105	पुरनपुरा
106	ढाणी भांकर
107	नंगला
108	खैरपुरा
109	पत्थरवाली
110	असलवास मरथ
111	असलवास दुबिया
112	लैहाणा
113	हरिपुर
114	भखडद्या

115	नाथूवास
116	ढाणी सुलेखा
117	हरसुख
118	नौरगांबाद
119	ढाणी नौरगांबाद
120	घोघड़ा
121	खुलपुरा
122	नन्द गांव (क)
123	बिरन (क)
124	हालूवास (क)
125	सांगा (क)
126	लोहाणी (क)
127	ढाणी अहीर
128	ढाणी चांग
129	गुढ़ा

130	देवावास
131	तलवाणी
132	कलई
133	गढ़वा
134	भोहरपुरा
135	नूनसर
136	भोहरयारपुर
137	ढाणी ओबरा
138	बुद्ध भााली
139	घंघाला
140	ढाणी भाखड़ा
141	मोतीपुरा
142	सैणीवास
143	सैणीवास (क)
144	चैहड़ कलां (क)

145	चैहड़ खुर्द
146	सेहरला
147	निनाण
148	हरियावास
149	ढाणी केहर
150	खापर वास
151	लारियावाली
152	बिजलाणावास
153	ढांगढ़
154	लैहंगा
155	मोरखा
156	गढ़वा
157	मंदौली खुर्द
158	मताणी
159	सिवाच

160	सुरपुरा कलां
161	सुरपूरा खुर्द
162	सिदधीवास
163	सिरसीवास
164	पाजू
165	नंगला
166	सोहरड़ा जदीद
167	सोहरड़ा कदम
168	कासणी कलां
169	कासणी खुर्द
170	गोकुलपुरा
171	पटवाण (क)
172	बिसरवास
173	ढाणी रहीमपुर
174	गोपालवास

175	ढाणी टोड़ा
176	ढाणी मनसुख
177	लोहारू
178	सोहंसरा (क)
179	फडतियातल
180	फरटीया भीमा
181	फरटीया केहर
182	ढाणी ढोला
183	समसावास
184	गोथरा
185	कु ालपुरा
186	दमकोरा
187	झांझरा भोरों
188	झांझरा टोड़ा
189	झंपा कलां

190	हसनपुर
191	खरखड़ी (क)
192	अलाऊदीनपुर
193	ढाणी लछमन
194	ढाणी पुरन
195	बड़दूचैना
196	बलदूमुगल
197	किसकन्दा
198	जेवली
199	हांसावास कलां
200	हांसावास खुर्द
201	रूदरौल
202	ऊण
203	नौरगांवास ठाकरान
204	डगरौली

205	बदराल
206	ढाणी खूबी
207	कनहेरा
208	रामलवास
209	गोकुल
210	बुझेहरी
211	ढाणी गुजरान
212	वरदू जोगी
213	बिठाण
214	वैहरान
215	दिगया सामयान
216	जुई कलां
217	कुरैल अवास
218	पोखरवास
219	वाहमणीवाली

220	लालावास
221	लाढ़ावास
222	मानपुरा
223	ढाणी जोगी
224	ढाणी गोरखा
225	खोरदा
226	भढ़वा
227	गोबिन्दपुरा
228	बढ़वास (क)
229	बढ़ेसरा
230	धनासरी
231	ढ़ाणी सुरजगढ़
232	बिसलवास (क)
233	भागेसुरी
234	वासरानिला

235	कानहेटी
236	निमली (क)
237	बौंद खुर्द
238	रनकौली
239	निमड़ी
240	सन्तरोड़
241	फोगट
242	मालकोस (क)
243	ऊण (क)
244	हिन्डौल
245	सौंफ
246	कोहलावास
247	लाम्बा
248	मकराणी
249	गोठता

250	सन्तोखपुरा
251	दातोली
252	चांगरोड़ (क)
253	बालरोड़ (क)
254	मानोवली
255	ढ़ाढी छिलर
256	कल्याणा
257	कलाली
258	झोझी खुर्द
259	मयरा
260	बलाली
261	बादल
262	असावड़ी
263	रामवास
264	निहालगढ़

265	कुवज नगर
266	टोटी नगर
267	वजीणा
268	बदवाणा गेट
269	भैरवी
270	विदध भैरवी
271	चरखी (क)
272	ढ़ाणी रावलधी
273	ढ़ाणी फोगट (क)
274	गतेहगढ़
275	धिकारा
276	हरजन आक्षम
277	जै श्री
278	कम्बोद
279	खातीवास

280	खेड़ी सावल
281	मिर्च
282	मिसरी (क)
283	मैहरान
284	पातूवास
285	राम नगर
286	साहूवास
287	पटवास खुर्द
288	अखितयारपुरा
289	झरवई
290	चापड़ा
291	नरसिंहवास
292	संतागपुर
293	पांढवाण
294	खेड़ी वतार

295	बरसाणा
296	अटेला कलां
297	बिलावल
298	विन्दरावन
299	हड़ौदा खुर्द
300	हड़ौदा कलां
301	मंडी आर्य
302	मंडी केहर
303	पिचौपा कलां
304	मंडी पराणु
305	बेरला
306	हुई
307	जगरामवास
308	काकरोला हटी
309	गोती

310	काकरोली
311	जीतपुरा
312	पचगांव
313	ऊनावास
314	भाड़ीवास
315	लाड़ावास
316	कड़ी ढाढरनी
317	कड़ी दास
318	कड़ी तोखा
319	कड़ी मोढ़
320	ददमा
321	भोपाली
322	कड़ी आदू
323	सिरसा
324	दुदीवाला

325	रामपुरा

24—3—1985 को चण्डीगढ़ में हत्या किए गए व्यक्तियों के परिवारों को संवेदना संदे ा

15.00 बजे।

श्री मंगल सैन: स्पीकर साहब, बड़े दु:ख से मुझे सदन में एक बात कहनी पड रही है। कल भााम को 19 सैक्टर में हमारी पार्टी के चण्डीगढ भााखा के उप प्रधान श्री कृशण लाल मनचन्दा को दो उग्रवादियों ने उनके घर पर दस्तक देकर और उनके बाहर आने पर गोलियों से भून दिया और रात को वे गोलियों के घाव की वजह से दुनियां को छोड़ कर चले गए। वे एक नौजवान थे। उनके छोटे छोटे बच्चे हैं और सारा परिवार उन पर निर्भर करता था। साहब, उग्रवाद की इस सारे क्षेत्र में ऐसी समस्या खड़ी हो गई है जिससे कई सरकारों को सुलटना पड रहा है। केन्द्रीय सरकार भी बहुत चिन्तित है। तो मेरी अर्ज है कि जो निर्दोश व्यक्ति मारा गया है और इन कारणों से मारा गया है कि वह भाायद उग्रवादियों के मन के मुताबिक काम नहीं करता होगा, उसके संबंध में मैं औबचुअरी रैफरैंस देना चाहता हूं। स्पीकर साहब, मैं लीडर आफ दी हाउस से कहना चाहूंगा कि वे मेरी बात को मान जाएं। मैं दूसरे ग्रुप्स के नेताओं से भी प्रार्थना करूंगा के वे भी मेरे सुझाव से सहमत हों ताकि हम भाोक प्रस्ताव पास कर सकें, दो मिनट का मौन धारण कर सकें और उस भाोक प्रस्ताव

को भाोक संतप्त परिवार को भेज सकें क्योंकि इससे ज्यादा हम कर भी क्या सकते हैं।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, जो बात डाक्टर साहब ने की, उसका दु:ख सबको है। हमें भी बडा भारी दु:ख है लेकिन ऐसी कोई प्रथा नहीं है कि इस तरह का प्रस्ताव यहां लाया जाए। (विघ्न) डा0 साहब जितना दु:ख आपको है उतना ही हमें भी है। हम दु:ख में भाामिल होते हैं। इस तरह का प्रस्ताव लाने से एक नई प्रथा पड़ जाएगी और उससे हमारे लिए बडी मु कल हमे ाा के लिए खडी जो जाएगी। फिर भी स्पीकर साहब, यदि ठीक समझें तो हमें कोई एतराज नहीं है।

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, अखबार की खबरों के अनुसार तो एक मखन सिंह नाम का लडका भी मारा गया है।

चौधरी भजन लाल: जी हां, वह यूनिवर्सिटी के स्टुडैंटस का ऐक्स लीडर था।

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, बडे दु:ख की बात है कि इस तरह की घटनाएं दुबारा से भाुरू हो गई हैं। मेरी तो यही प्रार्थना है कि डा0 मंगल सेन जी ने जो बात कही है वह मंजूर की जाए क्योंकि लोगों की भावनाओं को ही हम व्यक्त करना चाहते हैं।

श्री वीरेन्द्र सिंह: स्पीकर साहब, जो प्रस्ताव डा0 मंगल सेन जी ने रखा है उसके बारे में वैसे तो लीडर आफ दी हाउस ने

ठीक ही फरमाया कि हमारी प्रथा एम0पीज0 और एम0एल0एज0 आदि को ही औबिचुअरी रैफरैंस देने की रही है। लेकिन आजकल का वातावरण है, उसके हिसाब से इस औगस्ट हाउस की यह फललिंग है कि इसका अच्छा ही असर होगा। इसलिए मैं भी आपसे गुजारि ा करूंगा कि इस केस में हमें औबिचुअरी रैफरैंस देना चाहिए।

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला): स्पीकर सर, सबको बडी संवेदना है लेकिन सवाल भावुकता का नहीं है। हाउस चलाने के कुछ कायदे और नियम होते हैं। यह ठीक है कि इनका जो साथी मरा है वह बहुत महत्वपूर्ण आदमी है। उनके निधन का उनके परिवार को सबसे बडा दुःख हो सकता हैं कुछ और लोगों को भी बहुत दुःख हो सकता है लेकिन इस हाउस में औबिचुअरी रैफरैंस केवल एक क्लास, एक कैटगरी के लोगों को देने का तरीका बना हुआ है। यह तरीका आज से नहीं बल्कि जब से असैम्बलीज और पार्लियामैंट बनी हुई हैं तब से हैं। अगर सारी बातों को खत्म करके, पुरानी मर्यादा को तोड़ कर हम नई बात भाुरू करते हैं तो उसका अन्त नहीं होगा। हमारा दे ा बहुत बडा है। यहां रोज ब रोज कोई न कोई घटना होती रहती है। कभी रेल ऐक्सीडैंट, कभी बस ऐक्सीडैंट और कभी इस तरह की दुर्घटना। मेरी बस बात से ये यह न सोचें कि ट्रेजरी बैंचिज को इस दुर्घटना का दुःख नहीं है। हमें पूरी संवेदना है लेकिन हाउस की कार्यवाही

चलाने में भावुकता की कोई गुंजाइ ा नहीं होनी चाहिए और हमें कोई नई प्रथा नहीं डालनी चाहिए।

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, मुझे मनचन्दा जी के गुजर जाने का काफी दुःख है। मखन सिंह तो मेरी बिरादरी का था। वह मेरे बडा क्लोज था। 32 गांलियां उसको लगी हैं। बाप उसका पैरालीसिज के अटैक से बिस्तर पर पडा था। कहते हैं कि जिस वक्त उसने यह बात सुनी उसकी आंखें उल्ट गईं भाायद वह भी चलाना कर जाए। दुःख तो हम सबको है, आपको भी है और मुझे भी है लेकिन जैसा सुरजेवाला जी ने कहा मैं भी रूल्ज का पाबन्द हूं। मेरा ख्याल है कि सारा हाउस सहमत होगा कि इस बारे में जितना हम कह चुके हैं हमारी जितनी फीलिंग्ज रिकार्ड पर आ गई हैं, उतना ही काफी है।

श्री मंगल सैनः उनको करवे कर दिया जाए।

श्री अध्यक्षः कनवे कर देंगें।

अध्यक्ष द्वारा घोशणा–

स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी के भाोक प्रस्ताव के बारे में प्रधानमंत्री के उत्तर संबंधी

Mr. Speaker: Hon'ble Members, on behalf of the whole House. I sent a condolence message to Sh. Rajiv Gandhi, Prime Minister of India, in respect of Late Smt. Indira Gandhi, our illustrious Prime Ministeer.

I have received a letter from Sh. Rajiv Gandhi, Prime Minister of India dated 20th March, 1985 which reads-

"Thank you for your letter of 11th March, 1985. Please convey to the Members of the Haryana Vidhan Sabha my appreciation of thier gesture in honour of Smt. Indira Gandhi. I value their sympathy and yours."

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव–

रोहतक में पेयजल के संकट संबंधी

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, मुझे दो काल अटैं ान मो ान्ज सर्वश्री ओम प्रका ा (बेरी) और डा0 मंगल सैन की ओर से रोहतक में ड्रिंकिंग वाटर की क्राइसिज के बारे में मिले हैं। I have admitted both these motions. श्री ओम प्रका ा जी अपना मो ान पढ़ दें। The other motion will be deemed to have been read.

चौधरी ओम प्रका ाः स्पीकर साहब, मैं इस महान सदन का ध्यान एक अत्याव यक लोक महत्व के इस विशय की ओर दिलाना चाहता हूं कि पिछले कई दिनों से रोहतक भाहर में पीने के पानी का संकट पैदा हो गया है और यदि यही हालत रहे और पीने के पानी की सप्लाई में पूरा सुधार नहीं किया गया तो आने वाले दो तीन दिनों में स्थिति बहुत ही गम्भीर हो जाएगी। अब रोहतक भाहर के निवासियों को पीने के पानी की सप्लाई केवल

एक घंटे के लिए की जाती है जो बिल्कुल अपर्याप्त है। इस स्थिति से लोग अत्यन्त परे ाान व बेचैन हैं।

इसी तरह से झज्जर भाहर में भी पर्याप्त रूप से पीने का पानी सप्लाई नहीं किया जाता है और जो पानी सप्लाई किया जाता है वह पीने के काबिल नहीं है क्योंकि यह पानी न तो कलोरीनेट किया जाता है और न ही पूरी तरह से फिल्टर किया जाता है और इस पानी में एक टयूबवैल का कड़वा पानी भी मिला दिया जाता है जो टयूबवैल वाटर वर्कस पर नगरपालिका झज्जर ने लगा रखा है। इस टयूबवैल का पानी आदमी की तो बात क्या, प ाुओं के भी पीने के काबिल नहीं है। हालात यहां तक खराब हैं कि कई बार तो अकेले इसी टयूबवैल का पानी सीधे तौर पर लोगों के पीने के लिये सप्लाई कर दिया जाता है। ऐसा घटिया पानी पीने से नागरिकों के स्वास्थ्य पर उल्टा प्रभाव पडता है। पीने के पानी की सप्लाई झज्जर भाहर के एक तिहाई भाग में तो कतई पहुंचती ही नहीं है। पीने के पानी से वंचित रहने वाले लोग दिल्ली गेट, सिलानी गेट, दिवान गेट, पन्सारी मोहल्ला, गोसियान मोहल्ला तथा साथ लगते दूसरे मोहल्लों में रहते हैं। झज्जर भाहर में ग्रांउड वाटर मीठा नहीं है। इस कारण से समस्या और भी विकट है। घटिया पानी पीने से अनेक बीमारियां फैलनें की आ ांका है और यह नागरिकों के साथ सरासर अन्याय व भद्दा मजाक है। यह एक अत्याव यक लौक महत्व का विशय है और

इस बारे में जन स्वास्थ्य मंत्री को सदन में एक वक्तव्य देने के लिये कहा जाये।

श्री मंगल सैनः इस महान सदन का ध्यान एक अत्याव यक लोक महत्व के इस विशय की ओर दिलाना चाहता हूं कि रोहतक भाहर में विगत पांच दिनों से पीने के पानी की सप्लाई न होने के कारण दो लाख की आबादी में हाहाकार मच गई है। एक कटोरी पानी भी दिन भर में पीने का नगरपालिका के नलों में नहीं आता। नगरपालिका के अधिकारियों के अपराधपूर्ण रवैये के कारण रोहतक भाहर की जनता प्यासी मर रही है। नगरपालिका ने जो पीने का पानी नहर विभाग से लेकर सप्लाई करना चाहिए था, वह नहीं किया तथा इस कारण यह पानी का अभाव बन गया है। इस ध्यानाकर्शण प्रस्ताव द्वारा मैं सरकार का ध्यान इस स्थिति की ओर आकृश्ट करना चाहता हूं। कृपया सरकार अपनी स्थिति स्पश्ट करें कि इस स्थिति पर कैसे और कब तक काबू पाएंगें।

वक्तव्य–

लोक स्वास्थ्य मंत्री द्वारा उपर्युक्त प्रस्ताव सम्बंधी

श्री अध्यक्षः आप कब तक जवाब दे देंगी ?

लोक स्वास्थ्य मंत्री (श्रीमती प्रसन्नी देवी): अभी दे देती हूं।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, आप इजाजत दे दें तो मैं अपना काल अटैंशन नोटिस पढ दूं।

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, आपका काल अटैंशन नोटिस भी रोहतक में पीने के पानी की समस्या के बारे में हैं। मैंने तीन तीन, चार चार काल अटैंशन नोटिसिज को इकटठा किया हुआ है। अगर आपको पढने की इजाजत दे दूं तो दूसरे मैम्बरान एतराज करेंगे और कहेंगे कि उन्हें भी नोटिस पढने की इजाजत होनी चाहिये। ऐसा करने से मेरे लिये थोडी सी डिफिकल्टी आ जायेगी इसलिये आप सवाल पूछ लेना।

लोक स्वास्थ्य मंत्री (श्रीमती प्रसन्नी देवी): स्पीकर साहब, इससे पूर्व कि मैं सदन में रोहतक तथा झज्जर भाहरों में पेयजल की स्थिति के बारे में वक्तव्य दूं, मैं सदन को यह सूचित करना चाहती हूं कि सरकार स्थिति के बारे में पूरी तरह सजग है तथा पेयजल की सप्लाई पूरी मात्रा में तथा समय पर करने के लिये आवश्यक कदम उठा रही है जो कि हमारी पहुंच के बाहर न हों।

1. रोहतक भाहर

रोहतक भाहर को दो जलघरों से, जिनका नाम पुराना जलघर तथा दूसरा जलघर है, से पानी दिया जा रहा है। पुराने जलघर से जो कि नगरपालिका द्वारा मेनटेन किया जा रहा है। रोजाना 22 लाख गैलन पानी दिया जाता है तथा दूसरे जलघर से

जो कि जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा मेनटेन किया जाता है, 11 लाख गैलन प्रतिदिन पानी दिया जाता है। इस तरह 180000 की जनसंख्या को 18 गैलन प्रति व्यक्ति प्रति दिन पानी दिया जाता है। पानी की सतह ऊपर उठने तथा जमीन में नमी होने के कारण पुराने जलघर की क्षमता अब 10 दिन की है जिससे 22 लाख गैलन पानी प्रति दिन दिया जाता है और दूसरे जलघर की क्षमता 21 दिन है जिससे 11 लाख गैलन प्रतिदिन दिया जाता है। पहले सिंचाई विभाग द्वारा नगरपालिका जलघर को नहर का पानी बन्द समय में भी दिया जाता था ताकि जलघर की क्षमता में कमी की पूर्ति की जा सके। यह सुविधा पिछले एक साल से कम हो गई तथा 10–3–85 से नहरी सिस्टम से सप्लाई कम होने के कारण बन्द हो गई।

भालोट सब ब्रांच का फीडिंग चैनल का बंद रहना, 25–2–1985 से भाुरू हो गया है। यह मालूम हुआ है कि यह अब 24 दिन रहेगा। इस कारण पानी की मात्रा थोडी सी कम कर दी गई थी ? फिर भी 25–2–85 तक मिलता रहा। उसके बाद यह बिल्कुल बंद हो गया। भाहर में जल संकट बचाने के लिये दोनों जलघरों से पानी नियमित मात्रा में देना भाुरू कर दिया गया है। दिनांक 9–3–85 को पानी की सप्लाई 26 लाख गैलन प्रतिदिन थी और धीरे धीरे 15 लाख गैलन प्रतिदिन, दिनांक 18–3–85 से हो गई जो कि 8 गैलन प्रति व्यक्ति प्रति दिन के बराबर है। यह कम

मात्रा फिर भी लोगौं की न्यूनतम आव यकताओं को पूरा करती है।

भाहर को तीन भागौं में बांटा गया और पिछले कुछ दिनों से पानी एक घण्टा प्रति दिन दिया गया। रोहतक में और स्त्रोत नहीं है जिसके साथ पानी की सप्लाई में वृद्धि हो सके। कुछ स्थानों पर पानी टैंकरों द्वारा भी दिया जाता है।

नहर के पानी की सप्लाई 21—3—85 को रोहतक पहुंच गई है और जैसे सप्लाई बढती है पीने के पानी की व्यवस्था सुधरेगी।

नहर बंद रहने का अगला समय भी 24 दिन का होगा। 3 से 4 दिन की अन्य सुरक्षित गुंजाइ ा के लिये जल वितरण को उस मात्रा में रखा जायेगा ताकि भाहर को नहर के चालू होने तक पेयजल सुविधा प्रदान की जा सके।

इस भाहर को कम से कम औसतन पेयजल सुविधा 10 गैलन प्रति व्यक्ति प्रति दिन सम्भव हो सकेगी। समस्यायुक्त क्षेत्रों में आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिये पानी के टैंकरों को नियमित तौर पर लगाया जाना जारी रखा जाएगा।

इसमें संदेह नहीं कि रोहतक भाहर की पेयजल वितरण प्रणाली कठिन है लेकिन यह नि त किया जा रहा है कि पेयजल सुविधा सभी क्षेत्रों में उपलब्ध हो।

2. झज्जर भाहर

झज्जर भाहर को दो जलघरों से पानी दिया जा रहा है, जिनका नाम नगरपालिका जलघर, जिसकी नगरपालिका स्वयं अनुरक्षण करती है तथा दूसरा मंडीकरण बोर्ड जलघर है, जिसका अनुरक्षण जल स्वास्थ्य विभाग द्वारा किया जाता है।

नगरपालिका का जलघर जो कि नहरी पानी पर आधारित है, से अधिकतर जल दिया जाता है। जलघर की सीमा के अंदर लगे दो नलकूपों से पानी की सप्लाई की मात्रा बढाई जा रही है। नहरी पानी के भण्डार टैंकों की 1.9 लाख गैलन प्रति दिन देने की, 21 दिन की क्षमता है। नलकूप 70 हजार गैलन प्रति दिन पानी सप्लाई करते हैं। अतः पानी की कुल सप्लाई 2.6 लाख गैलन प्रतिदिन है।

मण्डीकरण बोर्ड जलघर, सब्जी तथा अनाज मंडी के लिये है। क्योंकि अभी इस मंडी का विकास नहीं हुआ है। इसलिये भाहर के कुछ भाग के लिये 50 हजार गैलन पानी प्रतिदिन इस्तेमाल किया जा रहा है।

पानी की कु ल सप्लाई 3.1 लाख गैलन प्रति दिन निकाली गई है जिससे कि 26000 की जनसंख्या को औसतन 12 गैलन प्रति व्यक्ति प्रतिदिन सप्लाई किया जा रहा है।

सिंचाई विभाग ने 24–2–85 से अधिक समय तक नहर के पानी को बंद कराने की घोशणा की है। हालांकि पानी 24 दिन

के लिये बंद होने की घोशणा की गई है फिर भी यह कम से कम 2 दिन और लग जाते हैं क्योंकि पानी का लम्बा सफर है।

नहर के पानी का भण्डार सीमित होने के कारण नगरपालिका जलघर में नहर का पानी 15–3–85 को खत्म हो गया। इस तिथि के बाद नगरपालिका के जलघर के टयूबवैल से पानी की मात्रा कम हो कर 70 हजार गैलन प्रतिदिन रह गई तथा मण्डीकरण बोर्ड जलघर से 50,000 गैलन प्रतिदिन पानी मिलता है। यह कुल सप्लई लगभग 4.7 गैलन प्रति व्यक्ति प्रतिदिन आज तक की जा रही है।

नहरी पानी को फिल्टर तथा कलोरीनेट किया जाता है जबकि नलकूप के पानी को केवल क्लोरीनेट किया जाता है। नगरपालिका जलघर पर आम हालात में टयूबवैल का पानी नहर के पानी में मिला कर सप्लाई किया जाता है। नलकूप का पानी खारा है परन्तु जब नहरी पानी में मिला दिया जाये तब ये खारापन महसूस नहीं होता।

भाहर के 75 प्रति ात भाग को नगरपालिका के जलघर से पानी दिया जाता है बाकी हिस्सों को मण्डीकरण बोर्ड जलघर से पानी दिया जाता है। 15–3–85 के बाद भाहर के अधिकां ा भाग को नलकूप का पानी क्लोरीनेट कर के दिया जा रहा है तथा बाकी के भागों को जहां मण्डीकरण बोर्ड के जलघर से सप्लाई होती है नहर का पानी पूरी तरह छान कर तथा क्लोरीनेट करके

दिया जाता है। पानी की क्वालिटी ऐसी नहीं है जो कि पीने के काबिल न हो। चाहे वर्तमान पानी की सप्लाई 4.7 गैलन प्रति व्यक्ति प्रतिदिन है, फिर भी बराबर वितरण किया जा रहा है। केवल दो क्षेत्रों दीवान गेट तथा पन्सारी मोहल्ला, जो कि ऊपरी स्तर पर है, में पानी की स्थिति प्रायः कठिन है। इन क्षेत्रों की आबादी 3000 है। दूसरे क्षेत्र दिल्ली गेट, सिलानी गेट तथा गोसाइयां मोहल्ला भाहर के अन्य भागों के साथ पानी प्राप्त कर रहे हैं।

नलकूप का पानी खारा है परन्तु यह खारापन बहुम कम हो जाता है जब इसको भाहर के पानी में मिला दिया जाये और फिर यह निर्धारित मिकदार में होता है। नलकूप के पानी की वर्तमान क्वालिटी जो कि सीमित समय में सप्लाई होता है इतनी सचेतक नहीं है जो कि सेहत के लिये हानिकारक होगी।

सिंचाई विभाग अधिकारियों ने सूचित किया है कि नहरी पानी का बहाव 20—3—85 की रात से भुरू हो गया है और यह झज्जर क्षेत्र 22/23—3—85 को पहुंच जायेगा।

नहर के बन्द रहने के अगले समय में नहर के पानी की सप्लाई ऐसे निर्धारित की जायेगी ताकि नहर के चालू होने के समय तक चल सके। औसतन सप्लाई 10 गैलन प्रति व्यक्ति प्रतिदिन रखी जायेगी। नलकूप के पानी को नहर के पानी में ऐसी मात्रा में मिलाया जायेगा ताकि यह पीने के लिये बिल्कुल ठीक

हो। समस्यायुक्त क्षेत्रों में खासतौर पर पानी की सप्लाई मोबाईल टैंकरों से की जायेगी।

चौधरी ओम प्रका ः अध्यक्ष महोदय, बहिन जी ने मेरे ध्यानाकर्शण प्रस्ताव के जवाब में जो कुछ कहा है, उससे कई सवाल पैदा होते हैं। इन्हौंने कहा है कि अब 4.7 गैलन पर हैड के हिसाब से हर रोज पानी दिया जा रहा है। सवाल नं0 860 में दिये गये जवाब के मुताबिक जो पर कैपिटा पानी के रेटस तय किये हुए हैं, उनके मुताबिक जहां पापुले ान 10 हजार से 50 हजार तक हो, वहां पर 90 से 100 लीटर पर कैपिटा तक पर डे पानी दिया जाता है। मैं मंत्री महोदया से यह पूछना चाहता हूं कि एक आदमी को कम से कम निरन्तर अ योर्ड ड्रिंकिंग वाटर सप्लाई मिल सके, उसके लिये सरकार क्या कदम उठा रही है और आईन्दा भी उनको यह वाटर सप्लाई मिलती रहे, इसके लिये सरकार क्या कदम उठाने जा रही है ? (व्यवधान व भाोर)

श्रीमती प्रसन्नी देवीः स्पीकर साहब, वेसे तो मैंने डिटेल में जवाब में बता दिया है। लेकिन फिर भी मैं यह अर्ज कर दूं कि नहर के पानी की कमी के कारण पीने के पानी की समस्या के बारे में सारे हाउस को पूरी तरह से ज्ञान है। भाखड़ा में पानी का स्टोरेज बारि ा न होने की वजह से बहुत कम हो गया है। इसलिये कुछ न कुछ फर्क तो पडेगा ही। अगर किसी प्रदे ा में या दे ा में किसी चीज की कमी होती है तो हमें थोडे में भी गुजारा करना पडेगा। एक टाईम ऐसा था कि हमारे प्रदे ा में

लोग पानी रेलों और ऊंटों पर भी बडी दूर दूर से लाया करते थे। अब जबकि मजबूरी की हालत है, तब हमें कम पानी से ही गुजारा करना पड़ेगा।

चौधरी ओम प्रका ः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदया ने बताया है कि झज्जर में कुछ इलाके हैं जैसे दीवान गेट और पन्सारी मोहल्ला आदि जो ऊंचे हैं। 50 हजार गैलन पानी मार्किटिंग बोर्ड के जलघर से सप्लाई होता है क्योंकि वहां पर अनाज मंडी और सब्जी मंडी पूरी तरह नहीं बनी है। अभी वहां पर मंडी बनाई जा रही है, इसलिये इन दो क्षेत्रों को पीने का पानी मिल रहा है। जब यह मंडी बन जायेगी, क्या उसके बाद भी इन इलाकों को इस जलघर से पानी मिलना जारी रहेगा या सरकार कोई अन्य इन्तजाम करेगी ? अगर कोई अन्य इन्तजाम करने का प्रोग्राम है तो क्या इसके लिये दूसरे वाटरवर्क्स बनाने का कोई विचार सरकार कर रही है या जो प्रैजेन्ट वाटर वर्क्स म्युनिसिपल कमेटी का है उसको बढा कर ही कोई इन्तजाम किया जायेगा ताकि वहां के लोगों को पानी मिल सके ?

श्रीमती प्रसन्नी देवीः स्पीकर साहब, पानी की समसरूा हमे ाा तो ऐसी रहेगी नहीं, वर्शा भी होगी। कुदरत भी इंसान का साथ देती है। ऐसी बात नहीं है कि पानी का कोई इन्तजाम ही नहीं किया जायेगा। सरकार को कुछ न कुछ साधन तो ढूंढने पडेंगे। इस इलाके को पानी देने के लिये कुछ न कुछ इन्तजाम अव य किया जायेगा।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, आदरणीय बहिन जी ने हमारे ध्यानाकर्शण प्रस्ताव का जवाब देते समय बडी उदारतापूवर्क यह कहा है कि पानी की सप्लाई करना सरकार का काम है और पानी की सप्लाई के बारे में चिन्ता न करें, आ वास्त रहें। स्पीकर साहब, मैं उनकें भाब्दों को दोहराते हुए कि लोगों को पीने का पानी देना सरकार की एक पायस डयूटी है ताकि लोग पानी के लिये तड़पते न रहें उनसे कुछ बातें जानना चाहता हूं। रोहतक भाहर में दो वाटर वर्क्स हैं, एक पुराना है और एक नया बनाया गया है। आबादी के हिसाब से दोनों वाटर वर्क्स भी रोहतक के लिये नाकाफी हैं। क्या मंत्री महोदया बतायेंगी कि मिनिमम कितना पानी रोहतक भाहर में मिलता रहेगा ? मैं बहिन जी से यह भी जानना चाहूंगा कि कितना अ योर्ड पानी रोहतक को दिया जायेगा ? रा वाटर का चूंकि वहां पर कोई बडा स्टोरेज टैंक नहीं है जहां पर कि पानी को ज्यादा देर तक के लिये स्टोर किया जा सके, हम यह भी चाहते हैं कि इसके लिये भी कोई न कोई प्रबन्ध भीघ्र ही किया जाये। स्पीकर साहब, म्युनिस्पिल कमेटी का मामला है और सरदार प्यारा सिंह जी कान्फीडैंस में भी नहीं लिये जा रहे हैं। वह बेचारे मेरी तरफ देख रहे हैं और मेरे सवाल की ताईद में सिर भी हिला रहे हैं। मैं सरकार से यह निवेदन करना चाहूंगा कि नगर पालिका का जो स्टोरेज टैंक है, इसकी कैपेसिटी बढायें। मैं सरकार से यह जानना चाहता हूं कि अगर इनका ऐसा कोई प्रोग्राम है तो यह बतायें कि इसके लिये कितना पैसा लगेगा ? क्या यह इस काम को जल्दी ही करेंगे ? रोहतक की आबादी 2

लाख के लगभग है। पहले जब यह टैंक बना था, उस समय रोहतक की आबादी 30,000 थी। अब चूंकि गांव से लोग भाहर में आ गये हैं और इसकी आबादी बहुत ज्यादा बढ गयी है, क्या इसके लिए और टैंक बनाने का भी प्रोग्राम है ? सब जगह पीने का पानी नैसैसिटी आफ लाईफ है। पीने के लिये, नहाने के लिये और कई अन्य कामों के लिये पानी आव यक है। मैं यह 4—5 बातों पर मंत्री महोदया से रो ानी डलवाना चाहूंगा क्योंकि इनका अपना मकान भी रोहतक में ही है।

श्रीमती प्रसन्नी देवीः स्पीकर साहब, दो स्कीमें रोहतक भाहर के लिये सोची गयी है। एक तो दोनों वाटर वर्क्स को मिलाने के लिये है, उसके लिये 22 लाख रूपये का ऐस्टीमैट बन गया है। इन दोनों टैंकों को, जिनकी क्षमता क्रम ाः 21 दिन और 10 दिन की है, मिलाने की हमारी स्कीम है। जैसे ही बजट पास होता है और हमें पैसा मिलेगा, हमें वैसे ही उम्मीद है कि अप्रैल के महीने में ही, इस स्कीम पर काम भाुरू कर देंगे। डाक्टर साहब ने एक और वाटर टैंक बनाने की बात कही है। उसके लिये हमारे अधिकारी एक दूसरी स्कीम बनाकर बम्बई देकर आये हैं और हमें उम्मीद ही नहीं बल्कि पूरी आ ाा है कि इसी साल यानी 1985—86 के बीच में ही वह ऋण हमें मिल जायेगा। रोहतक के लिये पानी बढाने का हम काम जल्दी ही भाुरू कर देंगे जिससे कि वाटर टैंक्स की कैपेसिटी बढ जायेगी।

श्रीमती बसन्ती देवीः स्पीकर साहब, मंत्री महोदया ने यह तो माना है कि झज्जर में खारा पानी हैं इन्होंने यह भी कहा है कि वह इतना खारा नहीं है कि उसे इस्तेमाल ही न किया जा सके। स्पीकर साहब, बनारसी दास जी भी यहां बैठे हुए हैं। वह बोलते नहीं हैं। चाय बनाते हैं तो चाय फट जाती है, दाल बनाते हैं तो दाल ठीक नहीं बनती और जो भी काम उस पानी से करते हैं, वह ठीक नहीं होता। मेरी मंत्री महोदया से यह रिक्वैस्ट है कि वह इसके लिये कुछ करें।

श्री अध्यक्षः आपके हल्के की बात ओम प्रका ा जी ने कर दी है।

विभिन्न विशयों का उठाया जाना

चौधरी ओम प्रका ाः स्पीकर साहब, मैं स्लैक कोल के 19 रैक्स की माल डिस्ट्रिब्यू ान के बारे में आपको एक काल अटैं ान मो ान दे रखा है उसका क्या हुआ ?

श्री अध्यक्षः मैंने गवर्नमैंट से कमैंटस मांग रखे हैं।

चौधरी ओम प्रका ाः स्पीकर साहब, मेरा एक काल अटैं ान मो ान भिवानी, रोहतक और जीन्द डिस्ट्रिक्ट में गेहूं और चने की फसल पानी और बिजली की कमी की वजह से बरबाद होने के बारे में था, उसका क्या बना है ?

श्री अध्यक्षः वह मैंने 27 तारीख के लिये ऐडमिट कर लिया है।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः स्पीकर साहब, जींद में फर्टीलाईजर पर जो सबसिडी दी जा रही है, उसमें बहुत घपला हो रहा है।

श्री अध्यक्षः वह मैंने डिस अलाउ कर दिया हैं

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, मैंने एक काल अटैं ान मो ान महेन्द्रगढ़ म्यूनिसिपल कमेटी के एडमिनिस्ट्रेटर के बारे में आपकी सेवा में दिया था उसका जवाब मुझे मिल गया है लेकिन मैं उसके बारे में एक दरख्वास्त करना चाहता हूं। मेरे पास वहां की फोटो है। आप खुद देख सकते हैं कि वहां पर कूडा पडा हुआ है या नहीं।

श्री अध्यक्षः जो मैंने फैसला कर दिया है, उसके ऊपर कृपया यहां बात न करें। वह मैंने डिस अलाऊ कर दिया है।

श्री राम बिलास भार्माः सर, यह लिखा है कि कूडा उठा लिया गया है।

श्री अध्यक्षः अगर कोई बात है तो आप मुझसे चैम्बर में मिल लेना।

श्री मनफूल सिंहः स्पीकर साहब, मैंने एक काल अटैं ान मो ान बहुत ही गरीब आदमियों के लिये दिया था कि सफाई मजदूरों को भी पैं ान दी जाये।

श्री अध्यक्षः वह तो डिस अलाऊ हो गया है। (व्यवधान व भाोर)

श्री मनफूल सिंहः उसी के बारे में मैं थोड़ी सी बात कहना चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः आपको जवाब मिल गया होगा। (व्यवधान व भाोर)

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः स्पीकर साहब, मैंने क्वै चन पेपर्ज में इररैगुलैरिटीज और मास कापिंग के बारे में एक काल अटैं ान मो ान दिया थ। उसका क्या बना है ?

श्री अध्यक्षः मैंने गवर्नमैंट से कमैन्टस मांगे हुए हैं।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, मैंने भी कुछ काल अटैं ान मो ांज भिजवाये थे।

श्री अध्यक्षः कब भिजवाये थे ?

श्रीमती चन्द्रावतीः आज ही भिजवाये हैं।

श्री अध्यक्षः अभी वे मिले नहीं है।

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, आई0आर0डी0 प्रोग्राम के तहत लड़कियों के लिए क्राफ्ट सैन्टर्ज खुल हुए हैं। मेरे पास एक दरखास्त आई जिसमें लिखा है कि गवर्नमैंट उनको बंद करने जा रही है। मेरी आपसे दरखास्त है कि आप गवर्नमैंट को कहें कि वह इन लड़कियों के सैन्टर्ज को बन्द न करें।

श्री अध्यक्ष: ऐसी दरखास्त या कोई नोटिस अभी मुझे नहीं मिला है। आप बैठिए।

वर्श 1985–86 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker: Now we resume discussion on the budget Sh. Lachhman Singh.

Sh. Lachhman Singh (Kalka): Thank you Mr. Speaker;

स्पीकर साहब, इसी महीने की बीस तारीखको फाइनैंस मिनिस्टर ने जो बजट पे ा किया उसके ऊपर मैं अपने ख्यालात जाहिर करना चाहता हूं और वहीं से भ्रुरू करूंगा जहां से फाइनैंस मिनिस्टर ने भ्रुरू किया था। 31 अक्तूबर का दिन न सिर्फ हिन्दुस्तान की हिस्टरी में ही स्याह दिन है बलिक यह दिन दुनियां की हिस्टरी में भी काला दिन है लेकिन श्रीमती इन्दिरा गांधी की हत्या के बाद दे ा के अंदर जो वाक्यात हुए वे हम सभी के दिलों को हिला देने वाले हैं। इस बारे में काफी जिक्र हो चुका है मैं उसको रिपीट नहीं करूंगा।

स्पीकर साहब, हरियाणा भी उस आग की लपेट से नहीं बच सका। आज इस बारे में एक सवाल था और उसके बारे में यह कह दिया गया कि इस बारे में इंफरमे ान देना जनहित में नहीं है। स्पीकर साहब, करोडों रूपए का नुकसान हुआ और पैंतालीस लाख रूप्ए के करीब का लूटा हुआ माल बरामद हुआ और 286 आदमी पकडे गए। लेकिन बडे अफसोस के साथ कहना पडता है कि वे छोड दिए गए। मैं चीफ मिनिस्टर साहब से दखास्त करूंगा कि कम से कम स्पे ाल कोटर्स बनाकर उन आदमियों को सजा मिलनी चाहिए। ज्यादा नहीं तो स्पे ाल कोटर्स कायम करके उनको सजा मिलनी चाहिए जिन्होंने दिन दिहाडे बेकसूर लोगों का माल लूटा और करीब 125 आदमियों को मारा। वे लोग भाहरों, कस्बों और गांवों के रहने वाले थे। मेरी तो चीफ मिनिस्टर साहब से यही दरखास्त है कि स्पे ाल कोटर्स के थ्रू उनको सजा देनी चाहिए। स्पीकर साहब, जिस तरह से पंजाब में हुआ उसी तरह से ये भी बेगुनाह लोग थे। उनका कोई कसूर नहीं था। वे लोग राजस्थान से आ रहे थे और इन ट्रांजिट मारे गए। 19 गुरूद्वारों को नुकसान पहुंचाया गया। मैं चाहता हूं कि अगर चीफ मिनिस्टर साहब के दिल में जरा भी उन लोगों के प्रति और उन गुरूद्वारों के प्रति दर्द है तो उनको जो मुआवजा दिया गया क्या वे पता करेंगे कि जो कुछ दिया गया है वह सही मिला है या नही। मैं उम्मीद करता हूं कि वे हाउस में यह बता बताएंगे या वे मुझे पर्सनली बताएंगे।

स्पीकर साहब, फाइनैंस मिनिस्टर ने जो हाउस में बजट पे ा किया है, अब मैं उसके मुताल्लिक कुछ जिक्र करना चाहता हूं। बडी ऐस्केलेटिड फिगर्ज फाइनैंस मिनिस्टर ने हाउस में पे ा की हैं। इसमें कोई भाक नहीं है कि वे एक इंटैलीजैंट आदमी हैं। स्पीकर साहब, इन्होंने 114.32 करोड रूपए का बजट में घाटा दिखाया है। और उसको पूरा करने के बारे में बताया है कि सत्तर करोड रूपया तो एस0वाई0एल0 कैनाल के लिये मिल जाएगा और पैंतालीस करोड रूपया कंसाइनमैंट गुडज जिसके बारे में भारत सरकार ने अभी कानून नहीं बनाया है उससे मिल जाएगा। स्पीकर साहब, 1981 से यानी दो तीन साल से एस0वाई0एल0 का काम चल रहा है और हरियाणा सरकार ने चालीस करोड रूपया दिया है तो फिर कौन सी वजह है कि भारत सरकार अब सत्तर करोड रूपया देगी। स्पीकर साहब, जहां तक कंसाइनमैंट टैक्स की बात है वह तो सैंट्रल सेल्ज टैक्स में कन्वर्ट हो जाएगा। इस तरह से हरियाणा सरकार को कुछ पैसा नहीं मिलेगा और यह जो 114.32 करोड का घाटा है यह 225 करोड रूपए का घाटा हो जाएगा जिससे कि हरियाणा की इकोनोमिक कंडी ान भौटर हो जाएगी। मैं फाइनैंस मिनिस्टर से दरखास्त करूंगा कि वे नए साधन जुटाएं और अपने रिसोर्सिज को टेप करें। हमारी जो सातवीं प्लान हैं वह 3200 करोड रूपए की है और इसके बारे में फैसला अगले महीने होगा। स्पीकर साहब, इसमें भी कट लगेगा क्योंकि हमारे अपने कोई मैचिंग रिसोर्जिज नहीं है जो स्टेट के बजट को मैच नहीं कर पा रहे हैं। पता नहीं फाइनैंस मिनिस्टर 3200 करोड रूपए का

प्लान बनाकर कैसे सैंक ान करायेंगे। मुझे डर है कि प्रायरिटी सैक्टर जिस पर हरियाणा की जिन्दगी का दारोमदार है, जब प्लान सैंक ान होगा तो भारत सरकार उस पर कट लगायेगी।

स्पीकर साहब, हरियाणा के अंदर इरीगे ान की बहुत बडी प्रौब्लम है। इरीगे ान मिनिस्टर साहब बहुत इंटैलीजैंट आदमी हैं। स्पीकर साहब, अगले इलैक ान होने में अभी दो साल बाकी हैं और एस0वाई0एल0 नहर इस असैम्बली की मियाद में हरियाणा में नहीं आयेगी। मैं चाहता हूं कि सरकार को इस मामले में अपने रिसोर्सिज फाइंड आउट करने चाहिए। ग्राउंड वाटर को टेप करें और हिमाचल से कालका और ताजेवला तक छोटे छोटे डैम बनाए। सरकार ने पांच सात डैम बनाए हैं लेकिन जिस रफतार से सरकार को इस काम में इंट्रैस्ट लेना चहिए उस रफतार से यह सरकार दिलचस्पी नहीं ले रही है। पता नहीं इसका क्या कारण है ? मैं चीफ मिनिस्टर साहब से दरखास्त करूंगा कि वे इस काम में इंट्रैस्ट लें और यह इलाका ऐसा नहीं है जिसको इग्नोर किया जाए। यह बहुत बियटीफुल इलाका है। नारायणगढद्य, कालका से ताजेवाला तक का इलाका बहुत ही खूबसूरत इलाका बन सकता है। स्पीकर साहब, एस0वाई0एल0 नहर के पानी में अभी देर लगेगी। हमारी सरकार को चाहिए कि वे यमुना कैनाल और रिवर गंगा के पानी के बारे में यू0पी0 सरकार से बात करें और पानी के साधन जुटाये तभी हरियाणा के किसान का भला होगा और वह पूरी तरह से और मेहनत कर सकेगा।

स्पीकर साहब, अब मैं इंडस्ट्रियलाइजे ान के बारे में कहना चाहता हूं। हरियाणा कुदरती तौर पर बडा खु ा किस्मत है कि दिल्ली के नजदीक होने के कारण यहां पर इंडस्ट्री का बहुत बडा स्कोप है। मुझे बडे अफसोस के साथ कहना पडता है कि कालके के अंदर चार सौ पांच सौ एकड जमीन ऐक्वायर की गई थी और उसका दफा चार का नोटिफिके ान भी हो गया था लेकिन पता नहीं कि किस वजह से उस काम में आगे प्रोग्रैस नहीं हो रही है। मेरी दरखास्त है कि चीफ मिनिस्टर साहब, इस तरफ ध्यान दें। स्पीकर साहब, मैं एक बात चीफ मिनिस्टर साहब और पब्लिक हैल्थ मिनिस्टर साहब के नोटिस में लाना चाहता हूं कि परवाणू का जो इंडस्ट्रियल काम्पलैक्स है वहां का पौलूटिड वाटर कालका में जो ड्रिंकिंग वाटर है, उसको पौल्यूट कर रहा है। इंटरस्टेट डिस्पयूट है। मै। सरकार से अर्ज करना चाहता हूं कि हरियाणा सरकार इस बारे में पूरी कोि ा करे और हिमाचल गवर्नमैंट को मजबूर करे कि वहां से जो पौल्यू ान आ रहा है वह उसको रोके जिससे कि कालका के अंदर बीमारी न फैले। दूसरी बात यह है कि बरोटीवाला से मडावाला में पौल्यू ान आ रहा है। इसको भी रोकने की जरूरत है। मैं सरकार से प्रार्थना करता हूं कि चीफ मिनिस्टर साहब, इस बारे में हिमाचल सरकार से बात करें।

स्पीकर साहब, अब मैं टैक्से ज्ञन के बारे में कहना चाहता हूं। सरकार ने अपने रिसोर्सिज को टैप किए बगैर टैक्स

लगा दिए हैं और इन टैक्सों से कुछ इंक्रीज होने वाला नहीं है। स्पीकर साहब, सरकार ने ट्रांसपोर्ट के किराये बढाये हैं और इस बढौतरी को जस्टीफाइड करने के लिये कहा है कि पैट्रोल की कीमत बढी है और डीजल की कीमत बढी है। स्पीकर साहब, इस बढौतरी के कारण 146 कमौडिटीज की कीमत और बढ जाएगी। इसमें कोई भाक नहीं कि पैट्रोल की कीमत बढी है लेकिन जब तक स्टेट अपने रिसोर्सिज को टैप नहीं करेगा तब तक कोई फायदा होने वाला नहीं है। इस बारे में मैं सरकार को राय देना चाहता हूं कि सरकार अपने इन्टरनल रिसोसिर्जज टैप करे। स्पीकर साहब, जब कभी स्टेट की इकौनोमी खराब हो और स्टेट के फाइनैंसिज में क्राइसिज हो तो इसके लिये खर्चे में पैसा बचाना आव यक है। स्पीकर साहब, इस संबंध में मैं दो चार बातें कहना चाहता हूं। स्पीकर साहब, कार्पोरे ांज और बोड्र्ज में प्राइवेट आदमियों कबो चेयरमैन बनाया हुआ है। उनके अंदर न तो कोई टैक्नोलोजी है और न उनको मैनेजमैंट को कोई तजुर्बा है। स्पीकर साहब, अब तो ऐन्टी डिफैक ानल बिल भी पास हो गया है। इसलिये कोई डर की बात नहीं है और इन लोगों की, इन प्राईवेट आदमियों को हटा देना चाहिए और जो ऐक्सपर्ट लोग हैं उनको वहां लगाना चाहिए। ऐसा करने से लाखों रूपए की सरकार को बचत होगी। स्पीकर साहब, जब फाइनैंि ायल क्राइसिज हो, तो हमें गुजारा करने के लिये एक एक पैसा बचाना जरूरी है। हमें छोटी कार का प्रयोग करना चाहिए। मेरे ख्याल में चीफ मिनिस्टर के लिए बडी कार का होना जरूरी है बाकी

मिनिस्टर्ज के लिये ऐम्बैसेडर या फिएट कार काफी है। स्पीकर साहब, अब तो हमारे प्राईम मिनिस्टर और सैंटर के दूसरे मिनिस्टर ऐम्बेसडर कार ही प्रयोग करते हैं। देखा गया है कि घास लेने के लिये भी कारें जाती हैं। स्पीकर साहब, इस तरह के खर्चों पर कंट्रोल किया जाए। अगर इस तरह से थोडा थोडा पैसा भी बचाएंगे तो काफी बचत हो सकेगी। मिनिस्टर और चीफ मिनिस्टर का यह काम है कि वे ये देखें कि इकनौमी कैसे हो सकती है। स्पीकर साहब, एक एक कतरे से तालाब भर जाता है। इनको यह देखना चाहिए कि स्टेट की इकोनोमी कैसे स्टेबल हो सकती है, स्टैट का पैसा कैसे बच सकता है ? यह काम चीफ मिनिस्टर और फाइनैंस मिनिस्टर का है अपोजी ान का नहीं है। हम तो केवल इस बारे में राय दे सकते हैं।

स्पीकर साहब, यहां पर ऐग्रीकल्चर की बात भी कही गयी। ऐग्रीक्लचर के मुताल्लिक मैं यह बताना चाहता हूं कि इन्होंने एक मोनो ब्लाक 7.5 हार्स पावर के पम्पिंग सैट पर टैक्स रिडूस किया है। हमारी ऐग्रीकल्चरल स्टेट है, इसमें भाक की बात नहीं है। अपोजी ान भी यह कहती है और सरकार भी यह कहती है लेकिन स्पीकर सर, मैं वित्त मंत्री महोदय से दरखास्त करूंगा कि ये हमारी पडौसी स्टैटस में जैसे कि हिमाचल प्रदे ा है, यू0पी0 है, वहां जाकर देखें कि वहां की सरकारों ने ऐग्रीकल्चर के मामले में, वहां कि किसानों को कितनी कितनी ज्यादा सहूलियतें दी हैं। स्पीकर साहब, हमारे वित्त मंत्री महोदय बडे ही इंटैलीजैंट

हैं, भारियूड हैं लेकिन उन्होंने पता नहीं किस तरह से फेर बदल करके फिगर्ज को ऐस्केलेट कर दिया। इसको आम आदमी तो समझ नहीं पाएगा कि यह बजट स्पीच क्या है। चौधरी कटार सिंह जी भारीफ आदमी थे। वे डरते थे और चाहते थे कि फिगर्ज को ठीक रखो बहुत ऐस्क्वेलेट न करो। उन्होंने 45–46 करोड रूपये का घाटा दिखाया था जो बाद में 92 करोड हो गया लेकिन अब उन्होंने सवा करोड का घाटा दिखाय है। भाायद वह बढकर ढाई करोड होगा। ऐग्रीकल्चर के बारे में खास तवज्जो सरकार को देनी चाहिए। मैं सरकार से यह कहना चाहता हूं कि एक किसान जो अढाई हैक्टेयर का मालिक है, वह अपनी जमीन में अगर ट्रायल बोर करवाना चाहता है तो सरकार को यह काम करवा के देना चाहिए। इस बात को कृपया चीफ मिनिस्टर साहब नोट कर लें। ऐसा करने से यह भी पता चल जाएगा कि जमीन के अंदर ग्राउंड वाटर अवेलेबल है। स्पीकर साहब, सरकार को गरीब किसान की हर तरह से मदद करनी चाहिए क्योंकि उसके पास टयूबवैल्ज लगाने के लिये पैसा नहीं है, वह अपने पास से नहीं लगवा सकता, बोर नहीं करवा सकता। इसलिये सरकार यह बोर का काम अपने लैवल पर करवा कर के देवे और यह देखा जाए कि जमीन के अंदर पानी है या नहीं ताकि किसान खर्चे से बच सकें।

स्पीकर साहब, मैं एक और बात सरकार के सम्मुख रखना चाहता हूं। यू0पी0 के अंदर एक कानून बना हुआ है और वहां पर 34 आईटमज पर किसान को सेल्ज टैक्स की छूट दी गई

है। जो वस्तुएं किसान के इस्तेमाल की हैं, उन पर सेल्ज टैक्स नहीं लिया जाता। इसी तरह से हिमाचल सरकार ने भी किसानों के यूज की जो चीजें हैं, जो खेती बाडी में काम आती है, उन सभी आईटम्ज पर सेल्ज टैक्स से छूट दे रही है। वहां पर 5000 हजार रूपये ट्रैक्टर यहां से सस्ता पडता है और हमारे लोग वहां से ट्रैक्टर खरीद कर लाते हैं जिससे हमारे हरियाणा को नुकसान होता है। हरियाणा के अंदर हर पांच ट्रैक्टर पर दो ट्रैक्टर बनते हैं या तीन ट्रैक्टर बनते हैं इससे हरियाणा में टैक्टर्ज की सेल पर काफी फर्क पडता है। इसलिये हरियाणा के किसान को भी इन इम्पलीमैंटस पर सेल्ज टैक्स से ऐग्जैम्प ान होनी चाहिए ताकि हरियाणा के किसान को राहत मिल सके। इस वक्त हरियाणा के अंदर फरीदाबाद और पिंजौर में दो फैक्टरियां ट्रैक्टर बनाने की हैं लेकिन दूसरे राज्यों में ट्रैक्टर किसनों को काफी सस्ते पडते हैं। यहां से किसान खरीद नहीं सकता किसान हर लिहाज से यहां पर सफर कर रहा है। यह कोई अच्छी बात नहीं है। इसलिये सरकार इस तरफ ध्यान दे। इसके साथ साथ मैं फाइनैंस मिनिस्टर महोदय से यह भी कहूंगा कि किसानों को जो गेहूं का 157 रूपये रेट दिया गया है, यह बहुत थोडा हैं इससे किसानों को कुछ बचने वाला नहीं है। इस तरफ सरकार ध्यान दे। किसानों की हालत बडी ही खस्ता है और सिर्फ कह देने से किसानों के साथ हमदर्दी रखना या लिपसिम्पथी से कोई किसानों की समस्या हल नहीं होने वाली है। स्पीकर साहब, आप भी किसान हैं, आप भी महसूस करते हैं कि यह जो 6–7 हजार रूप्या ट्रैक्टर पर यहां पर सेल्ज टैक्स

लगता है, वह जमींदार को देना मु ि कल है। इसलिये यह टैक्स किसानों से नहीं लिया जाना चाहिये। इसके साथ साथ दूसरी इम्पलीमैंटस जो किसानों के रोजाना यूज की हैं, उन पर भी हिमाचल और यू0पी0 की सरकारों की तरह सेल्ज टेक्स से माफी होनी चाहिए। तभी किसान फलफूल सकता है और हमारे हरियाणा में खु ाहाली आ सकती है। अगर हमारा किसान खु ाहाल होगा तो हमारी स्टेट भी खु ाहाल होगी। मेरी सरकार से एक हम्बल सबमि ान है कि इस तरफ सरकार खास तवज्जो दे और किसानों को हर तरह से राहत दें।

स्पीकर साहब, सरकार ने जो चूड़ियों के ऊपर टैक्स माफ किया है, वह भी एक अच्छा कदम है। चूंडियां तो और भी किस्म की हैं, प्लास्टिक की चूडियां भी बनती हैं, इसलिये उन पर भी यह टेक्स माफ होना चाहिए नहीं तो वे आपसे निरा ा हो जाएंगे। स्पीकर साहब, मुझे यह नहीं पता कि ये चूडियां कहां बनती हैं लेकिन सुना है कि भिवानी में बनती हैं और भाायद अम्बाला में भी बनती हैं। इसलिये प्रार्थना है कि प्लास्टिक की चूडियों पर से भी टैक्स हटाया जाए।

स्पीकर साहब, सरकार ने मैनुफैक्चजरर्ज की जो सेल 20 हजार तक की होती थी उसकी लिमिट बढा कर अब एक लाख तक कर दी है। अगर यह लिमिट बढा कर दो तीन लख कर दी जाए तो इसमें सरकार को कोई नुकसान नहीं होगा सिवाये इसके कि इस पर इंस्पैक्टर्ज कंट्रोल खत्म होता है, और कोई बात नहीं

है। सेल्ज टैक्स की कोई बात नहीं है, सिर्फ एक कागजीद कार्यवाही है। एक लाख का माल तो एक महीने में ही निकल जाता है। इसलिये सरकार को लोगों को ईमानदार बनाने को तरजीह देनी चाहिए। इसलिये मेरा सुझाव है कि एक लाख की बजायेयस अगर सरकार दो लाख तक को लिमिट बढा दे तो इससे कोई फर्क नहीं पडैगा क्योंकि सेल्ज टैक्स देकर जो चीज लाना चाहेगा लाएगा बल्कि इससे बैटर कन्ट्रोल हो सकता है। (घण्टी) स्पीकर साहब, मैंने बोलना तो बहुत था लेकिन आपने घण्टी बजा दी। मैं तो आपको ओबिडिएन्ट हूं जैसे आप हुक्म करेंगे, सर माथे पर लेकिन आप मुझे डिमांडज पर बोलने का समय दे देना। इन लफजों के साथ मैं अपने वित्त मंत्री महोदय और सरकार से यह कहूंगा कि जो जो सुझाव मैंने यहां पर दिये उन पर पूरी तरह से गौर किया जाए। यह नहीं होना चाहिए कि जो बातें अपोजी ान ने कहीं हैं, चाहे वे कितनी ही अच्छी क्यों न हों, वह तो माननी ही नहीं हैं। अगर नेक बातें हैं ऐग्रीकल्चर के हित में, किसान के हित की हैं, गरीबों के हित की हैं, प्रदे ा के हित की हैं, उन बातों को अव य मान लेना चाहिये ताकि हरियाणा के किसानों को सरकार की तरफ से हर प्रकार की राहत मिल सके। इससे प्रदे ा का भी हित होगा। जय हिन्द!

चौधरी रो ान लाल आर्य (छछरौली): अध्यक्ष महोदय, 1985–86 का बजट सदन में विचार के लिये और अनुमोदनार्थ पे ा हुआ है और इस पर एक दो दिनों से चर्चा हो रही है। मैं

भी इस पर अपने विचार रखने के लिये और इसका समथ्रन करने के लिये खडा हुआ हूं। यह बजट आगामी पंच वर्शीय योजना के प्रथम वर्श का बजट है। इसको पढने से साफ तौर पर यह दिखायी देता है कि यह बजट हरियाणा की आर्थिक स्थिति को मजबूत करेगा और हरियाणा के किसानों को, मजदूरों को, हरियाणा की जनता को राहत दिलायेगा। (**इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए**)

उपाध्यक्ष महोदय, अभी मेरे पूर्व बोलते हुए मेरे माननीय सदस्य ने यू0पी0 और हिमाचल प्रदे ा की सरकारों की कारगुजारी का यहां पर जिकर किया। मैं भी एक और बात यहां पर कहना चाहता हूं कि हिमाचल और उत्तर प्रदे ा राज्यों से प्रति व्यक्ति आय हमारे यहां की ज्यादा है और यह केवल इन दोनों प्रदे ाों से ही अधिक नहीं है बल्कि सारे दे ा में हमारे प्रदे ा का स्थान इस लिहाज से तीसरा है और इस बजट के इम्पलीमैंट होने के बाद यह स्थान प्रथम या दूसरा आने की सम्भावना है। जो केन्द्रीय बजट पे ा किया गया है, उसी की लाईन पर, उसी को आधार मानकर हरियाणा सरकार ने, हमारे वित्त मंत्री महोदय ने इस बजट को पे ा किया है। इस बजट को पढने से यह साफ दिखायी पडता है कि इसमें किसानों के लिये बहुत सारी राहतें दी गयी हैं और वि ोश कर जो ग्रामीण बेरोजगार हैं उनके लिये रोजगार की व्यवस्था की गयी है। जितने हमारे नवयुवक कृशि वर्ग से सम्बंधित हैं, उनको रोजगार देने के लिये बहुत ही व्यापक स्तर

पर इस बजट में प्रबन्ध किया गया है। जैसे डेयरी की बात है और भी इसी तरह के काम हैं जो पृथक पृथक कृशि के साथ साथ कर सकते हैं। फसलें काटने के बाद जो खाली समय होता है उसमें किसान को सहायक धन्धों के तौर पर कार्य करने के लिये सरकार ने काफी तरह की सुविधा किसानों की जुटाई हैं ताकि वह ज्यादा काम काज में लगा रहे और अपनी व अपने प्रदे ा की हालत को और सुधारता रहे इसी तरह से प्र ाासन तंत्र में तीव्र गति से काम काज को करने के लिये हरियाणा ही एक ऐसा प्रदे ा है जहां पर 5 दिन की बजाये छः दिवसीय सप्ताह भुरू किया गया है। दे ा में सब से पहले ऐसा हमारे हरियाणा ने ही किया है। केन्द्र सरकार को छः दिवसीय वीक की बजाए 5 दिन का सप्ताह करना चाहती है। लेकिन हमारे यहां प्र ाासन को स्वच्द बनाने तथा काम को जल्दी करने के लिये ऐसा कदम उठाया गया है। कितने गर्व की बात है ? यह कदम इसलिये उठाया गया है ताकि दफतरों में रोजमर्रा के काम और तेजी से किये जा सकें और काम में कार्यकु ालता लाई जा सके।

डिप्टी स्पीकर साहब, पैरा नें0 15 में साफ तौर पर यह द ार्ाया गया है कि हमारे हरियाणा में रोजगार की, उत्पादक रोजगार की अधिक से अधिक व्यवस्था होगी। इसमें और भी बहुत से प्वायंटस दिये गये हैं। लेकिन समय की कमी को ध्यान में रखते हुए मैं सूक्ष्म तौर पर यह कहूंगा कि इस बजट में इस बात की व्यवस्था की गयी है कि उद्योगों को आगे बढाया जाये। हमारे

प्रदे ा के निवासियों को इस पर गौरव होना चाहिये कि उद्योगों को बढावा देने के लिये सारे भारत में हमारे हरियाणा ने ही सबसे पहले पहल की है और तमाम दूसरे मुल्कों में रहने वाले जो लोग यहां हरियाणा में उद्योग लगाने के इच्छुक हैं, उनको हर तरह की सुविधाएं यहां पर उलबब्ध करायी जाती हैं और लोग बाहर से आकर हमारे हरियाणा में उद्योग लगाने का प्रयास कर भी रहे हैं।

उपाध्यक्ष महोदय, मेरा अपने भाइयों से अनुरोध है कि जब कहीं हरियाणा की उन्नति की बात आती है, दे ा की उन्नति की बात आती है, तो उस समय उनहें किसी प्रकार की जलन महसूस नहीं होनी चाहिए बल्कि उनको इस बात को महसूस करना चाहिए और गर्व करना चाहिए कि हमारा हरियाणा आगे बढ रहा है और हमारा दे ा आगे बढ रहा है। जहां तक सरकार की नीति की बात है, अगर मेरे भाइयों ने उसके बारे में अपने विचार रखने हों, तो रखें लेकिन उनको इस बात का ध्यान रखना चाहिये कि जब हरियाणा की और हमारे दे ा के सम्मान की बात आए तो उनको इस बात का गौरव महसूस होना चाहिए कि हरियाणा हर लिहाज से सारे दे ा में आगे बढ रहा है। हरियाणा में जो भी उन्नति का काम होता है वह हरियाणा के सभी वर्गों के लिये होता है। हमारे प्रदे ा में जो पिछडे वर्ग हैं, पिछडी जाति के लोग हैं कमजोर वर्ग के लोग हैं उनके कल्याण के लिये हमारी सरकार ने बहुत सारे कदम उठाये हैं, जो कि प्र ांसनीय हैं और हमारे इन अपोजी ान के भाइयों को इसका गौरव होना चाहिए। हरिजन

कल्याण निगम और वीकर सैक ान निगम द्वारा गरीब लोगों के लिये बडे पग उठाये गये हैं ताकि जो यहां का गरीब मजदूर हैं, गरीब आदमी है, उसकी हालत को सुधारा जा सके, उसकी आर्थिक स्थिति को ऊपर लाया जा सके। उपाध्यक्ष महोदय, हमारे इस बजट ने एक बहुत बडा काम किया है जिसको हमारे ये भाई देख नहीं पा रहे हैं। वह काम हैं हयूमन कैपिटल का। इस काम के लिये इस बजअ में बहुत प्रावधान है। आप खुद देख लें कि ि ाक्षा और चिकित्सा के लिये कितना पैसा रखा गया है यानी जितनी भी जन कल्याण की योजनाएं हैं उनके लिये बहुत पैसा रखा गया है। इन योजनाओं को हयूमन कैपिटल समझा जाना चाहिए। भाास्त्री लोग इस बात को समझते हैं कि जो पैसा विकास के कामों पर, रोजगार देने पर, ि ाक्षा और दवाइयां देने पर लगता है उस पैसे से हयूमन कैपिटल की फारमे ान होती है। हमारे वित्त मंत्री महोदय ने इतना बढिया बजट पे ा करके हरियाणा के विकास के लिये बहुत बढिया मार्ग प्र ास्त किया है। मैं समझता हूं कि इस बजट में बहुत सी सुविधाएं दी गई हैं। वे सुविधाएं भी हमारे इन भाइयों में से बहुत को समझ नहीं आई होंगी। इस बजट से हमारा आर्थिक ढांचा मजबूत होगा। कई बार ऐसा होता है कि जैसे कोई निर्माण कार्य चल रहा हो तो उस समय लगता है कि खर्चा ही खर्चा होता जा रहा है लेकिन जब वह काम पूरा हो जाता है तो हम देखते हैं कि वह प्रदे ा की तरक्की का आधार बन जाता है। हमारे साथियों ने कहा कि बजट में बहुत ज्यादा घाटा है, दूसरे प्रदे ाों के अंदर यह राहत दी गई

और वह राहत दी गई है लेकिन फिर भी वहां इतना घाटा नहीं है। ऐसी बात नहीं है, कई बातें ऐसी हैं जो मैं किन्हीं कारणों की वजह से नहीं बता सकता। कई ऐसे प्रदे ा हैं जिनमें हमारे से दस गुणा ज्यादा आबादी हैं लेकिन वहां भी ऐसा बजट पे ा नहीं किया गया है, जैसा हमारी हरियाणा की सरकार ने किया है। मैं प्रार्थना करूंगा कि इस बजट को सर्व सम्मपति से पास किया जाए ताकि जनता यह समझ सके कि यहां पर राजनैतिक मतभेद हो सकते हैं लेकिन बजट के संबंध में सारी विधान सभा ने इसे सर्व सम्मति से पास किया है। इन भाब्दों के साथ मैं अपना स्थान लेता हूं और आ ाा करता हूं कि इस बजट को सर्व सम्मति से पास किया जाएगा।

चौधरी धीरपाल सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आड्र है। अभी माननीय सदस्य ने कहा कि हरियाणा के सिवाए कहीं भी 6 दिन का हफ्ता नहीं है। उनको पता होना चाहिए कि केन्द्र में पहले ही 6 दिन का हफ्ता है।

श्री उपाध्यक्षः आप कृपया बैठिए।

श्री हरि चन्द हुड्डा (किलोई): डिप्टी स्पीकर महोदय, 1985–86 का जो बजट हाउस के सामने पे ा है इसको मैं इन्साफ और सिद्धांत के तराजू पर रख कर आप लोगों के सामने धर्म और अधर्म के पलडे पर तुलवाना चाहता हूं। मैं इस बजट को दो सिद्धांतों पर लेता हूं। मैं इस बजट को दो सिद्धांतों पर लेता

हूं। एक तो यह कि कोई भी बजट जिसमें घाटा है जैसे इसमें 114 करोड रूपए का घाटा है वह क्रप ान पैदा करेगा। The deficiency in money always produces corruption. दूसरे कोई भी बजट जिसका बंटवारा ठीक न हो, वह गुरबत पैदा करता है यानी if there is inequality in distribution of Budget it will produce poverty. ये दो सिद्धांत हैं। इन दोनों सिद्धांतों के बारे में मैं एक कोटे ान दे रहा हूं–

J. Hicks says-

"This is not a budget; it is a tug of war of economy between the rich and the poor. the bureaucracy Government is always on the side of rich man. Under the circumstances, the national Budget has never been distributed equally. That is why the rich become richer and the poor become poorer."

This is a law.

इसलिये ये जो बजट आ रहे हैं इन्होंने गरीब आदमियों को ज्यादा मारा है। अब जब मैं यह कोटे ान रखता हूं और हिन्दुस्तान के आंकडों को देखता हूं तो हिन्दुस्तान के 50 प्रति ात लोग गरीबी की रेखा से नीचे पड़े हैं, हिन्दुस्तान की आधी आबादी भूखमरी का ि ाकार बन कर खडी है। ये जो प्लान हैं ये पूंजीपतियों का एक ड्रामा है और यह ड्रामा हिन्दुस्तान की धरती पर खेला जा रहा है। इसलिये इस बजट और प्लान के बारे में मैं बोल रहा हूं। जहां तक सो ालिज्म की बात है, इसमें एक आदमी तो मौज उडाता है और एक आदमी भूखा मरता है। डिप्टी

स्पीकर साहब, अगर मैं इस बजट को देखकर रिपोर्ट पे ा करूं तो आपके सामने आर0के0 हजारी की रिपोर्ट है, नै ानल सैम्पल सर्वे कमेटी की रिपोर्ट है। इसके अलावा जितने इकौनौमिस्टस हैं जैसे डा0 खुसरो है, इनकी रिपोर्ट को अगर देखा जाए तो उनसे सीधी सी बात नजर आती है कि हिन्दुस्तान के इन बजटों में बे ुमार बाते हैं। इनमें आमदनी कम है और खर्च ज्यादा है, इंडस्टरी की रफतार कम है। इन चीजों से अपर क्लास पैदा हो गई है और वह इस बजट से अपनी जेब भर रही है। आज टैलीविजन, कार, बंगलें तथा और सुविधाओं से ये लोग ऐ ा कर रहे हैं। इस बजट के जरिये 20 प्रति ात आदमी तो बहुत ऊपर चले गये हैं और बाकी 80 प्रति ात जिनमें किसान मजदूर आते हैं वे बहुत नीचे चले गये हैं। यह इन बजटों की रूप रेखा है। अब इनका बीस सूत्री प्रोग्राम आता है। इसमें मैं देखता हूं कि–

वायदे ज्यादा काम कम,

कंट्रोल ज्यादा फायदे कम,

भर्ती ज्यादा सर्विस कम,

नहरें ज्यादा पानी कम,

खम्बे और तार ज्यादा, बिजली कम।

16.00 बजे।

डिप्टी स्पीकर साहब, फसलें कागजों पर उगाई जा रही हैं। और लोगों का पेट प्रोपेगण्डे से भरा जा रहा है। मैं इस बात को जरूर मानता हूं और मान कर चलूंगा। इस बजट भाशण के पैरा दो के अन्दर स्वर्गीय प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के कारे में जिकर किया गया है। इस बारे में मैं यह कहना चाहूंगा कि वे केवल हिन्दुस्तान की ही नेता नहीं थीं बल्कि दुनिया के महान नेताओं में से एक नेता थीं। इस बात को मैंने ही नहीं बल्कि सारी दुनिया ने माना है। डिप्टी स्पीकर साहब, 31 अक्तूबर 1984 हिस्टोरीकल डे है इसमें कोई भाक नहीं। यह एक हिस्ट्री बन चुकी है। लेकिन मैं साहड बाई साइड एक बात और कहना चाहूंगा कि the year of 1984 has been the year of disorder, violence, recession and disintegration जिसकी वजह से 1984 का साल हिन्दुस्तानी कौम के लिए एक ऐसी भाक्ल पैदा कर गया। The memory of the people is very short. False slogans are given to the hungry people. हम एक गरीब ने ान हैं। मैं समझता हूं उसका एक रीजन है। जो गवर्नमैंट की पालिसी है वह दो चीजों पर चलती है। पहली यह है कि लोगों की याददा त बहुत कमजोर है और दूसरी गरीब लोगों को झूठे सलोगन देना। उकसका रिजैल्ट हमारे सामने आया कि जो औफि ायल म ाीनरी है वह पोलिटीकल म ाीनरी बन चुकी है। और जो पोलिटीकल पार्टी म ाीनरी थी वह मर चुकी है। इसके अन्दर पोलिटीि ायन भी आ गए और पूंजीपति भी आ गए। ये दरअसल मौरल से बहुत पीछे चले गए और उसका रिजल्ट यह निकला कि

दे ा के अन्दर कमजोरी आती चली गई। दे ा की कमजोरी का नतीजा यह हुआ कि जितनी पोलिटीकल पार्टीज थीं वे सारी अपने अपने घरों में बैठ गई। जो औफि ियल म ीनरी है उसने सरकार की जगह ले ली। ..... (ाोर एवं विघ्न)

श्री उपाध्यक्षः हाइजैकिंग और चोरों वाली बात रिकार्ड न की जाए।

श्री हरिचन्द हुड्डाः डिप्टी स्पीकर साहब, इन हालात में मैं यह कहना चाहूंगा कि पोलिटीकल पार्टीज कासियासी ढांचा, आर्थिक ढांचा और मौरल ढांचा इतना गिर चुका है, इतना खराब हो चुका है कि विधान सभाओं और पार्लियामैंट में जितने भी हिन्दुस्तान के लीडर या हिन्दुस्तान के रहबर हैं, वे केवल भाशण देते हैं और कुछ नहीं करते। जैसे पिक्चर में एक हीरोइन स्टेज पर अपनी चमक धमक दिखाती है और चली जाती है इसी तरह से हमारे दे ा की लीडर करते हैं और दे ा भूखा रह जाता है। (घंटी) डिप्टी स्पीकर साहब, मैं एक मिनट में अपनी बात खत्म करता हूं। आखिर में मैं इस सरकार के हालात को देखते हुए एक ही बात कहना चाहूंगा –

पंछी समझते हैं चमन बदला है,

सितारे समझते हैं, गगन बदला है,

मगर भाम ाान की भूमि यह कहती है,

है ला ा वही सिर्फ कफन बदला है।

चौधरी धर्मबीर गाबा (गुड़गांवा): डिप्टी स्पीकर साहब, 20 मार्च को वित्त मंत्री जी ने जो बजट पे ा किया है मैं उसका समर्थन करने के लिए खडा हुआ हूं। पिछले दिनों हमारे सूबे में काफी खराब हालात पैदा हुए थे लेकिन उसके बावजूद भी हम तराक्की की तरफ बढे हैं और बढते रहेंगे। मैं इस बजट को यदि थोडे लफ्जों में समअप करना चाहूं तो हम इतना कह सकते हैं कि यह बजट ग्रोथ ओरिएन्टिड, सो ाल जस्टिस और एक्वैलिटी के लिए है। डिप्टी स्पीकर साहब, सबसे पहले मैं रोडज के बारे में अपने विचार प्रकट करना चाहूंगा। इस बजट के अन्दर सडकों के लिए 13 करोड 69 लाख रूप्ए का प्रावधान किया गया है जो कि बहुत ही थोडा हे। सडकों की रिपेयर्ज के लिए यह रा ि ा रखी गयी है। मैं समझता हूं कि इस पैसे को अगर थोडा और बढा सकते हैं तो बढा दिया जाए। यह बहुत ही थोडी रा ि ा है। इसके अलावा 15 करोड 37 लाख रूपए का नई सडकें बनाने के लिए प्रावधान किया गया है। यह भी बहुत थोडा पैसा है। इसको भी बढाया जाना चाहिए। यह भी ठीक है कि स्टेट के अंदर 20 हजार किलोमीटर लम्बी सडकें हैं लेकिन इसके बावजूद भी हमें और नई सडकें चाहिएं। नई सडकें बनाने के लिए जितना पैसा इस बजट में रखा गया है। वह बहुत ही थोडा है। अगर उस पैसे की बढौतरी हो सकती है तो मंत्री महोदय हाउस में बैठे हैं उस पर विचार कर लें और इस रा ि ा को बढा दें। इस बजट में जैसा

मैंने पहले कहा 200 किलोमीटर नई सडकें बनाने के लिए 15 करोड 37 लाख रूपए खर्च करने का प्रावधान किया गया है। इस बारे में मैं सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि एप्रोच रोडज सबसे पहले स्कूलों के लिए बनाई जाएं। जिन स्कूलों के लिए एप्रोच रोडज पहले नहीं बनाई गई थीं उनके लिए बना दी जाएं ताकि बरसात के दिनों में बच्चों को कोई तकलीफ न हो जो 13 करोड 69 लाख रूपया रोडज की रिपेयरिंग के लिए रखा गया है, इसमें से 7 लाख 17 हजार रूपया एस्टेब्लि ामैंट का खर्चा है, एक करोड 57 लाख रूपया म ाीनरी के लिए है और बाकी पांच करोड रूपये के करीब बचता है जो कि बहुत ही थोडा है। हमारी स्टेट में जैसा मैंने पहले कहा 20 हजार किलोमीटर लम्बी सडकें हैं जिनकी रिपेयर के लिए यह पैसा बहुत ही थोडा है। अगर इस पैसे को बढा दिया जाए तो अच्छी बात होगी।

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मैं एजुके ान के बारे में कुछ बातें कहना चाहूंगा। आज हरियाणा के अन्दर ऐजुके ान 36 परसैंट के लगभग है। इसके लिए मैं सरकार से कहना चाहूंगा कि हमें ऐजुके ान और चाहिए। इस बजट के अन्दर स्कूलों की नई बिल्डिंगे बनाने के लिए पैसे का प्रावधान नहीं किया गया है। स्कूलों के लिए बहुत ही थोडा पैसा रखा गया है। स्कूलों के लिए केवल 2 लाख 50 हजार रूपए का प्रावधान किया गया है। अगर इस पैसे को बढा दिया जाए तों मैं समझता हूं यह बहुत ही नेक काम होगा। डिप्टी स्पीकर साहब, मैं वित्त मंत्री जी से यह भी

गुजारि ा करूंगा कि स्कूलों की बिल्डिंगों की मैंटीनेंस के लिए भी जो पैसा रखा है वह बढा दें।

डिप्टी स्पीकर साहब, अर्बन डिवैल्पमैंट के लिए केवल 70 लाख रूपए का प्रावधान किया गया है। अगर इस पैसे को भी बढा दिया जाए तो बहुत नेक काम होगा।

डिप्टी स्पीकर साहब, इसके बाद मैं एक्साइज एण्ड टैक्से ान डिपार्टमैंट के बारे में इतना ही कहना चाहता हूं कि इसमें कोई भाक नहीं कि टैक्सिज बढे हैं। टैक्सिज के बगैर न स्टेट चल सकती है और न दे ा चल सकता हैं। इस बारे में मेरा एक सुजै ान मंत्री जी से है। मेरा सुजै ान यह है कि टैक्सिज के बारे में हरियाणा और दिल्ली की आपस में यूनिफार्मेटी हो जाये तो उससे हरियाणा को काफी टैक्स आ सकता है। हरियाणा औद दिल्ली में टैक्सों में फर्क होने के कारण हरियाणा का आधा टैक्स दिल्ली को चला जाता है। आप पैट्रोल और डीजल को ही ले लें। हमारे यहां से दिल्ली और हरियाणा में सिर्फ 4 किलोमीटर का फासला है। दिल्ली के अन्दर पैट्रोल हरियाणा की अपेक्ष 40–50 पैसे लिटर कम है और इसी प्रकार से डीजल भी दिल्ली में हरियाणा की अपेक्षा 25–30 पैसे लिटर कम है। दिल्ली में इन चीजों के रेट कम होने पर हमारी सेल कम हो जाती है। मेरी सुजै ान यह है कि मंत्री जी इस बारे में बडी संजीदगी से सोचें। उदाहरण के तौर पर आप देखिए कि गुड़गांवा से रिवाड़ी तक का इलाका, पलवल से फरीदाबाद तक का इलाका और इधर सोनीपत

व बहादुरगढ का इलाक दिल्ली के साथ लगते हैं। ये एरिया दिल्ली के साथ लगने की वजह से पैट्रोल और डीजल की सारी सप्लाई हरियाणा के पैट्रोल पम्पों की बजाये दिल्ली से लेते हैं। इस बारे में मेरी फिर प्रार्थना है कि मंत्री जी दिल्ली के साथ टैक्सिज की यूनिफार्मेटी करें ताकि हरियाणा को ज्यादा से ज्यादा टैक्स आ सके।

डिप्टी स्पीकर साहब, बजट में कर्मचारियों के लिए वित्त मंत्री जी ने काफी सहूलियतें दी हैं। इस बजट के अन्दर कर्मचारियों के लिए इन्- योरेंस की स्कीम है, कर्जों की बढौतरी है और एल0टी0सी0 की सुविधा आदि है। वित्त मंत्री जी ने एक बहुत ही अच्छा काम किया है जिसके लिए मैं इन्हें बधाई देना चाहता हूं। इन्होंने पांच भाहरों में काम करने वाले कर्मचारियों को 5 प्रति ात सी0सी0ए0 दिया है। इन कर्मचारियों की यह डिमांड काफी दिनों से चली आ रही थी। मैं खास तौर से वित्त मंत्री जी को हरियाणा सरकार को, हरियाणा के कर्मचारियों की तरफ से और वि ोशकर गुड़गांवा में काम करने वाले कर्मचारियों की तरफ से उनकी इस मांग के मानने पर बधाई देता हूं।

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मैं अर्बन डिवैल्पमैंट के बारे में कहना चाहता हूं। इस हाउस के अन्दर बहुत सारे एम0एल0एज0 भाहरों से बन कर आये हैं जो एम0एल0ए0 भाहर से बन कर आया है उसके लिए यह समस्या है कि अर्बन डिवैल्पमैंट के लिये सिर्फ 50 लाख रूपये ही रखे गए हैं। मैं यह समझता हूं कि यह रकम

बहुत थोडी है। यह बात ठीक है कि हरियाणा अर्बन डिवैल्पमैंअ अथोरिटी ने बहुत अच्छा काम किया है। मैं यह भी कहना चाहता हूं कि यदि किसी ने हुड्डा का काम देखना है तो वह गुड़गांवा में आकर देखे। हुड्डा ने वहां पर बहुत ही अच्छा काम किया है। लेकिन इसके साथ साथ मैं हुड्डा को एक बात के लिये जिम्मेवार भी ठहराता हूं जिसकी वजह से आज भाहरों में अन अथोराइज्ड कालोनियां बन रही हैं। इसका मेन कारण यही है कि हुड्डा ने लोगों से सस्ते भाव पर जमीन ली है और दूसरे हुड्डा ने छोटे छोटे गरीब लोगों के लिये प्लाटों की कोई व्यवस्था नही की। हुड्डा ने ऐसा भाहरों में कोई प्रोवीजन नहीं किया जिससे 100—100 गज के मकान गरीब लोगों को दिए जा सकें। हुड्डा ने 300 गज के 500 गज के और 1000 गज के प्लाट जरूर काटे हैं लेकिन गरीब लोगों की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया गया। इस बारे में मेरी प्रार्थना है कि हुडडा ऐसे लोगों के लिये भी प्रोवीजन करे ताकि जो अन अथोराइज्ड कालोनियां बन रही हैं उनको रोका जा सके। अन अथोराइज्ड कालोनियां बढने की वजह से ही सरकार अब म्युनिसिपल ऐक्ट के अंदर अमैंडमैंट ला रही है। मेरी फिर गुजारि ा है कि हुड्डा वालों को ऐसा कोई प्रोवीजन करना चाहिए जिससे गरीब आदमियों के लिये भाहरों के अन्दर रहने के लिये मकान मिल सके।

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मैं ट्रांसपोर्ट के बारे में कहना चाहूंगा। हमारे विरोधी पक्ष के भाईयों ने कहा है कि बसों

के किराये बढा दिए हैं सरकार जनता को अपनी तरफ से ज्यादा से ज्यादा सहूलियत प्रदान करती है। सरकार ने यह किराया सिर्फ 1.25 पैसे प्रति किलोमीटर के हिसाब से ही बढाया है। यह किराया बढाना वाजिब भी है और जरूरी भी। इस समय इतफाक से आनरेबल मैम्बर फतेहचन्द विज जी हाउस में नहीं बैठे। उनका भी ट्रांसपोर्ट का काम है और मेरा भी ट्रांसपोर्ट का काम है। जब हम ट्रांसपोर्ट वाले अपना रेट बढा सकते हैं तो गवर्नमैंट को बसों का किराया बढाने में क्या हर्ज है जबकि आज के दिन पैट्रोल और डीजल के रेट भी बढ गए हैं। यह जरूरी भी नहीं है कि सारे काम घाटे से ही चलें। सरकार ने आज जो थोडा बहुत बोझ हम पर डाला है इसको हम सब को हंसते हंसते बर्दा त कर लेना चाहिए। अन्त में मैं आप सब से गुजारि ा करना चाहता हूं कि इस बजट की मुखालफित न करें और इस बजट को सर्वसम्मपति से पास होने दें।

श्री मंगल सैन (रोहतक): डिप्टी स्पीकर साहब, सदन के अन्दर बजट पर परिचर्चा हो रही है। 20 तारीख को हमारे जानकार मित्र श्री सागर राम गुप्ता जी ने अपने भाशण में कदम कदम पर, पग पग पर कहना कि मैं यह कहना चाहता हूं, मैं वह कहना चाहता हूं। आज मैं उनको सुनाना चाहता हूं और सुनना चाहता हूं। डिप्टी स्पीकर साहब, इस सदन की मर्यादाओं को तोडा गया है और आनरेबल स्पीकर साहब ने भी इन्हें नहीं रोका। मैं उस बात को दोहराना नहीं चाहूंगा।

श्री उपाध्यक्षः डा0 साहब यह प्वायंट तो पहले उठ चुका है और इस पर उस समय फैसला भी हो चुका था।

श्री मंगल सैनः ठीक है जी। डिप्टी स्पीकर साहब, इस बजट के अंदर संट्रैल बजट का बार बार जिकर किया गया है। इन्होंने वह काम किया जो नहीं करना चाहिए था आपको पता होगा कि महात्मा गांधी जी जिनको ये बापू कहते हैं और उनके नाम से वोट मांगते हैं, ने नमक पर कर लगाने का विरोध किया था। ये उन्हीं के नाम पर वोट मांगते हैं ने नमक पर टैक्स लगाते हैं जिसका महात्मा गांधी जी ने विरोध किया था। इससे घटिया बात और क्या हो सकती है। अजीब सी बात है कि केन्द्र का रेलवे बजट भिवानी के संसद सदस्य ने पे ा किया और हरियाणा का बजट भिवानी के ही विधायक ने पे ा किया है। इन दोनों का एक सूत्री प्रोग्राम था कि जनता पर टैक्स लगाओ। उन्होंने रेल का भाडा बढा दिया और इन्होंने बस का भाडा बढा दिया। इसके साथ साथ रेलवे के जरिए जो सामान ढोया जाएगा उसका रेट भी बढा दिया। इसके अलावा इन्होंने बिजली पर सैस लगाया। (विघ्न) अब ये कहते हैं कि यह तो किताबों में ऐडजस्टमैंट करना है। मैं पूछना चाहता हूं कि जब किसानों में ऐडजस्टमैंट करना था तो फिर यहां लाने की क्या जरूरत था।

वित्त मंत्री (श्री सागर राम गुप्ता): वह भी आपको बतायेंगे।

श्री मंगल सैनः डिप्टी स्पीकर साहब, पहली बात यह है कि चौधरी कटार सिंह से यह महकमा खोस कर इनको दिया गया है। हम सोचते थे ये कोई अच्छी बात करेंगे लेकिन इन्होंने कोई खास बजट पे ा नहीं किया। (विघ्न) डिप्टी स्पीकर साहब, मैसिव मैनडैट मिलने के बाद भी इन्होंने आम जनता को कोई राहत नहीं दी। ये बजट में फरमातें हैं और एस0वाई0एल0 के बारे में कहते हैं कि राज्य सरकार के मुख्य प्रयासों में से एक प्रयास है। हमारे किसानों को सिंचाई सुविधा प्रदान करना। इस बारे में यह कहते हैं कि हमारा यह काम प्रमुख कामों में से एक काम है जिसको पूरा करना है। मैं मुख्य मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि ये ऐग्रीमैंट कब का है। आपने अब तक क्या क्या प्रयास किए हैं। आप भागे भागे भी दिल्ली हवाई जहाज से जाते रहे हैं। (विघ्न) श्री लछमन सिंह जी आप तो न बोलें क्योंकि आप हमें छोड कर उधर चले गये थे और अब फिर इधर आ गये हैं। आप तो हमें परमाणु ले गये थे। ? (व्यवधान) डिप्टी स्पीकर साहब, ये मेरे गहरे दोस्ते हैं, आडै वक्त के साथी हैं। करनाल की जेल हम दोनों ने इकट्ठी देखी है, भगवान दोबारा ऐसा मौका न दिलाये। ये हमारे आडे वक्त के साथी हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं कि इन्होंने बजट भाशण में फरमाया कि राज्य सरकार के मुख्य प्रयासों में सबसे बडा प्रयास है– सतलुज यमुना सम्पर्क नहर परियोजना का निर्माण करना। यानी सतलुज यमुना के पानी की तरफ बहुत ध्यान देंगे। डिप्टी स्पीकर साहब, 1981 में एस0वाई0एल0 का एग्रीमैंट हुआ था और श्री भजन लाल

ने कहा था कि दो सालों में नहर पूरी हो जायेगी। ये स्वर्गवासी श्रीमती इन्दिरा गांधी को भलो भलाकर वहां ले गये थे कस्सी मारने के लिये। उसे कहा कि बहन जी, कस्सी मार दारे, हरियाणा में पानी जाना है और हरियाणा के भोले भाले किसानों को कह दिया कि तुम्हें पानी देंगे। 1981 बीता, 1982 बीता, 1983 भी चला गया, 1984 भी दम तोड गया और अब 1985 भुरू हो गया। लेकिन नहर नहीं बनी। अब श्री सागर राम जी हमको समझा रहे हैं कि काम जोरों भोरों से भुरू कर दिया और यह काम सैंट्रल गवर्नमैंट प्रगति का परीवीक्षण बहुत बारीकी से करने के लिये सहमत हो गई है। परिवीक्षण यंत्र माइक्रोस्कोप को कहते हैं। इन्होंने अपने दफ्तरों में माइक्रोस्कोप लगा दिया कि काम हो रहा है। चौधरी भजन लाल जी, माइक्रोस्कोप को तो आप जानते ही होंगे। भायद आपने अपने स्कूलों में, छोटे से छोटे जीव को देखने के लिये लैबोरेटरी में यह यंत्र देखा होगा ?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): हमें तो पता नहीं, आप ही बता दो।

श्री मंगल सैन: आपको पता ही है। मैं आपसे जानना चाहता हूं कि इससे पहले सैन्ट्रल गवर्नमैंट अपनी आंखों पर नीली पटटी बांधे हुए क्यों बैठी रही ? जब इस पार्टी के प्राईम मिनिस्टर के दस्तखत इस एग्रीमैंट पर थे तो अब तक क्यों पानी नहीं ले पाये।

चौधरी भजन लालः नीली नहीं हरी पटटी है डा0 साहब! (हंसी)

श्री मंगल सैनः डिप्टी स्पीकर साहब, इस मामले में नम्बर वन पर सबसे बडा मुजरिम मैं सन्ैट्रल गवर्नमैंअ को बनाता हूं जहां कांग्रेस पार्टी का राज था। यहां पर भी ये कांग्रेस आई का दावा करते हैं। अब तो करते हैं, कल तक पता नहीं क्या करेंगे, यह भगवान जाने। डिप्टी स्पीकर साहब, पंजाब में राश्ट्रपति राज है और राज्यपाल उनके हैं, उनका राज है क्योंकि वे हर मामले में दस्तखत करते हैं। सचिवालय में राज्यपाल के सलाहकाचरों की चलती है। इन्हौंने क्या मजाक कर रखा है, क्या प्रतिश्ठा बनाई है। भजन लाल जी, इस कुर्सी पर कई आये और कई चले गये। यहां कोई परमानैक्ंट नहीं बैठा। गोपीचन्द भार्गव आये, श्री भीमसैन सच्चर आये, प्रताप सिंह कैरों आये, राम कि ान आये, चौधरी देवी लाल आये और अब आप आ गये।

चौधरी भजन लालः जाना तो सब ने है!

श्री मंगल सैनः सबने जाना है, यह नि ि चत है लेकिन कुछ के जाइए, नाम कमा के जाइए।

चौधरी भजन लालः इससे फालतू क्या काम करना है कि आपको उधर बैठा रखा हे।

श्री मंगल सैनः डिप्टी स्पीकर साहब, आप हरियाणा से किसी दूसरी स्टेट में जाएं तो लोग कहते हैं कि आप कहां से

त ारीफ लाये, कहां के रहने वाले हैं। क्या यू0पी0 के हो, बिहार के हो, या राजस्थान के हो ? जब हम कहते हैं कि हम हरियाणा प्रदे ा के हैं तो आगे से वे मुस्कुरा पडते हैं। हम कहते हैं कि क्यों भाई, क्या हमारा रंग ठीक नहीं है ? तो वे कहते हैं कि सब ठीक है, लेकिन और जगह परचून में माल बिकता है, यहां थोक में बिकता है। चौधरी भजन लाल जी, ऐसी प्रतिश्ठा न बनाएं। जिस दिन हरियाणा के साथ अन्याय हो गया हम तो इस्तीफा दे देंगे। हम आपको कहते हैं कि तुम हिम्मत वाली बात करो और आंखों से देखो। अब तो दोनों आंखें भगवान की दया से ठीक हो गई।

चौधरी भजन लालः हम आपके साथ हैं।

श्री उपाध्यक्षः डा0 साहब, आपको बोलते हुए 10 मिनट हो चुके हैं, आप अपनी बात जल्दी जल्दी कहें।

श्री मंगल सैनः डिप्टी स्पीकर साहब, सारे सदन के लोग यही चाहेंगे कि आप कृपा करके आधा टाईम मुझे ही दे दें। मैं बडे भारी मन से खडा हुआ हूं। मैंने किसी मित्र के अन्तिम संस्कार में जाना है, ज्यादा टाईम नहीं लूंगा। मैं वित्त मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि वे भिवानी में मजदूरों के नेता माने जाते हैं, लेकिन इस बजट में मजदूरौं के हित की कोई बात नहीं देखी। पिछले दिनों लेबर कंसीलिए ान के लिये एक मिनिस्टीरियल ट्रिब्यूनल बनाया गया था। इसमें लेबर आफिसर था, वह कई महीने

तक गायब रहा। सारे मजदूर धक्के खाते रहे। इनको पता है, क्योंकि ये लेबर यूनियन की तरफ से पे ा होते रहते हैं।

श्री उपाध्यक्षः पहले जाते होंगे।

श्री मंगल सैनः ये कभी इन्कार नहीं कर सकते कि मजदूरों के नेता नहीं हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, मैं कहना चाहता हूं कि भजन लाल जी, आपने हमारी बात का बडा बुरा मनाया जब हमने हिसार की कुछ चर्चा की कि साहब, हिसार में एक एम0एल0ए0 रहे हैं जो जमीन के बारे में बडी गडबड करते हैं, आपको इतना बुरा नहीं मनाना चाहिए। अब मैं खानों के विशय की ओर आना चाहता हूं। आपके एक पुराने पार्टनर थे। ..... ये खानों के मालिक हैं। दो तीन खाने जिनकी लीज कैंसिल हो गई थी, अब इनको नये सिरे से पटअे पर ले ली गई।

श्री उपाध्यक्षः इनका नाम रिकार्ड न किया जाए।

श्री मंगल सैनः उपाध्यक्ष महोदय, उन खानों के छोटे छोटे हिस्से बना कर लोगों को पटटे पर दिये जा रहे हैं। ये लोग उस इलाके के रहने वाले नही ंहैं। चलों, इलाका कोई भी हो सकता है आदमपुर के आदमी को तो इन्कार नहीं है।

चौधरी भजन लालः वे तो मजदूरी करते हैं।

श्री मंगल सैनः ठीक है, मजदूरी कहीं भी करो, लेकिन मजदूर को लूटने की इजाजत नहीं होनी चाहिए। इस बात पर

सैंटर में झगडा हो रहा है और बडा सीरियस मामला है। भजन लाल जी इस मामले में अपनी पोजि ान साफ करें। कुछ लोगों ने ऐप्लीके ान्ज दी हैं, उनको खानों की औक ान करने की बजाये अलाट करने जा रहे हैं।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मुझे इस बात का इल्म नहीं हे। इनके वक्त की बात है। भगतु राम जी वहां से बी0जे0पी0 का कंडीडेट था, उसने खाने ली हैं लेकिन इसकी रिकमैंडे ान इनके वक्त की है।

श्री मंगल सैनः डिप्टी स्पीकर साहब, मैं कबूल करता हूं कि वे हमारी पार्टी के थे, उन्होंने डिफैक्ट नहीं किया है। मैं एक बात कहूंगा क्योंकि मेरा नाम इनके साथ जोडा जाता है। मैंने पता किया है, खानों की अलाटमैंट मैंने नहीं की थी आपकी कलम से हुई थी।

चौधरी भजन लालः आपकी रिकमैंडे ान थी। कायदे के मुताबिक जो आदमी पहले ऐप्लीके ान देता है, उसका नाम देना पडता है और यह सैंट्रल गवर्नमैंट का कानून है। आपके रिकमैंडे ान की थी, हमने कर दिया। हम उसको कैंसिल भी कर सकते थे, लेकिन कैंसिल इसलिए नहीं किया कि भाायद डा0 मंगल सैन कहेंगे कि बी0जे0पी0 का आदमी है, इसलिए इसके साथ ज्यादती कर दी।

श्री मंगल सैनः आप जो कह रहे हैं कि आपने मेरी पार्टी का लिाहज किया इसके बारे में मैं कहूंगा कि आप लिाज न किजिए बल्कि उसे कैंसिल कर दीजिए। हाउस की कमेटी बना दीजिए। (विघ्न)..

श्री उपाध्यक्षः यह हिस्से वाली बात रिकार्ड पर नहीं आएगी।

श्री मंगल सैनः डिप्टी स्पीकर साहब,let there be a judicial probe. अब मैं ला एंड आर्डर की तरफ आता हूं। (विघ्न) यह ठीक है पुलिस को रूपया चाहिए। रूपये का बंदोबस्त पूरा होना चाहिए लेकिन इन्हें अलर्ट भी होना चाहिए। पुलिस वालों की स्क्रीनिंग भी होती रहनी चाहिए। ऐसा न हो भजन लाल जी कि अपने ही घर में, अपने ही लान में कोई पुलिस वाला गलत काम कर जाए। सारी बातों का ध्यान करना चाहिए। डिप्टी स्पीकर साहब, पड़ौसी राज्य में अराजकता होने के कारण उग्रवादियों की गतिविधियों से हरियाणा के ला एंड आर्डर को भी काफी खतरा रहा है। इनको इसका पूरा बन्दोबस्त करना चाहिए।

डिप्टी स्पीकर साहब, ये एक बडे काबिल आदमी की तारीफ कर रहे थे और कह रहे थे कि उस वाईस चांसलर के केस में सरकार सुप्रीम कोर्ट में अपील करेगी। मैं इन्हें कहना चाहता हूं कि इस बजट का पैसा, हरियाणा के गरीब किसान और मजदूर के

गाढे पसीने की कमाई का पैसा अदालतों में गलत आदमी की सुरक्षा के लिये खर्च नहीं होना चाहिए। (विघ्न)

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मैं ऐजुके ान बोर्ड की ओर आता हूं इसके बारे में कल के ट्रिब्यून में बडी ताजा तरीन खबर आई हुई थी। उसमें लिखा था कि School Education Board goes down hill. यह भिवानी से खबर थी। It is from Mr. Jatinder Sharma.

श्री उपाध्यक्षः डा0 साहब, इसका काफी रैफरैंस आ गया।

श्री मंगल सैनः डिप्टी स्पीकर साहब, हमारे एक भोले भाले दोस्त को लोकल बौडीज का वजीर बना दिया गया है। ....

श्री उपाध्यक्षः यह बात रिकार्ड पर नहीं आएगी।

श्री मंगल सैनः मैंने तो कोई गलत बात नहीं कही।

श्री उपाध्यक्षः आपकी बात से साफ जाहिर होता है कि आप सरदार प्यारा सिंह जी को रैफर कर रहे हैं।

श्री मंगल सैनः तो डिप्टी स्पीकर साहब, मैं प्रार्थना कर रहा था कि नगरपालिकाओं के चुनाव के बारे में अभी कोई निि चत समय निर्धारित नहीं है। मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि 4 महीने तक तो वार्डज बनेंगे। वार्डज बनने के बाद वोट बनेंगे। इन

चुनावों को जल्दी से जल्दी करवाया जाना चाहिए। (विघ्न) डिप्टी स्पीकर साहब, सन 1979 से बार्डज बनने भ्रारू हुए हैं। सन 1984 दम तोड चुका है लेकिन अभी तक चौधरी भजन लाल जी का वायदा पूरा नहीं हुआ क्योंकि चौधरी साहब का वह वायदा ही क्या जो वफा हो जाए। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्षः डा0 साहब, अब आप वाइन्ड अप कीजिए।

श्री मंगल सैनः डिप्टी स्पीकर साहब, आज सारी नगरपालिकाओं में हाउस टैक्स लगा हुआ है। आज चारों तरफ हाहाकार मची हुई है। वीर प्रताप में एक खबर छपी है कि "हाउस टैक्स की नई असैंसमैंट से परे ाानी"। (विघ्न) यह 25 मार्च, 1985 यानि आज के ही अखबार में छपा हुआ है। डिप्टी स्पीकर साहब, आप जानते हैं कि 'No Taxation without representation' का एक सिद्धान्त है। जहां नगरपालिका ही नहीं है, जहां नगर के रहने वाले लोगों को रिप्रैजैन्टे ान नहीं मिलता, चुनाव का मौका नहीं मिलता, वहां अनाप ानाप टैक्स बढ रहे हैं, हाउस टैक्स बढ रहा है, लेकिन पीने के पानी के लिये हाहाकार मची हुई है। मेरे भाहर को तो इन्होंने जान बूझ कर नर्क में डाल रखा है। बडी कहा सुनी करके इनसे मंजूर करवाया है। आज से तीन साल पहले स्कीम मंजूर हुई थी। (विघ्न)

चौधरी भजन लालः वहां काम तो भ्रारू है।

श्री मंगल सैनः काम कुछ कुछ भ्रारू है।

चौधरी भजन लालः धन्यवाद तो कर दो।

श्री मंगल सैनः आपका धन्यवाद जरूर करूंगा लेकिन मौका आने पर। काम जब पूरा हो जाएगा तो धन्यवाद कर दूंगा। जब तक काम पूरा नहीं होता तब तक धन्यवाद कैसे कर सकता हूं ? (घंटी) डिप्टी स्पीकर साहब, इन्होंने बीस सूत्री प्रोग्राम बना रखा है। कहते हैं कि बीस सूत्री प्रोग्राम में जनता के विकास का मुद्दा है। अगर उसमें सचमुच जनता के विकास की बात है तो इन्हें उनमें सबको भाामिल करना चाहिए लेकिन बीस सूत्री प्रोग्राम के जो इन्होंने चेयरमैन लगाए हैं, वे अफसरों के लिए लिए फिरते हैं वे एक हारे हुए एम0एल0ए0 हैं। वे अपनी प्रतिश्ठा जमाने के लिए ऐसा करते हैं। फिर इन्होंने एक ग्रिवैन्सिज कमेटी बना रखी है। लेकिन उसमें भी ये किसकी ग्रिवेन्सिज सुनते हैं ? अपनी ही पार्टी की लोगों की। (विघ्न)

चौधरी भजन लालः आप तो उसमें हो।

श्री मंगल सैनः मैं तो हूं। एम0एल0ए0 तो उसमें है लेकिन इसमें आपकी क्या मेहरबानी है ? मैं तो एम0एल0ए0 होने के नाते से उसमें हूं। एम0एल0ए0 को तो आप लेंगे ही। हमारी पार्टी का वर्कर उसमें नहीं है। (विघ्न) मेरा कहना है कि असैम्बली में आने वाली हर पार्टी का नुमायंदा उसमें होना चाहिए और उसे वहां अपनी बात कहने का मौका मिलना चाहिए।

Mr. Deputy Speaker: Dr. Sahib, now please resume your seat.

श्री मंगल सैनः डिप्टी स्पीकर साहब, बातें तो बहुत करनी थीं लेकिन कुछ तो आपकी घंटियों ने परे ान कर दिया और कुछ मैं भी जाने की जल्दी में हूं लेकिन अन्त में मैं इतना कहना चाहता हूं कि यह बजट बिल्कुल पास नहीं होना चाहिए क्योंकि आज जनता के लिये बडी जहमत का मामला हो गया है। पहली मार रेलवे बजट ने मारी है, दूसरी मार सैन्ट्रल बजट ने मारी है और तीसरी मार सागर राम गुप्ता जी ने चला दी। कटार सिंह जी ने तो अपनी कटार नहीं चलाई लेकिन इन्होंने कुल्हाडा चला दिया। इन भाब्दों के साथ मैं इस बजट का विरोध करते हुए बैठता हूं।

बहिन भाान्ति देवी (करनाल): आदरणीय उपाध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री महोदय ने सन 1985—86 का बजट पे ा किया। इस बजट के समर्थन में मैं इतना ही कहूंगी कि यह बजट बडी ही सूझ बूझ तथा पैनी दृश्टि का प्रयोग करके दूरदर्िातास के साथ तैयार किया गया है। इसमें एक दो कर भी लगाये हैं परन्तु ढेर सारी सुविधायें भी दी हैं जो आम जनता के लिये हैं। बजट अगले वर्श की अनुमानित आय को लेकर ही तैयार होता है और उसी अनुमानित आय के अनुसार अनुमानित व्यय होता है और उसका आधार पिछले वर्श की वास्तविक आय और व्यय होता है इसलिए उसमें कमी या कोई त्रुटि रहने का सवाल ही नहीं रहता।

इसलिये यह बजट सही, दुरूस्त और आम जनता के लिये लाभकारी है। हमारा दे ा विकास ील दे ा है। इसलिये विकास ील दे ा में बचत का बजट बनाना सम्भव नहीं तो कठिन जरूर होता है। इस कारण यह प्रदे ा का भी घाटे का बजट है क्योंकि किसी भी विकास ील दे ा और प्रदे ा के लिये बडी बडी आ ाायें और आकांक्षायें होती हैं। उनकी उन्नति और प्रगति के लिये प्रावधान रखना होता है। इस दृश्टि से भी घाटे का बजट रखने की परम्परा चलती ही रहती है ताकि हमारा प्रदे ा धनधान्य पूर्ण और सम्पन्न हो। नागरिकों को सभी सुविधायें जुटाने का प्रयत्न सरकार की ओर से होता है ताकि सभी लोग प्रेम एकता और भाान्ति से रह सकें। हमारे प्रदे ा ने सारे दे ा के प्रदे ाों की अपेक्षा अधिक उन्नति करके एक मिसाल पे ा की है। आजादी के बाद भाुरू से ही दे ा की प्रगति योजनाबद्ध तरीके से भाुरू की गई। पहले पांच पंचवर्शीय योजनायें बनायी और अब यह छठी पंचवर्शीय योजना भी खत्म होने जारही है। यह छटी योजना सबसे महत्वपूर्ण आकांक्षाओं की योजना थी। इसमें गरीबी, बेरोजगारी और अ ाक्षिता को दूर करने के सारे प्रयत्न और प्रयास रखे गये थे। इस योजना के दौरान जो चहुंमुखी विकास सभी क्षेत्रों में हुआ है, वह किसी से ओझल नहीं है लेकिन पूरा काम तो कभी किसी भी विकास ील दे ा या प्रदे ा में खत्म नहीं हो सकता और आगे बढने की कामना और आकांक्षा चलती ही रहती है। यह बात सभी भाई जानते हैं कि हमारे प्रदे ा में प्रत्येक व्यक्ति की आय बढी है और गरीबी की लाईन से नीचे वाले परिवारों की संख्या

घटी है वैसे महंगाई में मूल्य बढते रहे हैं उसके कारण कुछ कमियां भी रह जाती हैं। इस बजट में और भी बहुत सी सुविधायें सरकार कर्मचारियों को दी गई हैं। जन साधारण के लिये उचित मूल्य की दुकानें खोल कर लाभ पहुंचाने का प्रयत्न किया गया है और प्रदे ा विकास की ओर भी बढा है। लोगों को काफी सुख सुविधायें प्रदान की गई हैं। हमारी सरकार बिजली और कृशि के क्षेत्र में भी लोगों का जीवन स्तर ऊंचा उठाने के लिये पूरा प्रयत्न और प्रयास कर रही है। दादुपुर में पन बिजली परियोजना और यमुना नगर में ताप विद्युत परियोजना भुरू होगी। इनके चाले हो जाने से हमें बिजली मिलेगी और हमारी सिंचाई की सुविधायें भी बढेंगी। हमारा प्रदे ा कृशि प्रधान प्रदे ा है इसलिए अच्छे खाद और अच्छी कृशि योजनाओं की आव यकता है ताकि लोग उन्नत तरीके से खेती करके अपनी आय के साधन बढा सकें। इसलिये किसानों के ज्ञानवर्द्धन के लिये पत्र पत्रिकायें निकाली जा रही हैं और खेती के उन्नत तरीके सिखाने के लिए प्र िाक्षण कैम्प लगाए जाते हैं यह हमारे दे ा और प्रदे ा में कृशि के क्षेत्र के लिये बहुत ही उन्नति का तरीका है।

डिप्टी स्पीकर साहब, अभी बात हो रही थी कि हमारे यहां पीने के पानी की और सिंचाई के पानी की कमी है। इसमें कोई दो राय नहीं कि पानी की कमी है लेकिन सतलुज यमुना सम्पर्क नहर परियोजना को चलाने का प्रयत्न जोरों से हो रहा है ताकि लोगों को पानी मिल सके और दे ा में हरियाली आ सके।

इस बजट में यह भी एक घाटे की मद का कारण है। उसके लिये हमें केन्द्र से सहायता मिल गई तो वह घाटा पूरा होने की आ ाा है।

डिप्टी स्पीकर साहब, बाढ का प्रबन्ध करने के लिये भी नाला नम्बर आठ की क्षमता बढाई जा रही है ताकि लोगों की फसल का नुकसान न हो और गेहूं, कपास, चावल और गन्ना अधिक से अधिक मात्रा में उत्पन्न हो। जहां हमारी सरकार ने बाढ को रोकने के लिए प्रबन्ध किया है उसके साथ साथ लोगों के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए फल और सब्जी उगाने पर जोर दिया है। इसलिये इस बजट में उसके लिए पैसे का प्रावधान किया गया ताकि लोगों को अच्छा भोजन और सुख सुविधायें मिल सके। खेती करने वालों की आय भी बढ सके और कमजोर वर्गों की अवस्था भी सुधर सकें। इसी प्रकार से कमजोर वर्गों की अवस्था सुधारने के लिये मछली पालन, सुअर पालन, मुर्गी पालन और प ा पालन के लिये पैसा रखा गया ताकि वे भी अपनी आय बढा सकें। चिकित्सा और स्वास्थ्य के बारे में सरकार की ओर से पूरी देखरेख की जा रही है। बाकी जो भूमिहीन किसान और अन्य लोग हैं उनकी द ाा सुधारने के लिये रोजगार की गारन्टी के अनुरूप सौ दिन काम देकर गरीबों को सहयोग दिया गया है। डिप्टी स्पीकर साहब, उद्योग भी हमारे प्रदे ा की प्रगति का बहुत बडा आधार है। उद्योगों की सफलता के कारण ही परिवहन, संचार चिकित्सा और अन्य क्षेत्रों ने उन्नति की है। इन सबकी प्रगति का

श्रेय उद्योगों को ही है लेकिन इन उद्योगों से जो प्रदूशित और दुर्गन्धपूर्ण पानी निकलता है उसके लिये जो रा ि ा रखी गई है उसमें और पैसे का प्रावधान जरूरी है क्योंकि उससे स्वास्थ्य पर दुश्प्रभाव पडता है, मनुश्यों के रोगी होने की सम्भावना रहती है उद्योगों में लगने वाले लोग धन के विशय में ही सोचने लगते हैं। वे मानव की सेहत के बारे में कम और धन के विशय में ही अधिक चिन्तित रहते हैं। इन उद्योगों के ऊपर जो भी कर्मचारी या अधिकारी निरीक्षण या देखभाल करते हैं, उन्हें ऐसी बातों का ख्याल रखना चाहिए कि जो वहां पर काम करने वाले कर्मचारी, अधिकारी हैं उनकी सेहत का ख्याल रखें। दूसरे वे सच्चाई, ईमानदारी, उदारता और दया की भावना अपने अन्दर रखें ताकि गरीब मजदूरों से अमीर लोग एक तरह से दूसरे मनुश्य को मनुश्य समझ कर काम लें।

सरकार ने सडकें भी एक गांव से दूसरे गांवों में मिलाई हैं और भाहरों और मंडियों से मिलाना भी बहुत जरूरी है। जहां पर सडकें नही बनी हैं वहा ंसडकें बनायी जायें और सडकों की मुरम्मत के लिये भी पैसे का प्रावधान रखा जाना चाहिये। और जहां सडकें नहीं बनी हैं वहां के लिए भी प्रावधान रखा जाना चाहिए।

चौधरी बलबीर सिं ग्रेवालः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। बहिन जी की भाायद सरकार बात मान जाये। जिस प्रकार से पंजाब में व्हीट पर बोनस दिया है, उसी प्रकार यहां हरियाणा में

भी दे दिया जाये, यह बात भी बहिन जी कह दें तो उनकी बात को भाायद सरकार मान लें यह किसानों के हित में है।

बहिन भाान्ति देवीः सभी को अपनी बात कहने का अधिकार है। जो बात आपको सूझती है वह, आप कहें या जो मुझे सूझती है वह मैं कहूंगी। आप इस बारे में कह सकते हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, हमारे दे ा और प्रदे ा में हर मनुश्य का ि ाक्षित होना बहुत जरूरी है क्योंकि ि ाक्षा से जहां भाारीरिक विकास होता है, वहां मानसिक विकास व आत्मिक विकास भी होता है। इसके अलावा सामाजिक विकास भी होता है। उससे सोच विचार, आचार विचार और व्यवहार अच्छा बनता है। जीवन में नैतिकता आती है। बोल चाल, रहन सहन व एक दूसरे के काम आने की भावना बढती है। इसलिये स्कूल अव य ही अधिक से अधिक होने चाहियें। मेरी सरकार से प्रार्थना यह है कि भाहरों में प्राईमरी स्कूलों की ओर ध्यान देने की बहुत ज्यादा जरूरत है क्योंकि उनके लिये न तो भवन ही हैं और न ही उनमें बच्चों के बैठने के लिये अच्छा सामान उपलब्ध होता हैं भाहरों में केवल वे ही बच्चे इन स्कूलों में जाते हैं जो बेहद गरीब होते हैं। चूंकि इनमें वर्दी या पुस्तकों आदि की सहायता दी जाती है इसलिए वे बच्चे वहां पर आते हैं। हालांकि प्राथमिक ि ाक्षा सारी पढाई का आधार है इसलिये सबसे बढिया प्रबन्ध प्राईमरी स्कूलों में चाहिए। गांवों के स्कूलों के बारे में मैंने कई बार देखा है कि बच्चों की हाजरी बहुत कम होती हैं। केवल ये चीजें जो उनको दी जाती हैं लेने के

लिये ही बच्चे वहां पर पहुंचते हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, इसके बाद मैं चिकित्सा केन्द्र और अस्पतालों के बारे में, वि ोशकार करनाल के अस्पताल के बारे में जरूर कहना चाहूंगी। मेरा कहना यह है कि करनाल का अस्पताल बहुत पुराना है और इसको जल्दी से जल्दी नया बनवायें और इसी बजट में उसके पूर्ण निर्माण के लिये प्रावधान रखें। इसके लिये मैं मुख्य मंत्री महोदय से नम्रतापूर्वक निवेदन करना चाहती हूं कि सिविल हस्पताल करनाल जल्दी से जल्दी बनावाया जाये। इसके अलावा, मैं सफाई कर्मचारियों के बारे में यह कहना चाहती हूं कि इनको सुविधायें देने के लिए ज्यादा पैसा रखा जाये ताकि उनको मल उठाने में सुविधा हो सके। उनको इस सुविधा हेतु रेहडियां आदि मिलनी चाहियें। आप जानते हैं कि भाहर बहुत दूर तक फैल गया है। वहा ंपर कहीं पर भी नजदीक मल फैंकने के लिये जगह नहीं है। वे लोग गलियों में डाल देते हैं और नालियों में ही डाल देते हैं जिससे वहां पर गन्दगी फैली रहती है। हरिजनों की, भूतपूर्व सैनिकों की और भूतपूर्व सैनिकों की विधवाओं की सहायता के लिये भी इस सरकार ने बहुत अच्छे काम किये हैं। 20 सूत्री कार्यक्रम भी अच्छा चल रहा है। इसके अलावा, जो टैक्स यहां पर लगाए गए हैं, उनके बारे में मैं यह कहना चाहती हूं कि सरकार को कोई दान तो देता नहीं उल्टे सरकार से अनुदान लेते ही हैं। इसलिये सरकार के लिये टैक्स लगाना बहुत जरूरी है। टैक्स लगाए बिना काम चल ही नहीं सकता। लेकिन सरकार को टैक्स भी सही सही लगाने चाहियें। जो टैक्स आलरेडी लगे हुए हैं, उनकी स्ट्रिक्टली वसूली होनी

चाहिये क्योंकि जैसे इन्कम टेक्स है या कोई भी दूसरा टैक्स है, लोग आजकल बहुत होि ायार बन गए हैं और देते नहीं हैं। जो वकील होते हैं, इन्कम टैक्स एक्सपर्टस होते हैं, वग कोई न कोई टैक्स बचाने का तरीका निकाल ही लेते हैं। इस वजह से स्टैट को टैक्स मिलता ही नही ंहै। अभी बसों पर सवा पैसा प्रति किलोमीटर के हिसाब से किराया बढाया गया है। मुझे पता है कि हमारे यहां से दिल्ली का किराया सन 1939–40 में सिर्फ एक रूपया लगता था। 1960–61 में दो रूपया हो गया लेकिन अब यह किराया 12 रूपया के तलगभग हो गया है। देखने की बात यह भी है कि आजकल सुविधायें भी बढी हैं। आय के साधन भी बढे हैं इसलिये किराया बढाना भी स्वाभाविक ही है क्योंकि हम तो यह चाहते हैं कि जन साधारण की आमदनी बढनी चाहिए। इतनी आमदनी जरूरी होनी चाहिये जिससे प्रदे ा में विकास के काम हो सके। भाराब के उपर जो टैक्स लगाया गया है इसके बारे में मैं यह कहती हूं कि यह बे ाक और ज्यादा लगाया जाये। यह तो बहुत ही बुरी आदती है। हमारे समय में बहुत कम लोग ऐसे हुआ करते थे जो भाराब पीया करते थे। लेकिन आज उनकी संख्या काफी बढ गयी है। मैं यह चाहती हूं कि इस बुराई को टैक्स लगाकर या किसी और तरीके से अव य ही प्रदे ाों से दूर किया जाये। डिप्टी स्पीकर साहब, यही नहीं, बजट में काफी लोगों को राहत भी दी गयी है। तन्दूर वालों और ढाबे वालों को भी टैक्स से राहत दी गयी है। बस का यात्री अब अपने ठिकाने पर पहुंच कर या बीच में भी सस्ती रोटी खा सकेगा। बहिनों द्वारा पहनने वाली चूडियों में भी

टैक्स की रियायत दी गयी है। पैंसिलों पर टैक्स की रियायत देकर भी लोगों को राहत दी गयी है। टेक्स परपजिज के लिये व्यापारियों को भी 25000 से बढा कर 100000 रूप्ये तक की टर्न ओवर अलाऊ की गयी है। कृशि में प्रयोग होने वाले पम्पिंग सैटस के लिये भी राहत दी गयी है। बायोगैस प्लांट में प्रयुक्त होने वाले संयंत्राों पर भी टैक्स से छूट दी गयी है। मैं करनाल के भाईयों की ओर से अपनें मुख्यमंत्री जी से एक नम्र निवेदन करना चाहूंगी कि जो बर्नर्ज बायो गैस के काम ही आते हैं और किसी दूसरे काम नहीं आते हैं, अगर सरकार उनके ऊपर टेक्स की छूट दे दे तो बडी मेहरबानी होगी। डिप्टी स्पीकर साहब, चक्की वालों के लिये डेढ सौ क्विंटल गेहूं से बढाकर सीमा 300 क्विंटल की कर दी गयी है। यह चक्की वाले जरूरत मन्द आदमियों को ठीक आटा दें, हमें इस बात का भी ध्यान रखना होगा ताकि यह लोग हमारी इस रियायत का दुरूपयोग न कर सकें। इन भाब्दों के साथ मैं इस बजट का समर्थन करती हूं। धन्यवाद!

चौधरी मांगे राम (बहादुरगढ़): डिप्टी स्पीकर साहब, वित्त मंत्री ने जो बजट इस हाउस में पे ा किया है, उससे हरियाणा के आम आदमी को चोट लगी है। बसों के किराये बढाये हैं। बिजली के रेट बढाये हैं। इनके सिवाये लोगों को कुछ नहीं दिया है। पिछले साल के बजट में दी गयी राहत के अलावा कुछ नहीं किया गया है। हरियाणा में आज लगभग 5 लाख के करीब नौजनवान बेरोजगार हैं। पिछले साल डिप्टी स्पीकर साहब, रोहतक

कोआप्रेटिव बैंक में 53 लोगों की भरर्ती की गई। आप यह जानकार हैरान होंगे कि रोहतक जिले का एक भी लडका उनमें नहीं लिया गया। इसके बजाये उसमें ऐसे लोगों को भरती किया गया जिन्होंने दरखास्तें भी नहीं दे रखी हैं या जो मौके पर इन्टरव्यू के लिये भी नहीं आये थे। डिप्टी स्पीकर साहब, इससे ज्यादा रोहतक जिले के साथ अन्याय क्या होगा ? आज सारे हरियाणा का किसान दु:खी है लेकिन रोहतक जिले का किसान बहुत ज्यादा दु:खी है। इस जिले ने दे ा की रक्षा के लिये हजारों लाखों नौजवान न्यौछावर कर दिये, लेकिन आज वहां के लोग बिजली और पानी के लिये तरसते हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, मेरे हल्के बहादुरगढ में तहसीलदार ने सरेआम लूट मचा रखी है। यह वही तहसीलदार है जिसको चौधरी बंसी लाल नें अपने टाईम में जेल भिजवाया था। (**इस समय सभापतियों की सूची में से एक सदस्य श्री ए0सी0 चौधरी पदासनी हुए**) 10–15 साल सस्पैंड रहने के बाद बहाल होकर अब यह बहादुरगढ में लगा हुआ है और अपने आपको चौधरी भजन लाल का दोस्त बताता है। (व्यवधान व भाोर) .....

श्री सभापति: यह नाम रिकार्ड न किया जाए।

चौधरी मांगे राम: चौधरी साहब, मैं कभी भी सदन में झूठ नहीं बोलता बे ाक आप मंदिर में ले जाकर मुझे कसम उठवा लें। चेयरमैन साहब, यह तहसीलदार रजिस्ट्री पैसे लेकर करता है। लोगों को कहता है कि मुझे इतना पैसा दो तक करूंगा। किसी से

500 किसी से 400 रूपये लेकर रजिस्ट्री करता है। इसी तरह से दाखिल खारिज के वक्त भी कोई न कोई अडंगा लगा देता है, अगर इसको पैसा न दिया जाये। अगर पै।सा दे दिया जाये तो सब ठीक हो जाता है। चेयरमैन साहब, इसी तरह से हमारे यहा ंकी म्यूनिस्पिल कमेटी का सैक्रेटरी भी सरेआम लूट रहा है। भाहर में कमेटी कै दफतर के साथ कमेटी की बहुत ही कीमती जमीन थी। उस आदमी ने 10000 रूपये लेकर पिछले सप्ताह जिस आदमी का वहां पर खोखा थसा, उसकी पक्की दुकान बनवा दी। इसी सैक्रेट्री ने वाटर वर्कस के ऊपर 70 भाी ाम के दरखत लगाए हुए थे। उनको 40 हजार रूपये का बेच दिया जबकि कमेटी के रिकार्ड में केवल 8000 रूपये के बिके हुए दिखाये हैं। इसी तरह से चेयरमैन साहब, सब्जी मंडी के प्लाटस तो खत्म हो गए थे लेकिन उसके साथ ही हाई स्कूल की जमीन थीं, उसने उसमें 4 प्लाट के लाइसैंस जाली तौर पर जारी कर दिये। यही नहीं, इस सैक्रेट्री के बारे में बहुत सी बाते हैं, जो आब्जैक ानेबल हैं। वह दिन में दफतर में भी भाराब पीये रहता है। एक दिन जब मेरे भाहर के अखबार वाले उससे मिलने के लिये गये तो वह बुरी तरह से डाउन था, उसने उनको बाहर भगा दिया। जब हम कहते हैं कि भाई, ऐसा न करो तो वह उल्टा पुलटा बोलता है। (व्यवधान व भाोर)

17.00 बजे।

चेयरमैन साहब, मेरे हल्के के स्कूलों में फ र्ज़ नहीं है जिन पर बच्चे बैठ सकें। मास्टरों के लिये कुर्सी नही ंहैं और बच्चों के लिये पीने का पानी नहीं है। बच्चे पीने का पानी घर से ले जाते हैं। चेयरमैन साहब, चारों तरफ लूट मच रही है। चेयरमैन साहब, मेरे हलके में अस्पतालों को बहुत बुरा हाल है। पिछले हफते सी0एम0ओ0 ने प्राईवेट दुकानों पर रेड किया था और वहां पर अस्पतालों की दवाईया पकडी गई थी। उन दुकानदारों का चालान हुआ था। चेयरमैन साहब, इस सरकार ने बसों का किराया तो बढा दिया लेकिन जितनी पुरानी बसें हैं वे रोहतक डिपो को दे रखी हैं। उन बसों का हाल यह है कि वे अपना सफर पूरा तय नहीं कर पातीं और रास्तें में ही खडी रह जाती हैं। चेयरमैन साहब, बहादुरगढ जी0टी0 रोड पर दिल्ली के नजदीक है और यह बहुत बडा कस्बा है। वहां पर केवल बस स्टैंण्ड बना हुआ है। अपोजी ान का मैम्बर होने की जवह से वहां पर सब डिपो नहीं बनाया जाता। अगर वहां पर सब डिपो बन जो तो लोगों को काफी सहूलियत हो जाए। चेयरमैन साहब, इस सरकार ने बिजली के रेट तो बढा दिये लेकिन बिजली मिलती नहीं है। मेरे हलके में नांगलाई और नजफगढ जगहों से सत्तर फीसदी इंडस्ट्रीज बिजली न मिलने के कारण बाहर चली गई हैं। मेरे हलके के साथ बहुत अधिक भेदभाव किया जा रहा है। इसका कारण यह है कि 1982 के इलैक ान में रोहतक जिले की दस सीटों में से नौ सीटों पर अपोजी ान ने कांग्रेस को चोट मारी थी। चेयरमैन साहब, अन्त में मैं सारे सदन से प्रार्थना करूंगा कि इस बजट को पास न करें।

सेठ राम दास धमीजा (अम्बाला कैन्ट): आदरणीय चेयरमैन साहब, श्री सागर राम गुप्ता, वित्त मंत्र,ी, हरियाणा ने 20 मार्च को जो वर्श 1985–86 का बजट पे ा किया है मैं उसका समर्थन करता हूं। (व्यवधान व भाोर) मैंने तो कभी दल बदला नहीं है। आप लोगों में तो ऐसे लोग बैठे हैं जिन्होंने पांच पांच बार दल बदला है। (ाोर एवं व्यवधान) चेयरमैन साहब, हर सैसन में इनका लीडरा दल बदलता है और हर सै ान में नया नाम होता है। चेयरमैन साहब, श्रीमती इन्दिरा गांधी जी की मृत्यु पर सारी दुनिया ने काफी अफसोस जाहिर किया जिसका अन्दाजा नहीं लगाया जा सकता। उनकी मृत्यु से दे ा को इतना बडा नुक्सान हुआ है कि उनकी वह कमी पूरी नहीं की जा सकती है। लेकिन ये अपोजी ान वाले उनके साथ भी कुछ जोड देते हैं। (ाोर एवं व्यवधान) मौत और मातम के मामले में तो भाांति रखनी चाहिए। चेयरमैन साहब, श्रीमती इन्दिरा गांधी के काम की जितनी तारीफ की जाये उतनी थोडी है। (ाोर एवं व्यवधान) चेयरमैन साहब, उनकी मौत के साथ एक भाानदार पीरियड खत्म हो गया।

प्रो0 सम्पत सिंह: चेयरमैन साहब, बहुत ही मजाक में इनको बात को नहीं लेना चाहिए। ये बहुत ही सीनियर मैमबर हैं। इनको बजट पर बोलना चाहिए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री सभापति: आप लोग भाांति रखें और इनकी बात को सुनें। मैं समझता हूं कि मैं हाउस की प्रोसीडिंग्ज को कंडक्ट कराने में पूरी तरह सक्षम हूं।

सेठ राम दास धमीजाः चेयरमैन साहब, मैं कह रहा था कि श्रीमती इन्दिरा गांधी की मौत के साथ एक भाानदार युग खत्म हो गया। हमारे दे ा की खु ा किस्मती है कि दे ा की समझदार जनता ने पूरी समझदारी से नौजवान प्रधान मंत्री श्री राजीव गांधी को चुन कर अपनी समझदारी का सबूत दिया और अपोजी ान के मुंह पर ऐसी चपत मारी है जिसका जवाब मिलना मु कल है।

एक आवाजः चेयरमैन साहब, चपत का भाब्द ऐक्सपंज होना चाहिए।

श्री सभापतिः किसी का नाम नहीं लिया गया। मेरे ख्याल में यह लफज कोई अनपार्लियामैंटरी नहीं है।

सेठ राम दास धमीजाः चेयरमैन साहब, कांग्रेस पार्टी को या प्रधान मंत्री को आज तक इतना बहुमत नहीं मिला जितना की आज मिला है। सातवीं पंचवर्शीय योजना की भाुरूआत एक युवा प्रधान मंत्री की लीडर ाप में हुई है। चेयरमैन साहब, अभी चन्द रोज पहले भारत सरकार का बजट आया है और हर तबके ने इस बजट की तारीफ की है। (ाोर एवं व्यवधान) अपोजी ान वाले अपने बारे में सोंचें। चेयरमैन साहब, प्राइम मिनिस्टर ने और कांग्रेस पार्टी ने चुनाव के समय जो वचन जनता को दिया था और कांग्रेस पार्टी नें जो कुछ अपने मैनिफैस्टों में कहा था उसको पुरा करने के लिए पार्टी और प्रधान मंत्री वचनबद्ध है और उसको

अव य पूरा किया जाएगा। भारत सरकार के बजट को एक बहुत ही बढिया बजट कहा जा सकता है। (ोर एवं व्यवधान)

श्री सभापतिः मैं समझता हूं कि आप लोग काफी हयूमरस मूड में हैं। मैं चाहूंगा कि आप कृपया सुनने की कृपा करें।

सेठ राम दास धमीजाः चेयरमैन साहब, हरियाणा सरकार ने फी आदमी की आमदन में वृद्धि की है। चार साल में 61 परासैंट की बढौतरी हुई है। चेयरमैन साहब, छठी योंजना जो 1980–85 तक थी और जिस पर 1800 करोड रूपया खर्च होना था और उस पर अन्दाजन 1638 करोड रूपया खर्च होंगे इनमें से कुदरती आफतों के कारण योजना स्कीमों पर 35 करोड रूपए खर्च हुए हैं। सिंचाई विभाग पर तथा बिजली पर 966 करोड रूपया खर्च किया गया है जो कि योजना खर्च का 59 परसैंट है। इससे 3.52 लाख हैक्टेयर जमीन पर सिंचाई बढी है और टयूबवैल्ज की तादाद लगभग एक लाख बढ गई है और बिजली की पैदावार लगभग 362 मैगावाट बढी है। चेयरमैन साहब, फिर भी बिजली की कमी है इसमें कोई भाक की बात नहीं है। हरिजन और पिछडी जातियों और गरीबी की लाइन से नीचे के लोगों की बेहतरी की खास ध्यान रखा गया है और तकरीबन 16.5 करोड रूपया का योजना खर्च किया गया है।

चेयरमैन साहब, हरियाणा की जनता की तरक्की की स्कीमों के लिये सातवीं पंचवर्शीय योजना में 3200 करोड रूपये का अनुमान बनाया गया है। आप ही सोचें कि इस सरकारव की स्कीमों से कितने गरीबों, किसानों, मजदूरों और छोटे दुकानदारों को राहत मिलेगी। राज्य सरकार ने सातवी पंचवर्शीय योजना में जो आदे ा दिये हैं उसके अनुसार हरियाणा सरकार ने काम करवना आरम्भ किया है। और हरियाणा में खु ाहहाली लाने के लिये सभी प्रकार के साधन जुटाने के प्रबन्ध (जैसे कि सिंचाई, बिजली, इंडस्ट्रीज आदि) इस सरकार ने किये हैं। और इस तरफ खास तवज्जो दी गयी है ताकि लोगों को इससे राहत मिल सके। लोगों की तरक्की के साथ साथ पीने के पानी की भी सुविधा लोगों को दी गयी है। जहां तक एस0वाई0एल0 का ताल्लुक है। इस बारे में आई0पी0एम0 साहब ने पहले ही तफसील के साथ बता दिया है। मैं आपको बताता हूं कि मैं 23–3–1985 को ननयोला के पास कपूरी गांव में होकर आया हूं और अपनी आंखों से नहर खुदती देख कर आया हूं। वहां पर काम जोरों से हो रहा है। इन अपोजी ान के भाईयों का तो चेयरमैन साहब, काम ही यही है कि हर वक्त सरकार की यूं ही फिजूल में आलोचना करना। वहां पर एक रूडकी गांव है, वहां पर बुल्डोजर चल रहे हैं, और जमीन को साफ और बराबर कर रहें हैं। काम नहर काच चल तो रहा है लेकिन जिस रफतार से होना चाहिये भाायद उस रफतार से वह काम नहीं हो रहा है। इस ओर सरकार को और ध्यान देना चाहिये। यह जो एस0वाई0एल0 है, यह हरियाणा

के लिये एक वरदान है। (ाोर) चेयरमैन साहब, मैं इन अपोजी ान के भाईयों से यह कहना चाहता हूं कि अढाई साल पहले जब इनके चीफ मिनिस्टर थे, इनकी सरकार थी और उधर श्री प्रका ा सिंह बादल चीफ मिनिस्टर थे, दोनों आपस में सगे भाई थे, उस वक्त उन्हों ने इस नहर के बारे में कुछ नहीं सोचा। अगर उन्हों ने अढाई साल के वक्फे में इस नहर के बारे में कोई काम किया होता तो ये आज बात करने के काबिल होते। आप हमारे चीफ मिनिस्टर और अपने चीफ मिनिस्टर से तुलना करके तो देखों जितना काम अब चौधरी भजन लाल की रहनुमाई में हरियाणा की तरक्की का हो रहा है उतना आपके वक्त में क्या हुआ था। यूं ही यहां दखल अन्दाजी करने का क्या फायदा ? कोई ठोस काम करके तो दिखाते जितना कि हमारे चीफ मिनिस्टर साहब ने किया है और कर रहे हैं। मैं तो यह कह सकता हूं कि वर्ल्ड बैंक ने जो रूपये हमें नहरे ंपक्की करने के लिये दिये हैं।, उनसे काम तसल्लीबख्भा चल रहा है। 1983 में 25 करोड वर्ग फुट नहर पक्की करनी थी उसमें से 8.6 करोड मुरब्बा फुट को पक्का करने का काम पूरा हो गया है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र सिंळः चेयरमैन साहब, मैं आपकी रूलिंग चाहता हूं कि जिस बजट स्पीच को वित्त मंत्री महोदय पहले यहां हाउस में पढ चुके हैं उसका क्या कोई दूसरा मैम्बर दोबारा पढ सकता है ?

श्री सभापतिः रूल्ज के मुताबिक यहां इस तरह की कोई मनाही नहीं है। He can make out his points by referring to the Budget speech.

श्री वीरेन्द्र सिंहः चेयरमैन साहब, जो आंकड़े इस किताब में दे रखे हैं उनको ये पैरावाईज पढ कर रिपीट कर रहे हैं। आप कृपया टाईम का भी ध्यान रखें आपने बाकायदा तौर पर हर मैम्बर के लिये टाईम अलाट किया हुआ है। आप यह बता दें कि आप ने हरेक मैम्बर को कितना कितना टाईम अलाट किया हुआ है और इनको बोलने के लियें कितना टाईम अलाट कर रखा है ?

श्री सभापतिः इनके लिये 15 मिनट का समय अलाटा किया हुआ था। 12 मिनट धमीजा साहब बोल चुके हैं तीन मिनट इनके और रहते हैं। जहां तक इनके बोलने का सम्बन्ध है, किसी चीज की रेफरैंस के लिये अगर ये किसी बात को दोबारा कोट करते हैं, तो इसमें कोई मनाही नहीं है। धमीजा साहब, आप बोलें।

सेठ राम दास धमीजाः सभापति महोदय, मैं कह रहा था कि बाढ से लोगों को बचाने के लिये इस साल 14 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। मैं इनको तजवीज देता हूं कि अगर अम्बाला छावनी को फलड से बचाना है तो इसके लिये और पैसे का प्रावधान रखा जाना चाहिये। इस तरफ सरकार तवज्जो दे। इस काम के लिये इतना थोडा पैसा रखा जाना। हरियाणा के

लोगों के लिये हितकर नहीं है। इसलिये इस रा ि ा को और बढाया जाए।

इससे आगे मैं यह कहना चाहता हूं कि बिजली की पैदावार को बढाने के लिये अच्छे अच्छे तरीके अपनाये जाने चाहियें जिससे 220 मैगावाट बिजली का उत्पादन बढ पाएगा। यहां अम्बाला भाहर और छावनी में तकरीनब 7 हजार के लगभग छोटी छोटी इंडस्ट्रीज हैं, इनको बचाने के लिये बिजली की सप्लई बहुत आव यक है और इसके लिये सरकार को नये नये तरीकों को अपनाना चाहिये ताकि बिजली का उत्पादन ज्यादा हो सके और इंडस्ट्रीज को भी बचाया जा सके। हरियाणा का टोटल ऐक्सपोर्ट का वन थर्ड अम्बाला जिला ही कवर करता है। इसके अनुसार इंडस्ट्रीज के लिये ज्यादा बिजली का दिया जाना हमारा हम भी बनता है।

श्री सभापतिः धमीजा साहब, आपका समय हो रहा है। आप वाइंड अप करें।

सेठ राम दास धमीजाः चेयरमैन साहब, अम्बाला की डिवैल्पमैंट के दो आधार हैं। एक मिल्टरी और दूसरा साईंस इंस्ट्रूमैंटस का बनाया जाना। अगर हमारे इलाके को बिजली की सप्लई कम होगी तो काम भी कम होगा और वहां की रौनक आधी रह जाएगी।

अगले वर्श के दौरान 2500 बायोगैस संयन्त्र लगाने का सरकार का विचार है और बर्नर्ज पर टैक्स लगाने की भी व्यवस्था है। यह टैक्स नहीं होना चाहिये। बर्नर्ज जो होते हैं, वे बायोगैस का दिल होते हैं। इस तरफ सरकार को तवज्जो देनी चाहिये।

सरकार की तरफ से प ुपालन, मछली पालन तथा डेरी विकास परियोजनाओं पर भी पूरा ध्यान दिया जा रहा है। यह बडी प्रसन्नता की बात है। गांवों के विकास कार्यक्रम के लिये 88700 परिवारों को सहायता प्राप्त होगी। इस तरह के बहुत सारे काम हमारी सरकार कर रही है। मरूभूमि और सूखा क्षेत्र विकास कार्यक्रम के लिये 4.89 करोड रूपये खर्च करने का सरकार का विचार है।

चेयरमैन साहब, मैं आगे यह कहना चाहता हूं कि इंडस्ट्रीज को बढावा देने के लिये भारत सरकार द्वारा करनाल में 1300 करोड रूपये की लागत से एक रिफाइनरी और पंचकूला में 21 करोड रूपये की लागत से एक दूर संचार परियोजना का कार्य करवाने का विचार भी एक प्र ांसनीय कदम है। हरियाणा में रेलवे कोच निर्माण फैक्टरी लगाने का मामला भी काफी हद तक आगे बढ चुका है और यह फैक्टरी हरियाणा में अम्बाला में ही होनी चाहिये क्योंकि अम्बाला छावनी एक बडा भारी जंक ान है और एक बडा रेलवे का डिवीजन है। यह फिरोजपुर से लेंकर मुरादाबाद तक के एरिया को कवर करेगा। चेयरमैन साहब, अम्बाला में किंगफि ार नाम से एक टूरिस्ट कम्पलैक्स अगलें साल तक बनाये

जाने का विचार है। यह हमारे हलके के लिये एक खु ाकिस्मती होगी। इसके साथ साथ मैं यह कहना चाहता हूं कि जो 20 सूत्री प्रोग्राम है, वह हरियाणा के लिए एक वरदान है। जितना पैसा इस पर सरकार खर्च करने जा रही है अगर वह सारा रूपया गरीबों के घरों तक पहुंच जाए तो इससे लोगों को काफी भला होगा। इस प्रोंग्राम के ऊपर और विचार करने की आव यकता है।

चेयरमैन साहब, इस सरकार ने और भी बडे अच्छे अच्दे काम किये हैं, अन्धे, अपाहिज, दुर्बल, भाारीरिक रूप से विकलांग लोगों के कल्याण के लिये सरकार ने सही कदम उठाये हैं। उनका भत्ता 50 रूपये से बढाकर 75 रूपये कर दिया गया है, यह एक अच्छा कदम है। अब मैं टैक्सिज की तरफ आ रहा हूं। सरकार की तरफ से कई नये टेक्स लगाये गये हैं जो कि नहीं लगने चाहिये थे। अगर टैक्स लगाने ही थे तो तनख्वाहें भी बढाई जानी चाहिये थी, भत्ते भी देने चाहिये थे। टेक्स अगर लगाने हैं तो मुनासिब होने चाहिये। बिजली पर दो, तीन चार पैसे जो रेट बढाया गया है, इस पर अपोजी ान वाले कहते हैं कि यह बडा भारी जुल्म है। इसके बारे में, मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि इसका भार कंज्यूमज के ऊपर नहीं पडेगा। यह तो सरकार के कागजों तक ही है। इसमें किसी पर कोई भार नहीं पडने वाला है। डा0 मंगल सैन जी इस समय बैठे नहीं हैं वरना मैं उनको बताता कि चूडिंया क्या होती हैं ? सरकार ने चूडियों पर 12 प्रति ा की बजाए 4 प्रति ात सेल्ज टेक्स किया है। लेकिन इसमें

लफज लिखा है कांच की चूडियां। मैं चाहता हूं कि इसके साथ प्लास्टिक और रबड की चुडियों पर भी यह छूट होनी चाहिये। सेल्ज टैक्स के मामले में मैं सिर्फ दो बातें कहना चाहता हूं। मैं खुद व्यापारी हूं इसलिये ये बातें कहना चाहता हूं। हरियाणा में ट्रकों पर सेल्ज टैक्स 10 प्रति ात है जबकि गोआ में यह 3 प्रति ात है। हमारे एक ट्रक का टैक्स 18500 रूपए बनता है जबकि गोआ में 5200 रूपए बनता है। इस साल हरियाणा में गोआ दमन से दो हजार ट्रक आए हैं जिसका हमें कोई फायदा नहीं हुआ। जो लोग गाओ से ट्रक मंगवा कर देते हैं वे दो हजार फी ट्रक लेते हैं। जिसमें 1500 रूपया किराए का होता है और 500 रूपया उसका कमी ान होता है। सरकार अगर मेरी तजवीज को माने तो ट्रकों पर 5 प्रति ात टैक्स कर दें। इससे एक ट्रक पर सरकार को 9250 रूप्ए टैक्स के मिलेंगे। अब जो लोग गोआ से ट्रक मंगवाते हैं उनको तीन परसैंट के हिसाब से 5200 रूपया तो टैक्स देना पडता है और दो हजार रूपया उसको देते हैं जिसके थ्रू मंगवाते हैं। इस तरह से उसको 7200 रूपया देना पडता है। अगर सरकार यहां भी 5 प्रति ात टैक्स कर दे तो उसको केवल 2050 रूपए और देने पडेंगे जो कि वह दे भी देगा। ऐसा करने से सरकार की आदमनी में बहुत इजाफा होगा। इसके अलावा राजस्थान, महाराश्ट्र, गुजरात और आन्ध्र प्रदे ा में भी हमारे से कम सेल्ज टैक्स हैं। आन्ध्र प्रदे ा में तो तीन टन से पांच टन तक के व्हीकल पर कोई टेक्स ही नहीं हैं मेरे भाई म्यूनिसिपल

कमेटी के इलेक ान्ज के बारे में बडा बावेला कर रहे हैं, उसको भी हम देख लेंगे!

श्रीमती चन्द्रावतीः चेयरमैन साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। माननीय धमीजा साहब बडे अच्छे ढंग से बातें कहते हैं। हम चाहते हैं कि इनके लिए एक दिन सै ान और बढा दें। उस दिन केवल इन्हीं की स्पीच करवा देना, हम सुनते रहेंगे।

सेठ राम दास धमीजाः चेयरमैन साहब, अढाई साल तक इनकी हकूमत रही इन्होंने म्यूनिसिपल कमेटियों के चुनाव क्यों नहीं करवाए ? हमारे सी0एम0 साहब ने हाउस के फलोर पर वायदा दे दिया है कि इसी साल इलैक ान्ज करवा देंगें। इन भाब्दों के साथ मैं प्रार्थना करूंगा कि इस बजट को सर्व सम्मति से पास किया जाए।

सरदार सुजान सिंह (जुंडला, अनुसूचित जाति): आनरेबल चेयरमैन साहब, मान योग वित्त मंत्री जी ने जो 1985–86 का बजट सदन मे ंपे ा किया है इससे प्रान्त की जनता के मन में खु ाी होने की बजाये उनके चेहरों पर उदासी छा गई है क्योंकि यह 1 करोड 43 लाख की आबादी का छोटा सा सूबा है और यह 114.32 करोड रूपए के घाटे वाला बजट उस पर ठोसा गया है। इसके घाटे को पूरा करने के लिये कहते हैं कि प्रोवीजन किया गया है यानी सैंट्रल गवर्नमैंट से स्पै ाल असिस्टैंन्स लेकर 70 करोड रूपया पूरा किया जाएगा और बाकी जो कमी है उसको

पूरा करने के लिऐ दे ा के जो ज्यादा मैजोरिटी के लोग हैं जो बसों में सफर करने वाले हैं उन पर 20 प्रति ात किराया बढा दिया है। (**इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए**) एक और आत जो बजट में कही गई है वह यह कि गरीबों को गरीबी की लाइन से ऊपर उठाएंगे। एक साल की जो इन्होंने फिग्गर बताई हैं वह 1.5 प्रति ात है। प्रान्त में रहने वाले गरीबी की रेखा से नीचे जो लोग हैं वे 30.2 प्रति ात हैं। इससे यह स्पश्ट होता है कि हरियाणा में जो गरीबी को दूर करने का सवाल है वह बीस प्वायंट प्रोग्राम के अधीन बीस सालों में पूरा होगा। इसी तरीके से जो कर्मचारी हैं, बजाए उनको एडी ानल तनख्वाह देने के जो वे लोन लेते हैं केवल उसको बढाया गया है। आप्रे ान ब्लू स्टार में मरने वाले सैनिकों के परिवारों को जो राहत दी है वह भी नाम मात्र है। तो मैं कह सकता हूं कि यह बजट समाज के कमजोर और दलित वर्ग के लिए कोई वि ोश रिलीफ नहीं देता। इसके साथ साथ सरकार ने क्लीन ऐडमिनिस्ट्रे ान चलाने वाले लोग योग्य व्यक्ति होते हैं लेकिन पोलिटीकल इंटरफियरैंस की वजह से तमाम सर्विसिज पोलिटिकलाइजड को चुकी हैं। रिज्लट के तौर पर आज जहां ऐडमिनिस्ट्रे ान में डिमौरलाइजे ान आई है वहां इन ऐफि िाएंसी भी इम्प्रूव हुई है। पिछले नवम्बर के दंगों में ऐडमिनिस्ट्रे ान का बुरा हाल हुआ है। उसको कन्ट्रोल करने में ऐडमिनिस्ट्रे ान अन कलींड रहा है क्योंकि पोलिटीकल इन्टरफियरैंस ज्यादा था। स्पीकर साहब, 31 अक्तूबर को दे ा की प्रधान मंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी जी का उनके दो सिख अंगरक्षकों ने वै ायाना कत्ल

किया। श्रीमती गांधी नें एि ायन गेम्ज, चोगम और नान एलाइंड कन्ट्रीज मीट करवा कर जहां दे ा नाम ऊंचा करवाया वहां अपना नाम भी संसार भर में ऊंचा करवाया है। आई0पी0सी0 के अधीन चाहे कोई दे ा द्रोही हो या 302 का मुलजिम हो, दोशी वही होता है जिस पर इलजाम लगाया जाता है। लेकिन बदनसीबी से हुआ क्याकि श्रीमती गांधी के कत्ल के बाद दे ा में जितने भी के ा धरी लोग रहते थे उनका कत्तेआम किया गया। उनकी जायदाद या तो लूटी गई या जलाई गईं माइन्योरिटी कम्यूनिटी अपने ही आजाद दे ा में भारणार्थी बन गई। आनरेबल चीफ मिनिस्टर साहब ने एक बयान दिया था कि हरियाणा में सब अच्छा है। लेकिन यहां जबाबंदी है। पाबंदी भी लगाई गई है कि बहुत बात नहीं करनी। मैं दे ा की बात नहीं करूंगा और पूरे प्रान्त की भी बात नहीं करूंगा। मैं तो केवल एक मिसाल कोट करता हूं। हमारी अपनी हरियाणा विधान में ..... नाम का मुलाजिम है।

श्री अध्यक्षः आप किसी का नाम क्यों लेते हो ?

सरदार सुजान सिंहः चलो जी ठीक है मैं यह कह देता हूं कि वह हरियाणा विधान सभा का कर्मचारी है जो कि जूनियर ट्रांसलेटर है। उसका गांव होद है, पुलिस स्टे ान जाटुसाना पडता है जो जिला महिन्द्रगढ में रिवाडी के नजदीक है। स्पीकर साहब, 2—11—84 को पटौदी से एक बस और ट्रक दंगाकारियों के भर के आये। उसके परिवार के 17 आदमी जिन्दा जला दिए गए

जिनमें से 4 बच्चे, 6 मर्द और 7 औरते थीं। पहले उनको लाठियों से पीटा गया और जब वे अध मोये हो गए तो उनके ट्रैक्टर से ही डीजल निकाल कर उनको जिन्दा जला दिया। जहां तक औरतों की बेपती का सवाल है वह मैं बयान नहीं कर सकता। सो मैं आपके द्वारा सरकार से बेनती करता हूं कि जैसे आप्रे ान ब्ल स्टार के बाद ..... लूट मार का सामान बरामद किया था उसी तरह से एस0एच0ओ0 जाटु साना से भी लूट मार का सामान बरामद करें।

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला): ..... स्पीकर साहब, यह बात कह कर तो ये जनरलाइज कर रहे हैं। ये भाब्द रिकार्ड में नहीं आने चाहिये।

श्री अध्यक्ष: ठीक है फौजी अफसरों वाली बात रिकार्ड न की जाए।

सरदार सुजान सिंह: आनरेबल स्पीकर साहब, जब हुक्मरानों के विचारों में वायलैंस आ जाता है तो वह लोगों के हितों में नहीं होता। सरकार ने विजिलैंस डिपार्टमैंट खोला हुआ है। मैं सरकार से रिक्वैस्ट करूंगा कि इसी तरीकै से एक पुलिस सुपरविंग बनाया जाए जो ला एड आर्डर सिचुए ान को इफैक्टिवली डील कर सके और उसमें जो सैकुलर पुलिस आफिसर्ज हैं उनको लगाया जाये। रीलिजयस प्लेसिज मंदिर,

मस्जिद, गुरूद्वारे और चर्च को तबाह करने या धार्मिक पुस्तकों का अपमान करने या किसी भी व्यक्ति को धर्महीन करने से हो सकता है करने वाले को अच्छा लगे लेकिन जो सैंटीमैंटस उनसे जुडे होते हैं उनको उससे चोट आती है। सरकार का यह फर्ज बनता है कि उनको यह हीलिंग टच दे। आज दे ा की अखण्डता और एकता को कोई खतरा नहीं है क्योंकि हमारी भाक्ति ाली फौज ने बंगला देश में , आसाम में, पंजाब में बडा इफैक्टिवली काम किया है। दे ा के अन्दरूनी और बहरूनी खतरों को हमारी फौज अच्छी तरह से डील विद कर सकती है। लेकिन आज जो दे ा को जरूरत है वह इमो ानल इन्टेग्रे ान को मजबूत करने की है। मैं सरकार से रिक्वैस्ट करूंगा कि दे ा में जो भावनात्कम एकता कमजोर हुई है, उसे यह अपना सारा सरकार मीडिया लगा करके मजबूत करे ताकि दे ा में सदभावना और भाई चारे का माहौल पैदा हो सके। आखिर में मैं बहुत ज्यादा समय न लेता हुआ यही कहूंगा कि यह जो बजट पे ा किया गया है यह ऐन्टी दलित मजदूर और ऐन्टी किसान हैं तथा इसमें मुलाजिमों को कोई राहत नहीं दी गई है और न बेरोजगारों को कोई राहत दी गई है इसलिए इसको पास न किया जाए।

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला): स्पीकर साहब, मैं आपकी इजाजत से बिजली और पानी के बारे में संक्षेप में कुछ बातें बताना चाहूंगा। माननीय सदस्यों की सारी बातों का जवाब तो हमारे वित्त मंत्री जी देंगे।

काफी माननीय सदस्यों ने अम्बाला जिले के किसानों के बारे में काफी चर्चा की है और कहा है कि अम्बाला जिले के किसानों को पानी और बिजली देने के बारे में सरकार कोई विचार नहीं कर रही है, उनको कोई रियायत नहीं दे रही है। स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा माननीय सदस्यों को बताना चाहूंगा कि यह पहली सरकार है जिसने अम्बाला जिले के किसानों को सिंचाई के पानी की सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिये बहुत ठोस कदम उठाए हैं। मैं बताना चाहूंगा कि भााहबाद नलवी इरीगे ान स्कीम जो है वह 15 करोड 37 लाख रूपए की स्कीम है। उस प्रोजैक्ट का हरियाणा गवर्नमैंट के पास 12–10–1983 को ऐस्टीमैट आया और इसके अनुसार मुलाना बलाक, अम्बाला ब्लाक, रादोर भााहबाद और कुरूक्षेत्र का कुछ इलाका भाामिल है जिनकी लगभग 1 लाख 86 हजार एकड जमीन की सिंचाई के लिये 590 क्यूसिक्स कैपेसिटी की नहर बनाने का इसमें प्रावधान किया गया है और यह स्कीम प्लानिंग कमी ान ने 7वीं पंचवर्शीय योजना में भाामिल कर ली है तथा सैंट्रल वाटर कमि ान को यह स्कीम 22–3–1984 को सबमिट की जा चुकी है। इस स्कीम कें लिए 13 करोड रूपए प्रोवाइड किए गए हैं। वर्श 1985–86 में सरकार ने इस स्कीम पर 77 लाख रूप्ए खर्च करने का प्रावधान किया है। इसी साल में इस स्कीम पर काम भाुरू होने की पूरी उम्मीद है। इसी प्रकार से नारायणगढ, रायपुरानी, बिलासपुर और सढौरा आदि के लिए एक दूसरी स्कीम है। इन इलाकों के लिए हथनी कुण्ड परपोज्ड बैराज से एक नहर निकाली जाएगी जिससे लगभग 1.75 लाख एकड

जमीन की सिंचाई होगी और इस नहर की लम्बाई 80 किलोमीटर होगी तथा 400 क्यूसिकस पानी की कैपेसिटी की नहर होगी। यह स्कीम अन्डर इन्वैस्टीगे ान है। इन्वैस्टीगे ान कम्पलीट होने के बाद सरकार सहानुभूति से प्रयत्न करेगी कि इस स्कीम को कार्यान्वित किया जाए। एक नहर दादुपुर से निकाली जाएगी और दूसरी हथनीकुण्ड बैराज से निकाली जाएगी। अम्बाला जिले में यह पहली नहर होगी जिससे फलो इरीगे ान होगी। चालू वर्श के दौरान इस नहर के लिये 70 लाख रूपए प्रोवाइड किए गए हैं एक दूसरी स्कीम के लिए और पैसे रखे गये हैं। यदि पैसे का प्रावधान किया गया है तो काम भी भाुरू होगा। 7वीं पंचवर्शीय योजना में इनके लिए 13 करोड रूपए का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा स्पीकर साहब, अब मैं माननीय सदस्यों को एम0आई0टी0सी0 के बारे में संक्षेप में कुछ बातें बताना चाहूंगा। काफी माननीय सदस्यों ने यह बात कहीं कि सरकार किसानों को कोई सुविधाएं नहीं दे रही है, कोई रियायत नहीं दे रही है। मैं इस बारे में एक ही बात कहना चाहूंगा कि जो डायरैक्ट इरीगे ान टयूबवैलज हैं जिसको डी0आई0टी0 कहते हैं। पहले उनको बिजली का खर्चा 67 पैसे प्रति यूनिट के हिसाब से चार्ज किया जाता था। उसको 1–7–1984 से घटा कर 40 पैसे प्रति यूनिट कर दिया गया है। किसानों को लगभग 27 पैसे प्रति यूनिट के हिसाब से रियायत दी गई है। इसके अलावा स्पीकर साहब, चौधरी सुरेन्द्र सिंह जी ने बोलते हुए यह बात कही कि भिवानी जिले का बहुत सा इलाका पानी के नीचे आ जाता है बिजली चली जाने की वजह से नहरों

में एसकेप वगैरह से फसलें खराब हो जाती हैं। इन्होंने मांग की थी कि सरकार वहां पर जमीन ऐक्वायर करके रिजरवायर बनाए। स्पीकर साहब, मैं उनको बताना चाहूंगा कि सरकार का यह विचार तो नहीं है कि किसानों से जमीन ऐक्वायर करके उनको उनकी जमीन से वंचित करे लेकिन इस बारे में इरीगे ान डिपार्टमैंट बहुत गहराई से विचार करने के बाद इस नतीजे पर पहुंचा है कि जहां जहां पर पानी फसलों में जाता है और उनको खराब करता है वहां पर बडे बडे पम्प लगा कर उस पानी को वापिस नहर में डालने की योजना कार्यान्वित करेंगे ताकि किसानों की फसलें पानी से खराब न हों। इसके अलावा स्पीकर साहब, मैं रोहतक भाहर के बारे में कुछ बातें कहना चाहूंगा।

श्री भागी रामः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मैंने पहले भी हाउस में दो बार जिकर किया है कि सिरसा जिले में एक ओटू झील है जिसमें घग्घर नदी का पानी जाता है। यदि उस झील की खुदाई कर दी जाए तो उससे कम से कम 150 गांवों को फायदा हो सकता है।

चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य चौधरी भागी राम जी को सिरसा जिले के बारे में पूछनें की कहां फुरसत रहती है। अब बीच में इनको याद आ गया इसलिये पूछ लिया। इनका तो दूसरी बातों से वास्ता रहता है। मैं इस बारे में थोडी देर में बताऊंगा। इससे पहले मैं रोहतक के बारे में बताना चाहूंगा। डा0 मंगल सैन जी ने रोहतक भाहर के बारे

में जिकर किया और आज अखबार में भी इन्होंने खबर छपवा दी है कि "Rohtak City goes thirsty" मैं आपके द्वारा इनको बताना चाहूंगा कि रोहतक भाहर के लिए पीने के पानी के बारे में इरीगे ान डिपार्टमैंट ने जो काम किया है और कर सकता है उस बारे में मैं इतना ही कहना चाहूंगा कि रोहतक भाहर को भालोट सब ब्रांच जिसको बी0एस0बी0 कहते हैं पानी सप्लाई करती है। यह नहर 17–2–85 से 24–2–85 तक चली और अब 21–3–85 से 28–3–85 तक चलेगी क्योंकि चार ग्रुपों में नहरें चलती हैं और रोहतक भाहर के लिए जो वाटर कोर्स हैं उसको पक्का किया जा रहा है और आने वाली मौनसून तक उसको पक्का कर दिया जाएगा। स्पीकर साहब, 14–3–85 तक 100 क्यूसिक्स पानी देंगे और पिछले दिनों बगैर बारी के 50 क्यूसिक्स पानी दिया गया। इस वक्त रिजरीवायर में काफी मात्रा में पानी है। हमने महकमे को यह भी कहा है कि जब 28–3–85 को नहर बन्द हो जाएगी तो उसे बाद भी उसमें थोडा बहुत पानी छोड दें ताकि लगातार रिजरवायर के लिये पानी जाता रहे और इकटठा होता रहे। इसके अलावा स्पीकर साहब, अब मैं बिजली के बारे में एक बात कहना चाहूंगा। सदन के अंदर पिछले कई दिनों से इस बात की चर्चा हो रही है कि हरियाणा प्रान्त के थर्मल काम नहीं करते। एक जनरल इम्प्रै ान क्रिएट करने के लिए लगातार इस बात का प्रचार किया जा रहा है कि हरियाणा में बिजली की परिस्थति अच्छी नहीं है। मैं अपने माननीय सदस्यों को बताना चाहूंगा कि हमारे जो थर्मल प्लांटस हैं उनकी परफारमैंटस किसी दूसरे थर्मल प्लांटस से कम

नहीं है। प्रोडक ान के बारे में आज दिन में मैंने बात कह दी है इसलिये उसको दोहराऊंगा नहीं। जो औगजलरी कंजम्प ान और आयल कंजम् ान है उसकी पिछले 7–8 महीनें में काफी बचत हुई है।

स्पीकर साहब, औगजलरी कंजम्प ान, स्टाफ और मैंटीनैंस आदि पर पानीपत थर्मल प्लांट और फरीदाबाद थर्मल प्लांट में वर्श 1983–84 और 1984–85 में जो बचत हुई वह इस प्रकार है :–

महीना	पानीपत थर्मल पावर स्टे ान		फरीदाबाद थर्मल पावर स्टे ान	
	1983–84	1984–85	1983–84	1984–85
अक्तूबर	23.20	13.85	17.3	12.76
नवम्बर	22.50	12.13	19.0	15.02
दिसम्बर	16.31	14.77	17.14	15.50
जनवरी	17.80	13.09	16.91	15.70
स्पीकर साहब, जो आयल कंजम्प ान हुई है वह इन सालों की इस प्रकार है:– (मिलीलीटर प्रति यूनिट				
अक्तूबर	68.60	25.73	52.18	22.00

नवम्बर	54.90	15.69	58.85	16.40
दिसम्बर	16.00	30.04	40.67	25.00
जनवरी	35.00	26.59	39.71	29.40

स्पीकर साहब, इस प्रकार केवल इन दो आइटम्ज पर ही पिछले साल के मुकाबले में 6 करोड रूपये की बचत की है। (विघ्न) उस वक्त ज्यादा खर्च था। आप उल्टा समझ रही हैं। हमारा इस समय 50 प्रति ात से कम खर्च है।

श्रीमती चन्द्रावतीः ए0जी0 की 1982–83 की रिपोर्ट के मुताबिक तो उस समय बिजली पैदा नहीं हो रही थी। जब बिजली पैदा नहीं होंगी तो खर्चा ज्यादा कैसे होगा ? (विघ्न)

चौधरी भाम ोर सिळः स्पीकर साहब, इस समय स्टेट में कोई भी डैमेज्ड ट्रांसफार्मर नहीं है। इस साल 16 ग्रिड सब स्टे ांज 33–33 के0वी0 के चालू हो जाएंगे। अन्त में मैं यह भी कहना चाहता हूं कि अगली योजना के अंदर 38 करोड रूपया फरीदाबाद थर्मल प्लांट की रैनोवे ान के लिये और 16 करोड रूपया पानीपत थर्मल प्लांट की रैनोवे ान के लिये रखा गया है ताकि इनकी कैपेसिटी को बढाया जा सके। स्पीकर साहब, एक सवाल भागी राम जी ने ओटू लेक के बारे में किया था। ओटू लेक मैं सिल्ट की वजह से काफी बडा एरिया चोक हो चुका हैं अब उसका ऐम बैंकमैंट ऊंचा किया है ताकि उसकी कैपेसिटी बढाई जा सके।

वित्त मंत्री (श्री सागर राम गुप्ता): स्पीकर साहब, माननीय सदस्यों ने हाउस में बजट की प्रोपोजल पर अपने अपने विचाार रखें। सरकार के पक्ष के सदस्यों ने अपनी बातें कहीं और विरोधी पक्ष के भाईयों ने अपनी बातें कहीं। मैं आभारी हूं सभी सदस्यों का, खासतौर से ट्रेजरी बैंचिज के सदस्यों का, जिन्होंने सरकार के इस बजट का खुले तौर पर स्वागत किया। जहां तक विरोधी पक्ष के सदस्यों की बातों का सम्बंध है, उन्होंने जो रचनात्मक बातें कही हैं। उनके बारे में मैं उनको सरकार की तरफ से वि वास दिला सकता हूं कि उन सब बातों पर सरकार विचार करती रही है और आने वाले समय में भी करती रहेगी। लेकिन जो बातें उन्होंने केवल इसलिये कहीं कि वे विरोधी पक्ष के भाई हैं, उस बोर में मैं समझता हूं कि उनकी जिम्मेदारी तो है कि वे बहुत सोच समझ करके यहां बातें कहें लेकिन यह समय यहां पर कोई गलत बात का प्रचार करने का नहीं है। यह ठीक है कि यहां पर किसी भाई की नाजायज तारीफ नहीं करनी चाहिए। हमें हरियाणा को आगे ले जाना है। हरियाणा बहुत आगे बढा है, इस बात को ये भी जानते हैं और आप भी जानते हैं। लेकिन हर बात में नोंक झोंक करें, यह भाोभा नहीं देता। इनका भी समय आया था। ये अपने गिरेबान में मुंह डाल कर देखें। इन्हौंने भी अपना बजट पे ा किया था। इन्होंने क्या राहत दी थी ? अब ये कहते हैं कि टैक्स लगा दिए गए। यह बात बिल्कुल ठीक है कि टैक्स लगाये गये है। और बसों के किराये भी बढाये गये हैं। स्पीकर साहब, अगर विरोधी पक्ष का कोई भी भाई इकोनोमिस्ट है और

वह फाईनैंसिज की मैन्टीनैंस का तरीका जातना है तो अब समय है कि वह जब एप्रोप्रिए ान बिल यहां आये और डिमांडज आये तो उन पर डिस्क ान के वक्त अपने रचनात्मक सुझाव दें। स्पीकर साहब, हम सभी दिल से चाहते हैं कि हरियाणा आगे बढ़े। हम यह चाहते हैं कि यहां पर सारी सुविधाएं हों हम चाहते हैं कि यहां पर मैडिकल कालेज हो। हम यह भी चाहते हैं कि किसानों को ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं दी जाएं। हम यह भी चाहते हैं कि जो लोग गरीब परिवार के हैं उनको ऊपर उठाने के लिये तेजी से कदम बढाये जाएं। मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि क्या यह सारा काम बिना धन के मुमकिन हो सकता है ? बिल्कुल नहीं हो सकेता। स्पीकर साहब, मैं यही कहना चाहता हूं कि इनको अधिकार है कि ये रचनात्मक सुझाव दें, हम उनको स्वागत करेंगे लेकिन ये जो बातें for the sake of opposition only कहते हैं। वह हमारी समझ में नहीं आती। मैं एक बात आंकडों के जरिए कहना चाहता हें। स्पीकर साहब, मैं चैलेंज के साथ कहता हूं आज हरियाणा की वित्तीय स्थिति को देखते हुए ये सारे दे ा के किसी इकोनोंमिस्ट से इस बजट को एग्जामिन करवा लें और मैं यह दावे के साथ कहता हूं कि हर अच्छा इकोनोमिस्ट हमें सर्टिफिकेट देगा कि इससे अच्छा बजट और कोई नहीं हो सकता। यहां पर यह भी कहाव गया है कि इस बजट के अंदर 114 करोड रूपये का डैफिसिट है। (विघ्न) सरकार को अपनी बात कहने का अधिकार है। आपको हमारी बात सुनने का सब्र होना चाहिए। (विघ्न) आप चिन्ता न करें आपकी बात का भी जवाब दूंगा। लेकिन आप

सरकार की बात सुनिये। यहां यह भी कहा गया है कि यह बजट घाटे का बजट है। मैं इनके जवाब में केवल एक ही बात कहना चाहता हूं। आपने देखा हेागा कि कहीं पर भी कोई डिवैल्पिंग कन्ट्री या प्रदे ा बिना डैफिसिट के आगे नहीं बढा। सैंन्ट्रल सरकार ने भी अपना बजट पे ा किया है। उसमें भी टैक्स लगे हैं। हमारे यहां पर भी 114 करोड रूपये का डैफिसिट का प्रावधान इस साल में है। जो बातें मैंने बजट में कही हैं वह आपने पढी होंगी और इसके अलावा बजट सें संबंधित जो लिटरेचर आपको दिया है, वह भी आप लोगों ने पढा होगा। इनके पढने के बाद आपने देखा होगा कि हम अगले साल में छलांग मार कर आगे बढ जाना चाहते हैं, तरक्की करना चाहते हैं। स्पीकर साहब, इस डैफिसिट को हमने करवर करने के लिए बडे अच्छे ढंग से प्रावधान किया है। यह आप लोगों ने इस बजट में देखा भी होगा। मैं इस गरिमापूर्ण हाउस को यकीन दिलाना चाहता हूं कि जब यह साल खत्म होगा तो उस समय आप देखेंगे कि यह डैफिसिट को हमने कवर करने के लिये बडे अच्छे ढंग से प्रावधान किया है। यह आप लोगों ने इस बजट में देखा भी होगा। मैं इस गरिमापूर्ण हाउस को यकीन दिलाना चाहता हूं कि जब यह साल खत्म होगा तो उस समय आप देखेंगे कि यह डैफिसिट यानि घाटे का बजट नहीं रहेगा। आप इस बजट को सरप्लस में बदला हुआ पाएंगे। (विघन) हमने गैर जिम्मेदारी से काम नहीं लिया है। हम मानते हैं कि पिछले साल की जो प्लान थी उस प्लान में हमने ज्यादा रूपया खर्च किया है जो प्रोवीजन पहले किया था हमने उससे ज्यादा

खर्च किया है। आप हमारी परफोरमैंस को क्यों नहीं देखते ? बोलने से पहले आप परफोरमैंस को सामने रखएि, फिर बात कीजिए। (व्यवधान) आप थोडा पैं ोंटल सुनें। मैं आपको बता रहा हूं कि आप केवल 114 करोड के डैफिसिट को न देखें, इस बात को देखें कि हरियाणा ने कितनी तरक्की की है और आने वाले समय में हरियाणा सरकार ने स्टेट को आगे ले जाने के लिये कितना प्रावधान किया है और साथ साथ इस बात को भी देखें कि पिछले साल जो प्लांड ऐक्सपैंडिचर था, हमने उससे ज्यादा खर्च करके इस बात का सबूत दिया है कि हम रूपया सरंडर नहीं करते, खर्च कम नहीं करत बल्कि ज्यादा करते हैं। स्पीकर साहब, 114 करोड रूपये का जो खसारे का प्रावधान किया हे, यह बिल्कुल उचित किया है और इस खसारे को कैसे मीट विद करेंगे, इसका भी प्रावधान किया है। इसलिये यह कहना गलत बात है कि साहब, यह बजट खसारे का बजट है। लीडर आफ दि अपोजी ान ने यह बात कही कि साहब पिछले साल का डैफिसिट इस साल बढ गया है। बिल्कुल ठीक बात है, कुछ बढा है, जो भ्रुरू में प्रावधान किया था, उसके बाद बढा लेकिन लीडर आफ दी अपोजी ान जब बोलती हैं तो इस बात को ध्यान में नहीं रखतीं कि पिछले साल में क्या हालात पैदा हुए जिनकी वजह से खसारा बढा। आप जानते हैं 1984–85 में हरियाणा सरकार को अपने मुलाजिमों को डी0ए0 की चार कि तें देनी पड़ी। इसके साथ ही साथ आप यह भी जानते हैं कि कोर्ट के कई डिसीजन हुए जिनकी वजह से सारे साल की रिकवरी रूकी रही ? इसके अलावा,

स्पीकर साहब, कुछ नैचुरल कलैमिटिज कुछ ऐसी हुई जिनकी वजह से सरकार को लैंड होल्डिंग टैक्स और आबियाना किसानों को मुआफ करना पडा। भाखडा मेन लाईन कैनाल में ब्रीच हुई, कोल्ड वेव चली जिसकी वजह से किसाना भाइयों को मुआवजा देना पडा और ज्यादा खर्चा हुआ। स्पीकर साहब, इसके अलावा कुछ डिस्टर्बड कंडी ान्ज रही, हमारे पडौस के प्रान्त में हालात अच्छे नहीं थे, इसका असर हरियाणा पर भी पडा और हमारा रैवेन्य कम वसूल हुआ। ऐसी बात नहीं कही तजा सकती कि सरकार की किसी गलती की वजह से डैफिसिट बढा है। अगर सदस्य ऐसाा सोचते हैं तो बडी भारी गलती की बात करते हैं। बहन जी कहते कहते एक बात यह कह दी कि हरियाणा में विकास नाम की कोई चीज नहीं है। ये कितनी गैर जिम्मेदाराना बात है अैर खास तौर पर लीडर आफ दी अपोजी ान के मुंह से अच्छी नहीं लगती। अगर विकास के काम की चर्चा करने की जरूरत है कि कितना विकास हुआ है, तो माननीय सदस्यों की सब बातें बिना जवाब के रह जायेंगी, मैं जवाब नहीं दे पाऊंगा। लेकिन इतना जरूर कहूंगा स्पीकर साहब, हम इस हालत में पहुंच गये हैं कि पडौसी पद्रे ा हमसे आगे हुआ करता था प्लानिंग के मामले में, प्रोवीजन के मामले में, लेकिन आज हमें गौरव है इस बात का कि आज हम उनसे आगे बढ गये हैं। हमारी प्लान जो पहले 1800 करोड रूपये की थीं हम उसको बढा कर अंगली प्लान 3200 करोड की बनाने जा रहे हैं। 1985–86 की जो हमारी प्लान है, मुझे कहते हुए खु ाी है कि पंजाब की प्लान छोटी है और हमारी

प्लान पंजाब से बडी है। क्या यह बिना विकास से ही हो रहा है ? जैसा कि मैंने अर्ज किया है, अगर मैं सारी डिटेल देने लगूं तो बहुत टाईम चाहिए, लेकिन मुझे इस बात का दुःख है कि लीडर आफ दी अपोजी ान के मुंह से ऐसी बातें भाोभा नहीं देती। इन्होंने यह भी कहा कि इलैक्ट्रोनिक्स और कम्प्यूटर की बात नहीं होनी चाहिये।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, मैंने यह नहीं कहा कि ये नहीं होने चाहिए। मैंने कहा कि आप लोगों को साईकल तो देते नहीं और बातें करते हैं इलैक्ट्रौनिक्स की।

श्री सागर राम गुप्ताः साईकल के बारे में अगर बहन जी को कोई भाक हो तो सारी फिगर्ज इकट्ठी करवा देंगे कि कुल साईकल्ज की तादाद कितनी है, कितनी प्रोडक ान हरियाणा में बढी हे और कंज्यूमर्ज के पास कितनी बढी हैं। सारी फिगर्ज आपको दे देंगे। स्पीकर साहब, आज कम्प्यूटर एज है। अगर हम इस फील्ड में पीछे रह गये तो हमे ाा पीछे रह जायेंगे। आज हमें इस बात का गौरव है कि स्टेट की फाइनैंि ारूल मैनेजमैंट बहुत ही डिसिप्लंड तरीके से चल रही है और हम इसको और भी डिसिप्लन्ड बनाना चाहते हैं। कि सारी स्टेट में प्लान और ना प्लान पर जो खर्च हो रहा है, गवर्नमैंट को इसकी फिगर भााम से पहले पता चल सके ताकि आने वाले दिनों में हम अच्छे ढंग सें काम कर सकें। इस काम के लिये हम कम्प्यूटर सिस्टम लागू करना चाहते हैं। इस काम को पूरा करने के लिए इलैक्ट्रोनिक्स

को बढावा देना चाहते हैं। इसके बारे में माननीय सदस्यों को किसी प्रकार की ि ाकायत नहीं होनी चाहिए।

स्पीकर साहब, इस हाउस में एक और बात कही गई कि ऐग्रीकल्चर की तरफ ध्यान नहीं दिया गया। भाायद यह बात चौधरी तैय्यब हुसैन ने कही है। उन्होंने कहा कि 11.8 परसैंट रूपये का बजट में ऐग्रीकल्चर के लिये प्रावधान किया है। स्पीकर साहब, आप मानेंगे, ये पुराने माननीय सदस्य हैं, ये पार्लियामैंट में भी रह चुके हैं, बहुत पुराने जमाने में यानी ज्वांयट पंजाब में ये डिप्टी मिनिस्टर होते थे। ये यदि इस किस्म की बात करते हैं तो अच्छा नहीं लगता। मैं इन्हें बताना चाहता हूं कि ऐग्रीकल्चर का ताल्लुक केवल ऐग्रीकल्चर इनपुटस सप्लाई करने से होता है, जैसे बीज हैं, फर्टिलाईजर है और कई किस्म की सुविधाएं हैं। ये चीजें किसान के ज्यादा हक में जाती हैं। सिंचाई और बिजली, इन दोनों आईटम्ज के लिये बजट में जो प्रावधान किया हुआ है, भाायन माननीय सदस्य ने इनका ध्यान नहीं किया।

चौधरी तैय्यब हुसैनः आपका जो फाइनैंि ायल मैंमोरैंडम है, यह उसमें लिखा हुआ है।

श्री सागर राम गुप्ताः आज इन दोनों आइटम्ज को नजरअन्दाज कर गये जो कि किसान के लिए बहुत जरूरी चीजें हैं। स्पीकर साहब, आप जानते हैं कि आज हरियाणा में जो बिजली पैदा होती है, उसका 40 परसैंट हिस्सा ऐग्रीकल्चर के लिये

इस्तेमाल होता है। आप यह भी जानते हैं कि ऐग्रीकल्चर को जो बिजली सप्लाई की जाती है, वह मोहस्ट सबसिडाइज्ड रेट पर सप्लाई की जाती है। मैंने अर्ज किया था कि 1985–86 की जो योजना बनी है, उसमें 156.82 करोड रूपया इरीगे ान और 150 करोड बिजली के लिये प्रावधान किया है जो 60 परसेट आफ दी बजट बनता है। हमारा माननीय सदस्य के मुह से यह बात कि हरियाणा सरकार फामर्ज के इट्रैस्ट का ध्यान नही रखती भाोभा नही देती। मै इन्हे बताना चाहता हू कि हम बजट का 60 परसेट पैसा बिजली और इरीगे ान पर खर्च कर रहे है ऐग्रीक्लचर के लिए प्रोवीजन अलग है मै सिर्फ बिजली और पानी की बात कर रहा हूं।

18.00 बजे

श्री वीरेन्द्र सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। टैक्नीकली भाायद इतना न हो । जवाब देते समय आप हाउस को यह बता भी क्लोयर कर दे कि एग्रीकल्चर के लिए 11.8 परसैट बजट मे ऐलीके ान क्यों की है जबकि इससे रैवेन्यू 45 परसेट आता है इरीगे ान के लिए ये कहते है कि 156 करोड रूपये की ऐलीके ान कर दी है। लेकिन मै इनसे जानता चाहता हू कि क्यो ये पीन का पानी नहरो के द्धारा प्रोवाइड नही करते ? इसी तरह से अगर ये बिजली का सारा पैसा एग्रीक्लचरल सैक्टर के लिए ही मान ले तो य कोई जवाब नही है। इनके अपने इकनौमिक सर्वे के मुताबिक जंहा 82 प्रति ात जनता एग्रीक्लचरल पर डिपैन्डैन्ट हो

वहा बजट केवल 11.8 परसेट ऐलोके ान की जाए तो कोई प्र ाना की बात नही। इस साल तो वैसे भी खाद महगा है डीजल महगा है और हर चीज महगी है। इस सब बातो को जवाब फाइनैस मिनिस्टर साहब कृपया बेहतरीन तरीके से दे।

श्री सागर राम गुप्ताः स्पीकर साहब, मै इनकी यह गलतफहमी दूर करना चाहता हू। इन्होने इसमे ऐग्रीक्लचर का नाम पढ लिया लेकिन बजट की बाकी डिटेल को देखने के लिए आखे बन्द कर ली। न यह देखा कि कोआप्रे ान का कितान बजट है न यह देखा की बिजली का कितना बजट है न य देखा कि ऐनीमल हसबैडरी पर कितना पैसा खर्च हो रहा है और न यह देखा कि रोडज के ऊपर कितने खर्च होने जा रहे है। स्पीकर साहब, मै कहता हू कि आज तकरीबन 80 प्रति त Cf the budget is spent by the Haryana Govt. on the walfare of the farmers in teh State.लेकिन ये कहते है कि ऐग्रीकल्चर के लिए कोई प्रवाधान नही है स्पीकर साहब इनकी तसल्ली हो जाएगी यदि मै यह बताऊ कि पिछले तीन साल मे यह खर्चा किस रफतार से बढता गया है 1983.84 मे कृशि तथा सामुदायिक सेवाओ पर जो खर्चा हुआ वह 44 करोड 76 लाख रूपये था। 1984.85 मे यह खर्चा 56 करोड 22 लाख रूपये हो गया और 1985.86 मे अनुमान है कि 57 करोड 77 लाख रूपये हो जाएगा। इसके जाहिर है कि यह खर्चा हर साल बढता जा रहा है। इसी तरह से स्पीकर साहब, विधुत विकास पर 1983.84 मे 203.20 करोड का ऐक्सपैडीचर हुआ, 1984.85 मे

24992 करोड रूपये का ऐक्सपैडिचर हुआ और 1985.86 मे 306.20 करोड रूपये का खर्चा होगा।

श्रीमती चन्द्रावतीः आन ए प्वायट आफ आर्डर सर। स्पीकर साहब, क्या फाइनैस मिनिस्टर साहब तनखाह और प्र ाासन पर होने वाले खर्चे की ब्रेकअप देगे ?

श्री अध्यक्षः मैडम, क्या यह प्वायट आफ आर्डर है ?

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, डिवैल्पमैट पर कोई खर्च नही होता। ये गलत ब्यानी कर रहे है लगता है गलत फिगर्ज आपको दी गई है।

श्री सागर गुप्ताः स्पीकर साहब, चूकि मै इकनी गलतहफमी कोदूर कर रहा हू इसलिए इनको हमारी बाते गलत नजर आ रही है।

स्पीकर साहब, यह कहा गया कि कसाइनमैटटैक्स को हमने चू ही इमेजरनी तौर पर ही पकड लिया है और स्टेट को इससे कुछ नही मिलेगा। अगर मै यह कहू कि ये कसाइनमैट टैक्स को भाायद समझते नही तो गलत बात नही होगी । अगर समझते होते तो ऐसी बात नही कहते। स्पीकर साहब, मै हाउस को यह बताना चाहता हू कि कसाइमैट टैक्स केवल उन ट्राजैक ान्ज पर लगता है जा अभी कोई टैक्स नही लगता। इनकी यह गलतहफमी दूर हो जानी चाहिए कि हरियाणा सरकार टैक्स के ऊपर टैक्स लगाने की बात सोच रही है। अगले साल हमने इनकी आमदनी को

क्यो ध्यान मे रखा है इसके बारे मे स्पीकर साहब मै हाउस को बताना चाहता हू कि यह बात भाायद सब सदस्यो को मालूम होगी। इसके अलावा राश्ट्रीय विकास परीशद ने राज्य सरकार को आ वासन दिया हुआ है कि इस टैक्स को कानूनी रूप इस साल मे दे दिया जाएगा। मै इन्हे यह भी बताना चाहता हू कि योजना आयोग से जब हमारे अधिकारी मिले प्लान की रूप रेखा डिसकस करने के लिए तो उन्होने भी इस बात का वि वास दिलाया है। विघ्न

श्री लछमन सिंहः आन ए प्वायट आफ आर्डर सर। इन्होने अभी कहा कि भाायद हमे यह पता नही कि कसाइनमैट टैक्स क्या होता है स्पीकर साहब, हमे इसका पूरा पता है। हमे यह भी पता है इस बारे मे एक सैन्ट्रल ऐक्ट बनने जा रहा है सारी बाते हो चुकी है केवल रैटिफिके ान नही हुई। It will replace the Central Sales Tax.

श्री सागर गुप्ताः स्पीकर साहब, मै फिर रिपीट करता हू कि इनको गलतफहमी है । कसाइनमैट टैक्स उन ट्राजैक ाज पर लगेगा जिनके ऊपर कोई टैक्स आज नही लगता है। मै यह बात बडी जिम्मेदारी के साथ कह रहा हूं।(विघ्न)

श्री लछमन सिंहः क्या दोनो टैक्स नही लगैगे ?

श्री सागर गुप्ताः मै इस बारे यही तो समझाने को कोि ा ा कर रहा हू।

Sh. Lachman Singh: Why are you confusing the matter? I know it very will. आपको भाायद उससे आधा पता न हो। क्या आप नही समझते कि सन्ट्रेल टैक्स भी रहेगा और कसाइनमैंट टैक्स भी रहेगा।

श्री सागर गुप्ताः स्पीकर साहब, मै यही तो बार बार अर्ज कर रहा हू कि जिन ट्राजक ान्ज पर सैन्ट्रल सेल्ज नही लगेगा केवल उन पर कसाइनमैंट टैक्स लगेगा। (विघ्न)

चौधरी बलवीर सिंह ग्रेवालः क्या मंत्री जी बताएगे कि यह कानून कब तक बन जाएगा ?

श्री सागर गुप्ताः सन 85 के अन्दर अन्दर यह कानून बन जाएगा और लागू हो जाएगा।

स्पीकर साहब चौधरी भले राम जी ने गवर्नमैंट ऐम्पलाइज के बारे मे कुछ बाते की हालाकि इस बजट मे, मै समझता हू गवर्नमैंट ऐम्पलाइज को जितनी सहूलियते दी गई है उतनी भाायद किसी और स्टेट गवर्नमैंट मे न दी हो। ऐम्पलाइज के जायज हको की रक्षा करने के लिये काफी कोि ा ा की गई है। स्पीकर साहब, उन्होने एक बात यह कही कि बहत की भाादी करने के लिए सरकार की तरफ से जो दस हजार रूपये का कर्जा देने की बात की गई है यह उस हालत मे भी दिया जाए जबकि लडकी के माता पिता जीवित हो। मै हाउस को सूचना के लिए बताना चाहता हू कि ऐसी कोई बात नही है। हरियाणा सरकार ने

पहले ही यह फैसला कर लिया है कि सरकारी कर्मचारी बहन या लडकी की भाादी के लिए 10 हजार रूपये का कर्जा ले सकेगा चाहे माता पिता जीवित हो या न हो लेकिन वह उस ऐम्पलाई के ऊपर आश्रित होने चाहिए यह बात ठीक है कि पहले यह कर्जा नही मिलता था यदि मा बाप जीवत होते थे

स्पीकर साहब, यहा एक बात यही कही गई कि ये जो ग्रिबैन्सीज कमेटीज होती है, डिस्ट्रक्ट पब्लिक रिले ान्ज कमेटीज होती है इनमे काग्रेस पार्टी के लोग लिए जाते है। स्पीकर साहब, ये कितने गलत बात करते है? (विघ्न)

चौधरी धीर पाल सिंहः आन ए प्वायट आफ आर्डर सर। मुझे और चौधरी मागे राम जी को तो आज तक नही बुलाया गया है।

श्री अध्यक्षः यह कोई प्वायट आफ आर्डर नही हैं

श्री सागर गुप्ताः स्पीकर साहब, क्या इनको गोदी मे बिठाकर लाया जाए ? They are ex officio members of these committees and they must attent the meetings of these committees अगर ये अटैन्ड नही करते तो ये अपनी कास्टिच्यूऐंसी के लोगो के साथ इन्साफ नही करते। स्पीकर साहब, आपको पता कि डिस्ट्रक्ट कमेटी मे हर एम0एल0ए0 चाहे वह किसी पार्टी का है ऐक्स औफिि ायो मैम्बर होता है।(विघन)

स्पीकर साहब, मै यह अर्ज कर रहा हू कि हर डिस्ट्रिक्ट ग्रिवैन्सिज कमेटी मे उस इलाके मे अभी पोलिटिकल पार्टीज के एम0एल0ए0 और एम0पी0 मैम्बर्ज होते है। उसके अलावा कुछ और भी मैम्बर्ज होते है जो आम जनता से लिए होते है। उनको लेते समय पोलिटिकल पार्टीज का कोई ध्यान नही रखा जाता। उसमे तो यही ध्यान रखा जाता है कि कौन लोग मकबूल है कौन लोग ऐडमिनिस्ट्रे ान के सामने लोगो की दिक्कत रख सकते है, इन बातो को ध्यान मे रख के उस कमेटी मे मैम्बर्ज के लिए जाते है।(ाोर एवम विघ्न)

श्री भागी रामः स्पीकर साहब, मैने यह बात कही थी कि ग्रिवैन्सिज कमेटी मे ये उन्हो को मैम्बर्ज लेते है जो इन्हे अच्छे लगते है। अपनी पार्टी के ही मैम्बर्ज को लेते है दूसरी पार्टी के लोगो को मैम्बर्ज नही लेते है। (ाोर एवम विघ्न)

श्री औमप्रका ा वर्माः आन ए प्वायट आफ आर्डर सर। स्पीकर साहब, मंत्री जी ने एक बात कह दी कि जो एम0एल0एज0 डिस्ट्रिक्ट ग्रिवैन्सिज कमेटी की मीटिग मे नही जाते वह अपने फर्ज मे गफलत बरतते है। स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहता हू कि ग्रिवैन्सिज तो हमे सरकारी कर्मचारीयो के खिलाफ होते है, कमेटी मे वही सरकारी कर्मचारी बैठे हुए होते है उनके सामने अपने ग्रिवैन्सिज कैसे रखें? मीटिंग मे एम.डी.एम. , बी.डी.ओ. और डी.सी. आदि अफसर होते है। अगर हम अपने ग्रिवैन्सिज उनके सामने उनके खिलाफ लाते है तो उससे उल्टा

असर पडता है बजाए हमे फायदा होने के। इसलिए मैने आज तक डिस्ट्रिक्ट ग्रिवैन्सिज कमेटी की मीटिग अटैन्ड नही की।

श्रीमती बसन्ती देवीः स्पीकर साहब, रोहतक ग्रिवैन्सिज कमेटी मे काग्रेस के नोमिनेटिड आदमी है। और उन्ही के खिलाफ ि ाकायत आती है।(ाोर एवम विघ्न)

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, डाक्टर औम प्रका ा जी ने ऐसी बात कही जो नही कहनी चाहिए थी। अम्बाला जिले मे डिस्ट्रिक्ट ग्रिवैन्सिज कमेटी मे मेरी डियूटी लगा रखी है। वहा पर जो भी मैम्बर्ज आते है चाहे वे कितने ही बडे बडे अफसर क्यो न हो उनके खिलाफ भी बडी फीक्विन्टली और औपनली बात सुनाते है। यह बिल्कुल गलत बात है कि अफसरो से लोग बात करते हुए डरते है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, हमारी हिसार की डिस्ट्रिक्ट ग्रिवैन्सिज कमेटी के प्रैजीडेन्ट मुख्य मंत्री जी है। इनको फुर्सत ही नही होती है। छ छ महीने तक इनके द र्ान ही नही होते है। जब ये जाते है तो हम जरूर पहुचते है जहा डी0सी0 प्रिजाइड करे वहा उस दिन हम नही जाते । मंत्रियो को कहे कि वे प्रिजाइड करे। जो प्रिजाइड करने वाला है उसके खिलाफ ि ाकायत नही की जा सकती । मै मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना करूगा कि हिसार के लिए किसी और मंत्री की डियूटी लगा दे आप मीटिग मे जरूर पहुचा करे।

चौधरी भजन लालः आपकी बात पर गौर किया जायेगा।

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः आप तौर डिप्टी कमी ानर ग्रिवैन्सिज कमेटी को प्रिजाइड करता है जब कि मिनिस्टर की डियूटी लगी होती है इसलिए जब तक वहा मिनिस्टर न जाये मीटिग नही होनी चाहिए क्यो कि डी0सी0 फैसला नही ले सकता। अगर मिनिस्टर वहा पर कई मामले ऐसे होते है जिन पर डी0सी0 फैसला नही ले सकता। अगर मिनिस्टर वहा पर हो तो वे हवी पर निपट सकते है। इसलिए मिनिस्टर न पहुचे तो मीटिंग नही होनी चाहिए।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः स्पीकर साहब, जीन्द के अन्दर चौधरी राजेन्द्र सिंह इन्चार्ज है। वे वह पर केवल दो बार गये है।(ाोर एवम विघ्न)

श्री सागर राम गुप्ताः स्पीकर साहब, जो बजट की डिसक ान के दौरान प्वायट उठाये गये है उनका मै जवाब देना चाहता हू लेकिन चूकि ये मुझे दूसरी और डायवर्ट कर रहे है। इसलिए मै प्रोपर जवाब नही दे सकूगा। बाद मे यह कहेगे कि हमारी बात का जवाब नही दिया। स्पीकर साहब, धमीजा जी ने और कुछ अन्य मैम्बर्ज ने मांग की है कि अम्बाला मे मैडिकल कालेज खोला जाये। हरियाणा सरकार अम्बाला मे मैडिकल कालेज नही खोल सकेगी क्योकि मैडिकल कौसिल आफ इडिया ने कुछ स्टैन्डर्ड ले डाउन कर रखे है जिनके अनुसार चलना होता है

मैडिकल कौसिल आफ इडिया के कुछ स्टैन्डर्ड ने डाउन कर रखे है जिनके अनुसार चलना होता है मैडिकल कौसिल आफ इडिया के अनुसार डाक्टरो की तादाद बढ गई है जिसके कारण अन एम्पलाएमैंट आ गई है इसलिए हरियाणा मे मैडिकल कालेज नही खोला जा सकेगा। दूसरी बात यह है कि कोई भी इन्स्टीच्यू ान खोलने से पहले उसके कैचमैट एरिया का ध्यान रखा जाता है अम्बाला के नजदीक पटियाला, फरीदकोट और पी0जी0आई0 है इन जगहो पर मैडिकल कालेजिज है। इस बात को देखते हुए वहा पर मैडिकल कालेज खोलना मुनासिब नजर नही आता। तीसरी बात यह है कि मैडिकल कौसिल ने जो स्टैन्डर्ड ले डाउन कर रखे है उनके मुताबिक भी हरियाणा मे मैडिकल कालेज नही खुल सकता। हमारा रोहतक मैडिकल कालेज बडा अच्छा चल रहा है। वहा पर 115 स्टुडेन्टस एम0बी0एस0 और 20 स्टुडैन्टस बी0डी0एस0 के है क्लीनिकल मैटीरियल चाहे वहा पर्याप्त मात्रा मे नही है। आखिरी मजबुरी हमारी यह भी है कि पचास करोड रूपया खर्च करना हरियाणा सरकार मुनासिब नही समझती क्योकि इतना ज्यादा पैसा डिवैल्पमैट के कामो पर खर्च करना हम ज्यादा मुनासिब समझते है।

स्पीकर साहब, बहिन चन्द्रावती जी की कुछ आदत ही ऐसी बन गई है कि वे अपनी स्पीच के दौरान कुछ स्वीमिग रिमार्कस कर जाती है। इन्होने कहा कि हरियाणा मे सेनीटे ान की हालत बहुत खराब है। हालत ठीक करवाना चाहती है इस बारे

मे कुछ नही बताया। वैसे ही कह दिया कि सेनीटे ान की हालत खराब है । अगर वे नि चत तौर पर बतायेगी कि वहा की हालत खराब है तो सरकार गौर करेगी।

श्रीमती चन्द्रावतीः किसी भी टाउन या गांव मे अच्छी कन्डी ान नही है। सभी जगहो पर सैनीटे ान की हालत खराब हैं।

श्री सागर राम गुप्ताः आप पिजौर मे जाइये वहा पर सैनीटै ान की बहुत बढिया हालत मिलेगी। आप ऐसी जगहो पर क्यो जाती है जा हालत खराब है स्पीकर साहब इन्होने एक और स्वीपिग रिमार्कस दिया कि सारी भाहरो की गलियों और सडको पर अन्धेरा ही अन्धेरा है कोई टयूब लाइट नही है गलियो मे बल्ब नही है स्पीकर साहब, आप और हम सारे के सारे घरो से बाहर निकलते है यह बात नही है कि हम घरो मे ही कनफाइन रहते हो, बारह भी निकलते है सारे आनरेबल मैम्बर्ज देखते है सडको पर टयूबलाइट चमकती हुई नजर आती है गांव की गलियो मे बल्ब लगाये हुए है। अगर बहिन जी बताये कि फला जगह पर बल्ब या टयूब लाइट नही है तो वहा पर नि चत तौर पर इन्तजाम करेगे। (ाोर एवम विघ्न) इसी तरह से एक बात और स्वीपिंग तौर पर कह दी गई कि स्टैम्प डियूटी बढा दी। इन्होने यह भी कहा कि यहा पर सारे भ्रश्ट है सारे ही खाने पीने वाले है और सारा मामला गडबड हो गया है। स्पीकर साहब छाज ओर छलनी वाली बात मै कहना नही चाहता लेकिन मै उनसे पूछना चाहता हू कि वे

तीस लाख रूपये के कूपन कहा पर है जिनके लिये आज भी चौधरी चरण सिंह जी पूछ रहे है? पहले आप अपने गरेवाल मे मुह डाल कर देखे। (ाोर एवम विघ्न) आज हरियाणा की ऐडमिनिस्ट्रे ान मे जो भी अफसर है वे बहुत अच्छे है। (ाोर एवम विघ्न)

श्रीमती चन्द्रावतीः आन ए प्वायट आफ आर्डर सर। स्पीकर साहब, ये इस बात को जानते है कि यह झुठी बात है। ये गीता पर हाथ रख कर कह दे कि ऐसी मैने किया था। ये सारे जो उधर डिफैक्टर्ज बैठे है ऐसी बात कहते है। ये सब झूठी बात कहते है। इसमे कोई सच्चाई नही है।(ाोर एवम विघ्न)

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, जो ऐसप ान बहिन जी पर किया गया है वह अच्छा नही। सागर राम गुप्ता जी मिनिस्टर है उन्हे जिम्मेदारी की बात कहनी चाहिए। कूपन मे कोई हेराफेरी नही हुई कोई लेना नही, कोई देना नही। इन्होने ऐसे ही कह दिया कि चौधरी चरण सिंह जी भी पूछ रहे है। पता नही कि ये किस आधार पर इस बात को कह रहे है हमारी पार्टी मे किसी किस्म की कोई कूपन की हेराफेरी नही हुई। स्पीकर साहब, जो कूपनो से चन्दा इकटठा हुआ उसमे सब से ज्यादा कलैक ान करने मे आज के मुख्यमंत्री का हाथ थां। (ाोर एवम विघ्न)

चौधरी भजन लालः हमने कभी चन्दा इकट्ठा नही किया।

श्री वीरेन्द्र सिंहः चौधरी साहब, आप ईमानदारी से कह दे। कि आपने किसान रैली के लिए पैसा इकटठा नही किया।

चौधरी भजन लालः आप खुद कहते थे कि पता नही बहिन जी से कैसे कूपन्ज की गडबड हो गयी।(ाोर एवम विघ्न) मै दूसरी बात कहूगा तो आपकी तकलीफ होगी। (ाोर एवम विघ्न) आप और चौधरी देवी लाल तो यहा तक कहते थे कि चौधरी चरण सिंह ने जो 78 लाख रूपया इकटठा किया था, उसका भी कोई हिसाब किताब नही है।(ाोर एवम विघ्न)

श्रीमती चन्द्रावतीः मै तो परमात्मा के सामने कहती हू कि वह झूठे कहने वाले आदमी को सजा दे।(ाोर एवम विघ्न)

एक आवाजः औरो का भी तो परमात्मा है, मैडम।(ाोर एवम विघ्न)

श्री सागर राम गुप्ताः मै बहिन जी की सूचना के लिये यह बताना चाहता हू कि हरियाणा मे निरन्तर स्टैम्प डियूटी की आमदनी मे, रजिस्ट्रे ान फी की आमदनी मे और नम्बर आफ डाकुमैटस रजिस्टर्ड मे इन्क्रीज होती रही है। मै फिगर्ज से यह बात वाजेह करना चाहता हू। 1978–79 मे स्टैम्प डियूटी से आमदनी 10 लाख 60 हजार रूपये थी। यह 1979–80 मे बढ कर 11 लाख 99 हजार रूपये हो गयी और 1980–81 मे यह बढकर 16 लाख 12 हजार रूपये हो गयी।

एक आवाजः आप गलत ब्यानी कर रहे है। लैड की कीमत बढी है।

श्री सागर राम गुप्ताः नही, डाकुमैटस का नम्बर भी बढा है और रजिस्ट्रे ान फी आमदनी भी बढी है। 1981–82 मे इससे आमदनी 21 लाख 72 हजार थी 1982.83 मे यह बढकर 23 लाख 4 हजार हो गयी और 1984.85 मे यह 25 लाख 25 हजार रूपया हो गयी है। तो इस तरह की बाते कहना कि यह पैसा खा गया वह पैसा खा गया, भाोभा की बात नही है। स्वीपिंग बाते कह देना, कोई वाजिब बात नही है।(ाोर एवम विघ्न) आपकी बातो का तो हम जवाब नही दे सकते क्योकि हमारे अन्दर तो इतनी हिम्मत ही नही है कि 30 लाख रूपये के कूपन खा जाये। हमारा तो इतना बडा हौसला ही नही है (ाोर एवम विघ्न) एक बात चौधरी भले राम जी ने कही कि गरीब बच्चो, ि ाडयूल्ड कास्टस के बच्चो की वजीफे वगैर की भाक्ल मे जो इमदाद दी जाती है उसमे कुछ न कुछ बढौतरी होनी चाहिए। उनकी यह बिल्कुल जायज बात हैं स्पीकर साहब, चौधरी भले राम जी की बात को ध्यान मे रखते हुए मै उनको एक बात बताना चाहता हू।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, मुझे इन्ट्र ान के लिए आप मुआफ करेगे। मै कोई व्यक्तिगत बात नही कहती। इनकी साइकिल की ब्यौत नही थी लेकिन आज कितने हजार प्रौपर्टी हैं। मुख्य मंत्री जी आप इस बात को दिखा ले। (ाोर एवम विघ्न)

आप इनकी और मेरी प्रौपर्टी दिखा ले पता चल जायेगा कि किसने कितनी इकटठी की है।

श्री सागर राम गुप्ताः ठीक है । क्या आप इस बात के लिये तैयार हो ?

श्रीमती चन्द्रावतीः बिल्कुल तैयार हूं।

श्री सागर राम गुप्ताः बिल्कुल ठीक है करवा देगे इन्कवायरी। (हंसी)

श्रीमती चन्द्रावतीः हां करवा दो। इक्वायरी आप सब लोगो की भी हो और हमारी भी हो ।(विघ्न)

श्री अध्यक्षः आर्डर प्लीज आर्डर। ग्रेवाल जी आप बैठिये। अब काफी बात हो गई है।

श्री सागर राम गुप्तः स्पीकर साहब, श्री भले राम जी की बात ठीक है कि ि ाडयूल्ड कास्टस और ि ाडयूल्ड ट्राईब्ज के बच्चो को वजीफे के रूप मे ज्यादा प्रोत्साहन मिलना चाहिए। मै उनको सूचना के लिये बताना चाहता हू कि भारत सरकार की एक स्कीम के मुताबिक उन सब बच्चो को जो हमारी स्टेट मे पढते है वजीफ देते है 11 वी कक्षा ओर 12वी कक्षा तक जो बच्चे होस्टल मे रहते है उनको 75 रूपये लडको को वजीफा और 85 रूपये लडकियो का वजीफा दिया जाता है जो होस्टलर्ज नही है और डे स्कालरज है उन लडको को 50 रूपये और लडकीयो को 60 रूपये

वजीफा दिया जाता है। अगले साल 80 रूपये और 55 रूपये लडको और 95 रूपये और 70 रूपये लडकियो को, होस्टलर्ज और डे स्कालरज को, क्रम ा दिया जाता है। इसके अलावा जनरल कोर्सिज के लिए 115 रूपये और 70 रूपये लडको ओर 130 रूपये और 85 लडकियो को होस्टलर्ज और डी स्कालर्ज को क्रम ा दिया जाता है। स्पीकर साहब, इसके अलावा जैसे कि आप सब को पता है हरियाणा मे एक बुक बैक खाता खोला हुआ है जिससे सारे हरिजन बच्चो को फ्री किताबे सप्लाई की जाती है। इसी तरह से हम और भी वितीय सहायता इनके लिये बढाने की बात सोच रहे हैं। आहिस्ता आहिस्ता जितनी भी जरूरियात इन हरिजन बच्चो की है, हम यह चाहते है कि उनमे तालीम का प्रसार करने के लिये पूरी की जायें ताकि वे अपने जीवन स्तर को दूसरो की तरह से उचा उठा सके। यह पर बिलो पावर्टी लाईन फैमिलीज का भी जिक्र किया गया है। हम ज्यादा तेजी से उनको भी ऊपर उठाने के लिये कोि ा ा कर रहे है। श्री भले राम जी को मै वि ावास दिलाना चाहता हू कि जो सुझाव उन्होने इसके लिये दिया है उस के ऊपर पूरा ध्यान दिया जा रहा है। भले राम जी एक बात और कही । उन्होने यह कहा कि आजकल इम्तहानो मे नकग बगैरा कुछ ज्यादा हो रही है उसके लिये एक साल के लिस ट्रायल बेसिज पर छोड दिया जाये। अगर कोई टीचर रिजल्ट अच्छा दिखाता है तो उसको प्रोमो ान और एक्रेजमैट देने की पालिसी को एक साल के लिए छोड दिया जाये, यह उनका कहना है। स्पीकर साहब मै उनको यह कहना चाहता हू कि हरियाणा सरकार

यह ट्रायल नही कर सकती क्योकि आप जानते है कि जहा तक टीचर्ज की इन्करेजमैट का या उनकी प्रोमो ान का सवाल है, या उनकी कान्फीडै ीयल रिपोर्टस लिखने का ताल्लुक है एक माप दण्ड उसके लिये यह है कि उसका रिजल्ट कैसा है और उन्होने बच्चो को पढाने मे कितनी दिलचस्पी ली है। इसी के आधार पर उनको आगे प्रोमो ान दी जाती है। मै यह मानता हू जैसे उन्होने कहा कि नकल करना आजकल कुछ बढ गया है लेकिन सरकार इसके लिये प्रबन्ध कर रही है। सरकार फलाईग सक्वैड बना रही है और बोर्ड के तथा दूसरे सिविल अधिकारियो की डियूटी लगायी जाती है कि वह खास तौर पर इम्तहानो के दिनो मे वहा पर जाकर जांच करे। ऐसा इसीलिये किया जा रहा है ताकि जहा पर एम्गजामीने ानज सैटर्ज बन रहे है, वहा पर जांच हो सके और बच्चे नकल करने की कोि ा ा न करे।

श्री अध्यक्षः कितना टाईम आप औ लेगे ?

श्री सागर राम गुप्ताः स्पीकर साहब, अभी कम से कम 15—20 मिनट तो लगेगे।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, मेरा ख्याल है कि ये 10 मिनट मे ही खत्म कर देगे।(ाोर एवम विघ्न)

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, इन्होने जवाब बहुत बढिया दिया है। (ाोर एवम विघ्न)

श्री सागर राम गुप्ताः स्पीकर साहब, अगर ये कहते है कि इनकी तसल्ली हो गयी है तो टाईम बढाने की जरूरत नही है मै अपनी बात यही खत्म कर देता हूं।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, मै एक बात क्लीयर करना चाहता हू। आज श्री मांगे राम जी ने हाउस मे बोलते हुए यह कहा कि रोहतक कोआप्रेटिव बैक मे कुछ सिलैक ान्ज हुई थी उसमे रोहतक जिले का एक भी लडका नही लिया गया। मै माननीय सदस्य को यह बताना चाहता हू कि उन्होने बडी गलत बात हाउस मे कही है। वहा पर कुल 42 पोस्टे थी और 42 मे 24 क्लकर्स रोहतक जिले के लिये गये है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः किस साल की बात कर रहे हो ?

चौधरी भजन लालः इस साल की बात कर रहा हूं।

चौधरी भजन लालः आप वकील हो वकील का यही तो काम होता है कि कोई न कोई रास्ता ऐसा निकाल दे। (ाोर एवम विघ्न) आप कोई भी ऐसा साल नही बता सकेगे जिसमे रोहतक जिले का कोई आदमी वहा पर न लिया गया हो (ाोर एवम विघ्न) मै यह कहता हू कि रोहतक जिले के मैनेजमैंट बोर्ड द्धारा कुल 42 आदमी लिये गये है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः मुख्य मंत्री जी आपके जवाब ये हमारी तसल्ली नही हुई है, आप कृपया पूरे फैक्टस एण्ड फिर्गज कल दे देना।

चौधरी भजन लालः मै आज ही बता रहा हू कि 24 तो रोहतक जिले के लिये गये है और बाकी सोनीपत और दूसरे जिले के है जो कायदे के अनुसार लिये गए है।

श्री अध्यक्षः अब हाउस कल प्रात साढे नौ बजे तक के लिये ऐडजर्न किया जाता है।

18.29 बजे

तत्प चात सदन मंगलवार दिनांक 26.3.1985, को प्रातः साढे नौ बजे तक के लिये स्थगित हुआ।

APPENDIX

Repairs/overhauling of vehicles in the irrigation Drainage De partment

***855 Shri Kitab Singh:** Will the Minister of Irrigation and Power be pleased to state-

(a) the number of turcks cars and jeeps existing at present in the irrigation Department Drainage Circle in Haryana together with total amount of expenditure incurred on their reparis.

(b) whether any of the vehicle referred to in part (a) above have been overhauled: if so, the number thereof together with the number of kilometers covered by each at the time of overhauling and the amout of expenditure incurred for the said purpose speartely and

(c) the quantity of oil and mobil oil consumend by each on of the vehicles referred to in part (b) above separately during the period form 1-81982 to 1-1985

Irrigation and Power Minister(Chaudhri Shamsher Singh Surjewala)

(a) 35 No. Trucks and 63 Jeeps presently exist in Drainage Circle of Irrigation Department and there is no car. Totla expenditure excluding overhauling incurred on their repairs for the year 1984-85 works out of Rs. 515463/-

(b) Yes, out of the total vehicles referred to in part (a) 70 No. (22 trucks and 41 Jeeps) have been overhauled. Details of expenditure incurred on overhauling an dkilometers covered by each vehicle at the time of overhauling are given in Annexure A/I and A/II and

(c) details for uqantity of oil and Mobile oil consumed form 1-1-1982 to 1-1-1985 by each vehicle referred to in part (a) are given in Annexure B/I and B/II

ANNEXURE - A/1

Statement showing details expenditure incurred K.Ms covered at the time of over hauling of each truck of Drainage Admn of Irrigation Deptt, Haryana

Name of Circle	Sr. No.	Truck overhauled	No of Km covered at the time of overhauling	Expediture

1	2	3	4	5
W.J.C	1	HRG 8443	61122	21656/-
Feeder/ G.C Delhi	2	HRG 5601	159116	25579/-
U.D.D Circle No.	1	HRC 5897	55884	9842/-
Faridabad	2.	HRC 5898	52914 54212	12471/- 1482/-
	3.	HRL 1812	105212	5610/-
	4.	HYA 4349	49244	10671/
	5.	HYA 4530	30836	224454/-
U.D.D Circle	1.	HRU 801	83063	10314/-
No. II Gurgaon	2.	HRU 802	42800	5804/-
	3.	HRU 803	80000	13810/-
	4.	HRU 804	43797	17823/-
	5.	HRC 1713	11223	5729/-
	6.	HRB 4531	22000	16448/-
Drainage Circle	1.	HRK 4022	338378	49692/-

Karnal	2	HRK 4023	274854	43663/-
Drainage Circle	1.	HRP 2896	(i) 277303	11616/--
			(ii) 347247	52474/-
	2.	HRO 3805	143226	16376
	3.	HRA 2376	(i) 145353	9903
			(ii) 184834	24489
	4.	HRB 4480	82773	10963
Drainage Circle	1	HRB 4603	47046	15977
Hissar	2.	HRB 3541	61500	37513
	3.	HRB 6855	47940	22863

ANNEXURE - A/II

Statement showing details expenditure incurred K.Ms covered at the time of over hauling of each truck of Drainage Admn of Irrigation Deptt, Haryana

Name of Circle	Sr. No.	Jeep over hauled	No of Km covered at the time of overhauling	Expediture
1	2	3	4	5

W.J.C	1	HRC 9098	69695	23748
Feeder/ G.C Delhi	2	HRG 675	82529	13910
	3.	HRC 1118	224571	14779/-
	4.	HRC 290	100250	22897/-
	5.	HRC 8866	31200	24475
	6.	HRC 4286	84304	26264
	7.	PUH 2644	3680	16800
	8	HRC 5734	163064	7470
	9.	HRC 5724	28380	8332
	10.	HRM 7830	129631	5300
U.D.D Circle 1, Faridabad	1.	HRP 570	43147	1995
		HRU 802	42800	5804/-
			82548	7134
			133806	10606
	2	HRP 693	190918	169947
	3	HRC 5713	76971	4010
			127238	6673

	4.	HRP 683	41705	3479
			106409	10076
			161816	18521
	5.	HRP 5043	59804	1050
			12840	11000
	6	HRP 5062	82274	15023
			119547	12330
	7.	HRP 5262	63098	10580
			101608	7820
	8.	HRG 4890	---	6884
U.D.D Circle 11 Gurgaon	1.	HRP 571	134404	15000
	2	HRP 5042	11768	5083
	3.	HRC 7981	109999	11029
	4.	HRC 7878	79791	6154
	5.	HRC 7857	118876	7013
	6.	HRC 6481	34531	8591
	7.	HRG 8386	22000	6557
	8.	HRG 7986	87000	9500

	9.	HRG 6945	60000	12000
			86500	4000
			1395000	9000
Drainage Circl	1.	HYA 9202	140000	13624
Krnal	2.	HRA 643	116000	13373
	3.	HRQ 3223	73201	3389
	4.	HRO 981	67643	253
			160573	16325
			81134	18519
	5.	HYC 8225	65322	12950
Drainage Circl	1.	HRO 4291	127147	11824
Rohtak	2.	HRT 1523	71603	14092
	3.	HRR 5624	95000	10432
	4.	HRO 4272	125000	7900
	5.	HRK 2506	55000	7800
	6.	HRM 5563	18137	4453
	7.	HRM 7813	17550	5194

			77832	10727
			84292	4127
Drainage Circl	1.	HRN 7137	85995	3982
Hisar	2.	HRJ 3092	92085	14337
			106350	8560
	3.	HRJ 3093	85364	15123
	4.	HRB 6450	47395	15889
	5.	HRK 3172	41551	6776
	6.	HRT 1007	60000	6000
	7.	HRT 1006	62000	12800
	8.	HRH 6336	17058	8660
			53705	6445

ANNEXURE - B/I

Statement showing quamtity of oil/Mobile consumed by each vehicle during the period from 1-8-1982 to 1-1-1985 of Drainage Admn. Irregatin Deptt Haryana

Name of Circle	Sr. No.	Truck No.	Oil conumed by each vehicle in	Mobile oil consumed in litres

			liters	
1	2	3	4	5
W.J.C	1	HRC 8401	7982	375
Feeder/ G.C Delhi	2	HRG 8443	3234	127
	3.	HRC 5601	7678	354
	4.	HRG 8388	7726	296
	5.	HRG 8387	184	16
	6.	HRG 3960	11680	453
U.D.D Circle 1, Faridabad	1.	HRC 5897	7815	183
	2.	HRC 5898	6172	213
	3.	HRL 1812	7055	373
	4.	HYA 4349	175	9
	5.	HRB 4530	550	12
U.D.D Circle II Gurgaon	1.	HRA 7649	4500	80
	2.	HRU 801	14451	733
	3.	HRU 802	10231	181

	4.	HRU 803	14896	663
	5.	HRU 804	10618	153
	6.	HRB 4527	8259	459
	7.	HRC 1713	2724	54
	8.	HRB 4531	11916	10076
Drainage Circle Karnal	1.	HRK 4023	12209	625
	2.	HRK 4022	13930	712
	3.	HRD 8291	4180	184
	4.	HRM 8866	574	24
Drainage Circle Rohtak	1.	HRR 2896	13672	225
	2.	HRO 3805	3998	98
	3.	HRM 8867	5413	99
	4.	HRA 2376	7705	187
	5.	HRB -4480	11307	382
Drainage Circle Hisar	1.	HRB 4603	974	12
	2.	HRB 3542	19384	242
	3	HRB 3541	26563	327

	4.	HRB 6856	18006	225
	5.	HRB 6855	19047	242
	6.	HRO 3439	1295	31
	7.	HRB 3805	350	15

ANNEXURE - B/II

Statement showing quamtity of oil/Mobile consumed by each vehicle during the period from 1-8-1982 to 1-1-1985 of Drainage Admn. Irregatin Deptt Haryana

Name of Circle	Sr. No.	Jeep No.	Oil conumed by each vehicle in liters	Mobile oil consumed in litres
1	2	3	4	5
W.J.C	1	HRC 9098	6945	316
Feeder/ G.C Delhi	2	HRC 675	5854	174
	3.	HRC 1118	8926	235
	4.	HRC 290	7387	115
	5.	HRC 8866	8561	154
	6.	HRC 4286	17842	573

	7.	PUH 2644	515	20
	8.	HRC 5734	10499	145
	9.	HRC 5724	7619	72
	10.	HRM 7830	5264	71
U.D.D Circle II Faridabad	1.	HRP 570	7912	144
	2.	HRC 693	9215	207
	3.	HRC 5713	10271	190
	4.	HRP 683	3854	129
	5.	HRP 5043	10009	278
	6.	HRP 5062	9375	207
	7.	HRP 5262	6372	236
	8.	HRG 4890	1834	36
U.D.D Circle II Gurgaon	1.	HRP 571	7768	238
	2.	HRB 8074	2615	77
	3.	HRC 7977	7841	208
	4.	HRC 7986	8248	211
	5.	HRC 6945	3084	93

	6.	HRC 7878	10297	284
	7.	HRC 6481	5290	164
	8.	HRG 8386	7172	339
	9.	HRG 7802	3900	37
	10.	HRG 7981	6710	103
	11.	HRT 1008	2061	12
	12	HRG 7857	4529	81
	13	HRM 378	6443	139
	14.	HRP 5042	6710	135
Drainage Circle Karnal	1.	HRA 9202	14503	410
	2.	HRA 643	7644	240
	3.	HRK 150	2842	69
	4.	HRL 9093	11010	349
	5.	HRQ 3223	11666	266
	6.	HYK 4150	8078	219
	7.	HRO 981	13912	284
	8.	HYK 3651	7099	201
	9.	HYS 88	6878	249

	10.	HYS 8338	6580	244
	11.	HYS 8225	5500	209
Drainage Circle Rohtak	1.	HRO 4291	8201	212
	2	HRT 1523	4255	157
	3.	HRR 562	8192	254
	4.	HRO 4272	9117	98
	5.	HRK 2506	7276	124
	6.	HRO 984	8602	144
	7.	HRM	7813	7098
	8	HRM 5563	1781	51
	9	HRC 7981	1514	30
Drainage Circle Hissar	1.	HRM 7137	6077	110
	2.	HRL 1181	5894	99
	3.	HRJ 3092	7885	97
	4.	HRB 3093	18414	224
	5.	HRB 6449	18414	224
	6.	HRB 6450	16737	209

	7.	HRB 6464	13109	164
	8.	HRK 3172	886	54
	9.	HRH 6336	7880	196
	10.	HRT 1007	9000	172
	11.	HRT 1006	5085	198